हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-247, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, गुरुवार 20 फरवरी 2025

समाज में सोशल मीडिया का महत्व के लिए परिषदीय विद्यालय...02

फर्जी तरीके से पुलिस की वर्दी पहन कर सोशल...06

दिल्ली में अब रेखा राज

➤ रेखा गुप्ता पहली बार विधायक बनीं, अब दिल्ली सीएम

नयी दिल्ली। दिल्ली में मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा में पहली पसंद बनकर उभरीं रेखा गुप्ता कौन हैं? वे मूल रूप से कहां की रहने वाली हैं और दिल्ली से उनका नाता कितना पुराना है? इसके अलावा रेखा गुप्ता की पढ़ाई कहां-कहां हुई है और उनका सियासी सफरनामा क्या रहा है? आइये जानते हैं... दिल्ली में विधानसभा चुनाव के नतीजे आए हुए 11 दिन का समय हो चुका है। इसी के साथ भाजपा ने राजधानी में अपने अगले मुख्यमंत्री चेहरे का एलान कर दिया है। रेखा गुप्ता दिल्ली की अगली मुख्यमंत्री होंगी। 20 फरवरी को वे दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ लेंगी। यह 26 साल बाद है, जब दिल्ली में भाजपा का कोई नेता मुख्यमंत्री बना है। इस बीच राजनीतिक गलियारों में कई नेताओं के मुख्यमंत्री बनने की अटकलें लगाई गईं। इनमें सबसे बड़ा दावा रेखा गुप्ता के नाम को लेकर ही किया गया। कुछ रिपोर्ट्स में तो यहां तक कहा जा रहा है कि रेखा गुप्ता को संघ की मंजूरी मिल चुकी थी और भाजपा ने भी उन्हें सीएम पद के लिए अपनी पसंद भी बना लिया था। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर दिल्ली में मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनीं रेखा गुप्ता कौन हैं? वे मूल रूप से कहां की रहने वाली हैं और दिल्ली से उनका नाता कितना पुराना है? इसके अलावा रेखा गुप्ता की पढ़ाई कहां-कहां हुई है और उनका सियासी सफरनामा क्या रहा है? आइये जानते हैं... कौन हैं रेखा गुप्ता? रेखा गुप्ता दिल्ली की शालीमार बाग विधानसभा सीट से विधायक हैं।

संगम का जल नहाने योग्य: सीएम

➤ योगी बोले-भतीजा चच्चू को कुंभ भी नहीं ले गयाः शायरी से अखिलेश पर निशाना, विपक्ष के हर सवाल का जवाब दिया

➤ योगी बोले, मानव मल की अफ्वाह फैला रहा विपक्ष्य भगदड़ को लेकर भी घेरा

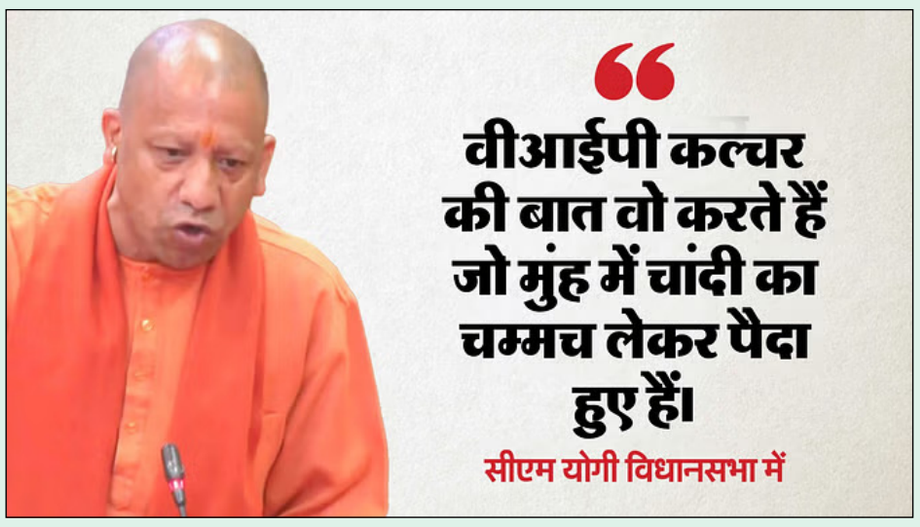

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के आयोजन को लेकर की जा रही बयानबाजी पर सपा पर हमला करते हुए कहा कि ये लोग पहले दिन से ही महाकुंभ का विरोध कर रहे हैं। ये लोग सनातन धर्म का अपमान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन को लेकर अफ्वाह फैलाने वाले करोड़ों लोगों की आस्था का अपमान कर रहे हैं। अब तक महाकुंभ में 56 करोड़ से भी ज्यादा लोग स्नान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि संगम का जल साफ है और डुबकी लगाने योग्य है। विपक्ष के लोग इसमें मानव मल होने का दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का आयोजन किसी सरकार का आयोजन नहीं है। यह सनातन संस्कृति का आयोजन है। महाकुंभ पर अफ्वाह फैलाने वाले और अनर्गल आरोप लगाने वाले सनातन आस्था का अपमान कर रहे हैं। इस पर राजनीति नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी विधानसभा में महाकुंभ पर संक्षिप्त चर्चा में जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा के लोग महाकुंभ का पहले दिन से ही विरोध कर रहे हैं। इनकी एक सहयोगी ममता बनर्जी ने महाकुंभ को मृत्युकुंभ कहा है। इसी तरह राजद नेता लालू प्रसाद यादव ने इसे फ्लतू की बात कहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि महाकुंभ की भगदड़ में हजारों लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि अगर सनातन संस्कृति का पालन करना अपराध है तो हम से अपराध हजार बार करेंगे। उन्होंने सपा पर हमला करते हुए कहा कि संक्रमित व्यक्ति का उपचार हो सकता है संक्रमित सोच का कोई उपचार नहीं है। महाकुंभ महान आयोजन है। महान कार्य को तीन अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है। उपहास से, विरोध से और स्वीकृति से। स्वीकृति का इससे अधिक प्रमाण क्या हो सकता है कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष खुद चुपचाप जाकर महाकुंभ में डुबकी लगा आए। मुख्यमंत्री योगी ने एक शेर के माध्यम से विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा बड़ा हसीन है इनकी जुबान का जादू, लगाकर के आग बहारों की बात करते हैं। जिन्होंने रात में चुन-चुन के बस्तियों को लूटा, वही नसीबों के मारों की बात करते हैं। यह पार्टी विशेष और सरकार का नहीं, बल्कि समाज का आयोजन मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ किसी पार्टी विशेष और सरकार का नहीं, बल्कि समाज का आयोजन है। सरकार पीछे है। सरकार सहयोग और उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के लिए सेवक के रूप में है। सेवक के रूप में उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना हमारी जिम्मेदारी है। हम तत्परता के साथ ऐसा करेंगे, क्योंकि हमें अपनी जिम्मेदारियों का अहसास है। हमारे मन में भारत की सनातन परंपराओं के प्रति श्रद्धा का भाव है और उन श्रद्धाओं को सम्मान देना हमारा दायित्व है। सौभाग्य है कि सदी के महाकुम्भ के साथ सरकार को जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। तमाम दुष्प्रचार को दरकिनार करते हुए देश-दुनिया ने इस आयोजन के साथ सहभागी बनकर इसे सफ्लता की नई ऊंचाई तक पहुंचाया है। हमारी संवेदना परिजनों के साथ, मृतकों को श्रद्धांजलि देते हैं प्रतिपक्ष के सदस्य डॉ. आरके पटेल, संग्राम सिंह यादव, आराधना मिश्रा श्मोनाश् का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे जिम्मेदारियों का अहसास है। 29 जनवरी के भगदड़ के शिकार श्रद्धालुओं और प्रयागराज कुम्भ के दौरान सोनभद्र, अलीगढ़ या अन्य जगहों पर महास्नान में आने और वापस जाने के दौरान जो श्रद्धालु सड़क दुर्घटना के शिकार हुए हैं। हम उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। हमारी संवेदना परिवारजनों के प्रति है। सरकार उनके साथ खड़ी है और हरसंभव मदद करेगी। प्रश्न यह है कि इस पर राजनीति करना कितना उचित है। कहीं का वीडियो महाकुंभ से जोड़कर अफ्वाह फैलाने वाले लोग कौन? मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा सदस्य मनोज पांडेय को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने अफ्वाहों का उल्लेख किया। सीएम ने कहा कि काहिरा, नेपाल, झारखंड व देश की अन्य दुर्घटनाओं को महाकुंभ व झूंसी के साथ जोड़कर दुष्प्रचार करके अफ्वाह फैलाने का कार्य हो रहा है, ऐसा करने वाले आखिर कौन लोग थे। हर अच्छे कार्य का विरोध करना समाजवादी संस्कार मुख्यमंत्री ने शायरी सुनाने के बाद नेता प्रतिपक्ष पर तंज कसा- बोला कि यह उर्दू नहीं, हिंदी है। जब प्रदेश की स्थानीय बोलियों को सदन में महत्व मिला तो उन्होंने विरोध किया। हर अच्छे कार्य का विरोध करना समाजवादी संस्कार है। उन्होंने कहा कि हिंदी इस सदन की भाषा है। हिंदी को तो हटाया नहीं, बल्कि सदस्यों को छूट दी गई है कि वे इन बोलियों में बोल सकते हैं। यह थोपा नहीं गया, बल्कि सुविधा है। भोजपुरी, ब्रज, अवधी व बुंदेलखंडी की लिपि भी देवनागरी है। सभी कार्य संविधान द्वारा घोषित व्यवस्था के दायरे में हुआ है। इसका आपको स्वागत करना चाहिए और इस कार्य के साथ सकारात्मक भाव के साथ जुड़ना चाहिए। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को संबोधित करते हुए कहा कि आपके विरोध का मैं उपहास नहीं उड़ाता, क्योंकि आपकी आदत मुझे मालूम है। सीएम ने तंज कसा कि आज के समाजवादियों के बारे में मान्यता है कि जिस थाली में खाते हैं, उसमें ही छेद करते हैं। क्या मुंशी प्रेमचंद कठमुल्ला थे? उर्दू को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने सीएम योगी से पूछा सवाल यूपी विधानसभा की कार्यवाही में अंग्रेजी भाषा को शामिल करने का विरोध करने और उर्दू को भी शामिल करने की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि हम अंग्रेजी भाषा का विरोध नहीं करते हैं जिसे पढ़ना हो पढ़े पर सदन की कार्यवाही में इसे शामिल नहीं करना चाहिए। ऐसा होने पर ज्यादातर सदस्य इसे समझ नहीं पाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सपा पर कठमुल्ला पैदा करने का आरोप लगाने पर कहा कि मैं मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूं कि गोरखपुर में उर्दू के बड़े शायर हुए रम्पत शाह फ़िराक क्या वो कठमुल्ला थे? क्या उर्दू में उपन्यास लिखने वाले कठमुल्ला थे? क्या विश्वविद्यालयों में उर्दू विभाग में पढ़ने वाले कठमुल्ला हैं? क्या अरबी-फ़ारसी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले लोग कठमुल्ला हैं? मैं इस शब्द पर आपत्ति करता हूं।। उन्होंने कहा कि हम अंग्रेजी का विरोध नहीं कर रहे हैं पर ये चाहते हैं कि सदन की कार्यवाही में अवधी, ब्रज, बुंदेली और भोजपुरी के साथ उर्दू और संस्कृत को भी शामिल किया जाए। सदन की कार्यवाही में अंग्रेजी का प्रयोग उचित नहीं है। अंग्रेजी न तो हमारी संस्कृति की भाषा है और न ही राजभाषा है।बता दें कि सदन की कार्यवाही में उर्दू भाषा को भी शामिल करने की मांग करने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाराज हो गए थे।

न्यूज

अपराध चरम पर, बेसुध बिहार सरकारः तेजस्वी

पटना। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुये कहा है कि प्रदेश में अपराध चरम पर है और सरकार बेसुध है। तेजस्वी ने एक बार फ़िर से बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश कुमार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने बुधवार को बिहार में कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर नीतीश कुमार और उनकी सरकार पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया साइट एक्स एक पोस्ट शेयर किया है। तेजस्वी ने इसको लेकर क्राइम बुलेटिन जारी किया है। तेजस्वी ने जनवरी माह की बिहार की अलग-अलग अपराध 137 की घटनाओं का जिक्र किया है। नेता प्रतिपक्ष ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा ,बेसुध है सरकार। बिहार में खून की बहार! बिहार में एनडीए की पांच पार्टियों के सौजन्य से चल रहे राक्षस राज में घटित जनवरी माह की चंद प्रमुख घटनाएं। इसके बाद उन्होंने करीब 137 घटनाओं का जिक्र किया। जिसमें भोजपुर, दरभंगा, वैशाली, मुजफ्फरपुर, रोहतास सहित कई जिलों के अपराधिक घटनाएं शामिल हैं। उन्होंने इसके साथ ही एक तस्वीर साझा की है जिसमें लिखा गया है कि बिहार की हालत गंभीर., वजह है तीर...।

ट्रंप का परस्पर कर फ़रमान जीएसटी के लिए भी चुनौतीः कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नयी कर नीति को संप्रभुता के लिए खतनाक बताते हुए कहा है कि यह जीएसटी के लिए भी चुनौती बन गया है इसलिए सरकार को जल्द इससे निपटने के उपाय करने चाहिए। पार्टी ने कहा कि ट्रंप की पारस्परिक शुल्क लगाने की बात बहुत चिंताजनक है और उनका यह फ़रमान जीएसटी की अवधारणा को भी चुनौती देने के साथ ही यह हमारी राष्ट्रीय संप्रभुता पर भी सवाल उठाता है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कांग्रेस लंबे समय से जीएसटी 2.0 की मांग कर रही है, जो जीएसटी को वास्तव में एक अच्छा और सरल टैक्स बनाएगा, जैसा कि इसे मूल रूप से बनाया गया था। कांग्रेस ने न्यूनतम दरों और व्यापक रूप से संशोधित अनुपालन नियमों की मांग की है। उन्होंने कहा फ अब राष्ट्रपति ट्रंप जीएसटी के अस्तित्व पर ही खतरा पैदा कर रहे हैं। अपने मूल ढांचे के अनुसार जीएसटी आयात पर लागू होता है, लेकिन निर्यात पर नहीं। इस सिद्धांत पर कभी कोई विवाद नहीं रहा लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा पारस्परिक शुल्क की बातों से जीएसटी जैसे उपभोग कर पर ही सवाल उठने लगे हैं। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा राष्ट्रपति ट्रंप का करो को लेकर जारी यह आदेश डब्लूटीओ के अलावा राष्ट्रीय संप्रभुता का भी सवाल बन गया है।

केंद्र ने आपदा प्रभावित पांच राज्यों के लिए 1554 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की

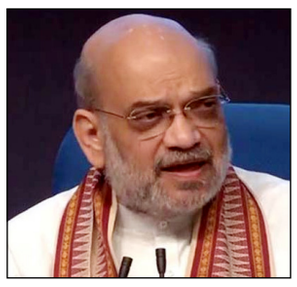

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय समिति ने वर्ष 2024 के दौरान बाढ़, आकस्मिक बाढ़, भूस्खलन, चक्रवाती तूफ़ान से प्रभावित पांच राज्यों को राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष से 1554.99 करोड़ रूपए की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को बुधवार मंजूरी दी। गृह मंत्रालय ने कहा है कि केंद्र सरकार का यह कदम प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने वाले इन पांच राज्यों के लोगों की मदद करने के संकल्प को दर्शाता है। उच्च-स्तरीय समिति ने पांच राज्यों को 1554.99 करोड़ रुपये की केन्द्रीय सहायता को मंजूरी दी है जो वर्ष के लिए राज्य आपदा मोचन कोष में उपलब्ध प्रारंभिक शेष राशि के 50 प्रतिशत के समायोजन के अधीन है। 1554.99 करोड़ रुपये की कुल राशि में से आंध्र प्रदेश के लिए 608.08 करोड़ रुपये, नागालैंड के लिए 170.99 करोड़ रुपये, ओडिशा के लिए 255.24 करोड़ रुपये, तेलंगाना के लिए 231.75 करोड़ रुपये और त्रिपुरा के लिए 288.93 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। यह अतिरिक्त सहायता केंद्र द्वारा राज्यों को राज्य आपदा मोचन कोष से जारी धनराशि के अतिरिक्त है जो पहले से ही राज्यों के पास उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान केंद्र सरकार ने राज्य आपदा कोष से 27 राज्यों को 18,322.80 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय कोष से 18 राज्यों को 4,808.30 करोड़ रुपये, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष से 14 राज्यों को 2208.55 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष से आठ राज्यों को 719.72 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

ज्ञानेश कुमार ने कार्यभार संभाला

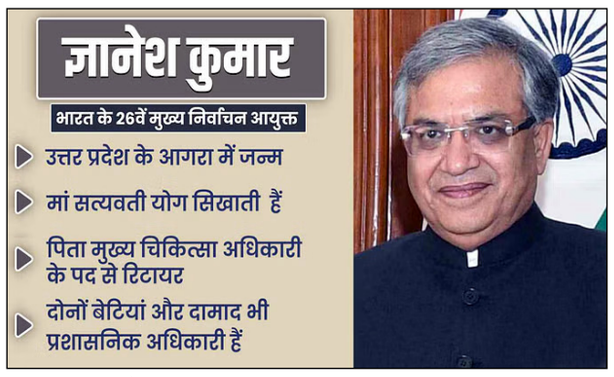

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। नवनियुक्त मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डाघ् विवेक जोशी ने बुधवार को यहां अपना कार्यभार संभाल लिया। श्री ज्ञानेश कुमार भारत के 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त है। उन्होंने श्री राजीव कुमार का स्थान लिया है जिनका कार्यकाल मंगलवार को सम्पन्न हुआ।

श्री ज्ञानेश कुमार का निर्वाचन आयेग के मुख्यालय पर निर्वाचन आयुक्त डाघ् सुखबीर सिंह संधू और डाघ् विवेक जोशी ने स्वागत किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने नयी जिम्मेदारी संभालने के बाद एक संक्षिप्त संदेश में नागरिकों विशेषकर युवा नागरिकों के लिए कहा कि उन्हें मतदान की जिम्मेदारी जरुर निभानी चाहिए। उन्होंने इसे राष्ट्र सेवा के लिए पहला कदम बताया। श्श्री कुमार ने कहा राष्ट्र सेवा के लिए पहला कदम है मतदान , अतरू भारत के नागरिक जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हों , उन्हें मतदाता जरुर बनना चाहिए और मतदान अवश्य करना चाहिए।श् भारत के संविधान , लोक प्रतिनिधित्व कानूनों , नियमों एवं उनके अन्तर्गत जारी निर्देशों के अनुरुप चुनाव आयोग हमेशा मतदाताओं के साथ था , है और रहेगा।श् आगरा की विजय नगर कॉलोनी के रहने वाले ज्ञानेश कुमार गुप्ता को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाए जाने से लोगों में हर्ष की लहर है। लोगों ने उनके बारे में बात करते हुए कहा कि वे समस्या नहीं समाधान पर फ़ोकस रखते हैं। उनकी सादगी के सभी मुरीद हैं। आगरा की विजय नगर कॉलोनी निवासी ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाए जाने से लोगों में हर्ष की लहर है।

➪ मल्लिकार्जुन खरगे की कांग्रेस नेताओं को दो टूक

चुनाव परिणामों के लिए आप जवाबदेह होंगे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सभी महासचिव और विभिन्न राज्यों के प्रभारी शामिल थे। खरगे ने पार्टी नेताओं से कहा, श्दिल्ली ने बदलाव के लिए मतदान किया और संसाधनों की कमी के बावजूद अच्छी लड़ाई लड़ने के लिए राज्य नेतृत्व के प्रयासों की सराहना की जाती है।श् कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के भीतर जवाबदेही की जरूरत पर जोर देते हुए बुधवार को शीर्ष पार्टी नेताओं को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सभी महासचिव और प्रभारी अपने प्रभार वाले राज्यों में संगठन व चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे। दरअसल, खरगे ने बुधवार को पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की एक अहम बैठक की। इसमें नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति के मुद्दे का भी जिक्र किया गया। खरगे ने कहा कि चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर करने से साफ है कि सरकार को उनकी निष्पक्षता पर भी भरोसा नहीं है। उन्होंने मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी को लेकर कहा कि इस चुनौती से निपटना होगा। खरगे ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि कई बार पार्टी की मजबूती के लिए जल्दबाजी में कई लोगों को शामिल कर लिया जाता है, लेकिन विचारधारा में कमजोर लोग मुश्किल समय में भाग खड़े होते हैं। श्असल फ़िसल पड़े और नकल चल पड़ेश् यह पुरानी कहावत है, ऐसे लोगों से हम दूर रहें। आपको ऐसे लोगों को लाना चाहिए, जो वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हों और जो मुश्किल समय में पार्टी के पीछे चट्टान की तरह खड़े रहें। यह टिप्पणी दिल्ली चुनाव में पार्टी की करारी हार को लेकर आई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, श्मैंने कार्य समिति की पिछली दो बैठकों में संगठनात्मक सृजन बात की थी। उस कड़ी में कई फैसले लिए जा चुके हैं। कुछ और फैसले जल्दी ही किए जाएंगे।श नए पदाधिकारियों को संबोधित कर कही यह बात इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित बैठक में नए पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने पार्टी नेताओं से जमीनी स्तर पर काम करने, बूथ स्तर से पार्टी को मजबूत करने और ऐसे लोगों को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

आने वाले चुनावों में भी जारी रहेगा इंडिया गठबंधन, हार से सीखा सबकः अखिलेश यादव

सहारनपुर,(एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री सपा के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी रुद्रसेन की बेटी के विवाह में शामिल होने के लिए सहारनपुर पहुंचे। समारोह में मौजूद चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों का आंदोलन कमजोर पड़ा है, इसलिए गन्ने का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि आने वाले चुनाव में गठबंधन जारी रहेगा। जो पार्टी जिस सीट को जीतने की स्थिति में होगी, उसे वहीं से चुनाव लड़ाया जाएगा। इंडिया गठबंधन की मूल भावना भी यही है। पूर्व मुख्यमंत्री मंगलवार को सपा के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी रुद्रसेन की बेटी के विवाह समारोह में पहुंचे थे। वहीं भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत भी समारोह में शामिल हुए। मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन रहेगा। हार से भी सबक सीखा है। उपचुनाव में हुई हार पर कहा कि आपने सोशल मीडिया पर देखा होगा कि किस प्रकार मतदाताओं को रोका गया। सुनने में आ रहा है कि पुलिस के लोग भी बटन दबा रहे थे। बेईमानी का आरोप लगाते हुए हमने चुनाव आयोग से गुहार लगाई थी, लेकिन वहां भी सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से बेड़ियां पहनाकर भारतवासियों को अमेरिका से वापस भेजा गया।

भारत को मिलेगा कृत्रिम द्वीप पर एयरपोर्ट!

➲ कौन से शहर में चल रही तैयारी, कहां है पहले से ऐसी व्यवस्था?

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भारत में कहां कृत्रिम द्वीप पर एयरपोर्ट के निर्माण की योजना बनाई जा रही है? इसे लेकर अब तक क्या-क्या जानकारियां सामने आई हैं? कृत्रिम द्वीप पर बनाए जाने वाले एयरपोर्ट को लेकर पहली बार चर्चा कब शुरू हुई? और किन-किन देशों में ऐसे ही देश की मुख्य भूमि से अलग द्वीप पर एयरपोर्ट बनाए गए हैं? वहां क्या सुविधाएं हैं? आइये जानते हैं... भारत में क्षेत्रीय स्तर पर एक के बाद एक नए एयरपोर्ट्स का उद्घाटन जारी है। इस बीच मुंबई को भी इसी साल अप्रैल में दूसरा एयरपोर्ट मिलने जा रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज एयरपोर्ट के बाद अब शहर में नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का भी उद्घाटन होने वाला है। भारत की वाणिज्यिक राजधानी में दो एयरपोर्ट्स का होना कोई चौंकाने वाली बात नहीं है। हालांकि, जिस खबर ने अब तक सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं, वह है एक कृत्रिम द्वीप पर भारत के पहले एयरपोर्ट के निर्माण से जुड़ी तैयारियों की। भारत में कहां कृत्रिम द्वीप पर एयरपोर्ट के निर्माण की योजना बनाई जा रही है? इसे लेकर अब तक क्या-क्या जानकारियां सामने आई हैं? कृत्रिम द्वीप पर बनाए जाने वाले एयरपोर्ट को लेकर पहली बार चर्चा कब शुरू हुई? और किन-किन देशों में ऐसे ही देश की मुख्य भूमि से अलग द्वीप पर एयरपोर्ट बनाए गए हैं? वहां क्या सुविधाएं हैं? आइये जानते हैं... कृत्रिम द्वीप पर बनेगा एयरपोर्ट, ये कितना अहम होगा? हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि मुंबई, जिसे दुनिया श्मैक्सिमम सिटीश् के नाम से भी जानती है, वहीं भारत का कृत्रिम द्वीप पर बना पहला एयरपोर्ट भी होगा।

अमेरिका से भारतीयों के निर्वासन पर कांग्रेस का प्रदर्शन

गांधीनगर,(एजेंसी)। गुजरात में कांग्रेस विधायकों ने हाथों में हथकड़ी और पैरों में बेडियां लगाकर अमेरिका से भारतीयों के निर्वासन पर विरोध जताया है। कांग्रेस विधायकों ने राज्य विधानसभा के बाहर जमा हुए और नारे लगाए कि श्भारतीयों का यह अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तानश। गुजरात कांग्रेस विधायकों ने बुधवार को गांधीनगर में राज्य विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने हथकड़ी और बेड़ियां लगाकर अमेरिका से अवैध रूप से आए भारतीय प्रवासियों को वापस भेजे जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया। गुजरात कांग्रेस के विधायक गांधीनगर में राज्य विधानसभा के बाहर जमा हुए और नारे लगाए कि श्भारतीयों का यह अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तानश। अमेरिका से तीसरा विमान पहुंचा अमृतसर बता दें कि, हाल ही में अमेरिका से वापस लाए गए गुजरात के तीन अवैध भारतीय प्रवासियों को सोमवार को अहमदाबाद लाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद रविवार को 112 अवैध रूप से वापस लाए गए लोगों का तीसरा जत्था अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा। 5 फ़रवरी को, कथित रूप से अवैध रूप से अमेरिका में प्रवास करने वाले भारतीय नागरिकों के पहले जत्थे को लेकर अमेरिकी वायुसेना का विमान पंजाब के अमृतसर पहुंचा।

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
गुरुवार, 20 फरवरी, 2025

समाज में सोशल मीडिया का महत्व के लिए परिषदीय विद्यालय के शिक्षक ने गांव गांव में भ्रमण लोगों को लाभ व हानियों से प्रेरित किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। विकासखंड नवाबगंज में एक सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत भरत चित्रांशी इन दोनों सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले फ्रॉड तथा अपराधों को रोकने के लिए एक सामाजिक मुहिम चला रहे हैं जिसके अंतर्गत जीवन की संस्था तथा टीम के सदस्य ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर सोशल मीडिया से जुड़े हुए सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों को विस्तार से क्षेत्र वीडियो में प्रसारित करते हैं। सोशल मीडिया का हमारे दैनिक जीवन पर कई प्रकार के प्रभाव हो सकते हैं। संचार और जुड़ाव= सोशल मीडिया के माध्यम से लोग अपने दोस्तों और परिवार से जुड़े रह सकते हैं। जानकारी और खबरें= यहाँ तक कि आप नवीनतम खबरों और विद्या को अपडेट कर सकते हैं। मनोरंजन और मनोबल = वीडियो, मीम्स, और अन्य सामग्रियों के माध्यम से लोग अपने जीवन में मनोरंजन पा सकते हैं। 4. नेटवर्किंग= व्यक्तिगत और व्यवसायिक रिश्तों को बढ़ावा देने के लिए यह एक महत्वपूर्ण माध्यम है। 5. सामाजिक जागरूकता = सोशल मीडिया के माध्यम से लोग समाजिक और राजनीतिक विषयों पर

जागरूक हो सकते हैं। हालांकि, इसके साथ ही यह कुछ नकारात्मक प्रभाव भी ला सकता है जैसे कि समय का अधिकतम व्यय, व्यक्तिगत गोपनीयता की समस्याएं, और सोशल मीडिया के द्वारा फैलाई जाने वाली अफवाहें। यह सभी व्यक्ति के उपयोग और उद्देश्यों पर निर्भर करता है कि सोशल मीडिया कैसे उपयोग की जाती है और यह कैसे उनके जीवन को प्रभावित करता है। समाज पर सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव सोशल मीडिया आज फर्जी खबरों और गलत सूचना फैलाने का प्राथमिक स्रोत बन गया है। भारतीय समाज में इसकी गहरी पहुंच के हालात को और भी बदतर बना दिया है। ये फर्जी खबरें दुष्प्रचार, राष्ट्र-विरोधी या समाज-विरोधी अभियान या महज शरारत का परिणाम हो सकती हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी खबरें जंगल की आग की तरह फैलती हैं और सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरे में डालने की क्षमता रखती हैं। शक्तिशाली लोग, कंपनियां और संस्थाएं निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए अपना दुष्प्रचार फैलाने हेतु सोशल मीडिया का दुरुपयोग करती हैं। राजनीतिक दल सोशल मीडिया को प्रचार के साधन के रूप में इस्तेमाल करते तथा आम आदमी और विशेष रूप से मतदाताओं की विचारधारा में हेरफेर करने के लिए फर्जी कहानी गढ़ने में सबसे आगे हैं। इस हेरफेर से लोकतांत्रिक गुणवत्ता में विकृति आती है और उसे खतरा पैदा होता है। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग इसका एक और नकारात्मक पहलू है। सोशल मीडिया पर कोई भी चीज़ कुछ ही समय में वायरल हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप सामग्री और उससे जुड़े लोगों को लगातार बदमाशी और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ सकता है। ट्रोलिंग एक गंभीर मुद्दा है जो पीड़ित को बहुत ज्यादा मानसिक और मानसिक आघात पहुँचा सकता है, जिससे उनके व्यवहार और दैनिक जीवन पर बहुत बुरा असर पड़ता है। चरम मामलों में, पीड़ित आत्महत्या भी कर सकता है। आतंकवादियों और चरमपंथियों द्वारा एक उपकरण के रूप में आतंकवादी संगठन और चरमपंथी घृणास्पद और हिंसक विचारधाराओं को फैलाने और आम लोगों को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर उपयोग करते हैं। आतंकवादी और गैर-सरकारी तत्व भी आतंकवाद के प्रसार के लिए लड़ाकों और उग्रवादियों की भर्ती के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। सबसे कुख्यात मामला आईएसआईएस द्वारा भारत राज्य केरल से युवाओं की भर्ती का है। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा और विश्व व्यवस्था को गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

मिर्जा इंटरनेशनल के श्रमिकों का विरोध 10 हजार की सैलरी में नोएडा जाने से इनकार श्रम विभाग से होगी बैठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। मिर्जा इंटरनेशनल फैक्ट्री में श्रमिकों का विरोध प्रदर्शन जारी है। श्रमिकों ने बुधवार को अकरमपुर में धरना दिया। यह धरना कंपनी द्वारा श्रमिकों को ग्रेटर नोएडा भेजने के फैसले के खिलाफ है। श्रमिकों का कहना है कि उनका वर्तमान वेतन 10 हजार रुपए है। इतनी कम सैलरी में ग्रेटर नोएडा में रहना संभव नहीं है। वहां का किराया, खाने-पीने का खर्च और परिवहन लागत बहुत ज्यादा है। श्रमिकों के परिवार में 4-5 सदस्य हैं। ऐसे में दूर जाकर काम करने से परिवार का भरण-पोषण मुश्किल हो जाएगा। बता दें कि श्रमिक नेता मुकेश सक्सेना के नेतृत्व में श्रमिकों ने फैक्ट्री प्रबंधन को लिखित शिकायत दी है। उन्होंने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। श्रमिकों की मुख्य मांग है कि उन्हें जबरन ग्रेटर नोएडा न भेजा जाए। अगर भेजना है तो वेतन में पर्याप्त वृद्धि की जाए। फैक्ट्री प्रबंधन का कहना है कि श्रमिकों को कंपनी की जरूरतों के अनुसार ट्रांसफर किया जा रहा है।

सिटी रेलवे स्टेशन पर जान जोखिम में डाल, रेल ट्रैक पार कर रहे यात्री

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। सिटी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ के जवानों का सख्त पहरा होने के बाद भी यात्री बेखौफ होकर रेल नियमों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। रेलवे पुलिस के जवान ऐसे लोगों को रोकने के बजाए स्टेशन पर चहल-कदमी करते नजर आते हैं। गत दिनों जनसंदेश टाइम्स की टीम ने कुछ तस्वीरें कैद की जिसमें यात्री जान जोखिम में डाल रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। वैसे सिटी रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के आने व जाने के बाद यात्री अपनी जान की परवाह किए बगैर ओवर ब्रिज का उपयोग न कर रेलवे ट्रैक पार कर एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर आते-जाते हैं। इसमें कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। यात्रियों की लापरवाही के साथ रेल पुलिस द्वारा भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती। यात्री अपना पांच मिनट का समय बचाने के लिए अपनी ज़िंदगी दाव पर लगा रेलवे ट्रैक पार करते हैं। खैर ट्रेन की पटरी पार करने में जरा सी भी चूक हुई तो बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। वैसे पटरी पार करना कानूनन अपराध है। ऐसा करने पर आरपीएफ जुर्माना लगा सकती है। आलम यह है कि सिटी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ पुलिस के नाक के नीचे यात्री रेल पटरी पार करते हैं। साथ ही रेल प्रशासन ऐसे लोगों का चालान भी नहीं करती। यहां बता दे कि रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के रूकते ही इसका नजारा देखने को मिलता है। शीघ्र ट्रेन पकड़ने के लिए यात्री उपरी पुल से गुजरने के बजाए रेल पटरियों से होकर ट्रेन में सवार होते हैं। अलबत्ता रेलवे सुरक्षा कर्मी व रेल प्रशासन तमाशा देखते रहते हैं। जबकि रेल अधिनियम की धारा 156 के तहत रेल पटरी पार करने वालों पर जुर्माना का प्रावधान है। आरपीएफ चालान कर सकती है।

युवतियों के लिए नहीं कोई नियम पुलिस अधीक्षक कार्यालय से गुजरती हुई स्कूटरी पर सवार तीन युवतियां

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। सड़क सुरक्षा को लेकर बनाए गए तमाम कानूनों की जद में जिले की बाइक सवार युवतियां शायद नहीं आती हैं। तभी तो आज तक यातायात विभाग द्वारा इनके लिए कोई चेकिंग अभियान नहीं चलाया गया। परिणाम सामने है। बाइक सवार युवतियां कायदे-कानूनों को ताक पर रखकर सड़कों पर बेखौफ फर्राटे भर रही हैं। सुरक्षित यातायात को लेकर विभाग तरह-तरह के जतन कर रहा है। लोगों को जागरूक बनाने के लिए कहीं चालान काटे जाते हैं, तो कहीं चेतावनी दी जाती है, लेकिन महिला स्कूटी बाइक सवारों को रोकने में पुलिस कर्मी झिझकते हैं। अकेले शहर में ही बड़ी संख्या में छात्राएं और महिलाएं स्कूटर और बाइक चलाती हैं। इनमें से अधिकांश दुपहिया वाहनों पर नंबर भी नहीं लिखे होते हैं। दो-चार को छोड़ दें तो अधिकांश वाहन चालक हेलमेट का प्रयोग भी नहीं करती हैं। ट्रैफिक से नहीं महिला पुलिस कर्मी यातायात विभाग वाहन चालक युवतियों को लेकर उनके कागजातों की जांच करने में कतराता रहता है। नाम न छापने की शर्त पर एक पुलिस कर्मी ने बताया कि यातायात विभाग में महिला पुलिस नहीं है। बिना महिला पुलिस की मौजूदगी में पुरुष पुलिस कर्मी वाहनों को नहीं रोक सकते हैं।

दीवार गिरने से बच्ची की मौत, एक घायल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। भांवरकोल थाना क्षेत्र के पखनपुरा गांव में मंगलवार की शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। कब्रिस्तान के मुख्य दरवाजे पर खेल रहे तीन मासूम बच्चे अचानक गेट और दीवार के गिरने से दब गए। इस हादसे में लगभग 10 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जबकि लगभग 7 वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुसहर बस्ती के तीन बच्चे कब्रिस्तान के गेट पर खेल रहे थे चंदा, गुड़िया और पवन पखनपुरा गांव के बनवासी टोला के बच्चे रोज की तरह कब्रिस्तान के गेट पर खेल रहे थे। तभी अचानक मंगलवार देर शाम को अचानक गेट सहित दीवार भरभराकर गिर गई गेट सहित उसका मलवा बच्चों के शरीर के ऊपर गिर पड़ा। इस हादसे में सुरेंद्र बनवासी (मुसहर) की 10 वर्षीय वर्षीय पुत्री चंदा मलबे में दब गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई तसल्ली के लिए सदर हॉस्पिटल गाज़ीपुर लेकर आ गया जहां डॉक्टर मृत घोषित कर दिया, वहीं, इस घटना में गुड़िया 7 वर्षीय पुत्री स्व. श्याम बिहारी बनवासी (मुसहर) गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तुरंत राजकीय मेडिकल कॉलेज, गाजीपुर में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे बचाने के लिए 18 से अधिक टांके लगाए हैं। उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलने पर भांवरकोल थाना प्रभारी विवेक कुमार तिवारी मौके पर पहुंचे और आवश्यक जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी ले ली गई है और विधिक कार्रवाई की जा रही है।

खड़ी कार से टकराई बेलोरो, दस घायल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

सैदपुर। थानाक्षेत्र के नसीरपुर में चालक को झपकी आने से महाकुंभ से लौट रहे तीर्थयात्रियों की तेज रफ्तार बोलेरो कुम्भ से ही लौटकर सड़क किनारे खड़ी तीर्थयात्रियों से भरी कार से टकरा गई। जिससे कार में सवार महिलाओं समेत 7 लोग व बोलेरो में सवार दम्पति सहित 3 लोग घायल हो गए। सूचना के बाद तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों के सभी 10 घायलों को फौरन सैदपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां हालत गम्भीर होने पर कार सवार 2 महिलाओं समेत 4 को रेफर कर दिया गया। गोरखपुर के दीवान बाजार निवासी 54 वर्षीय संजय अग्रवाल पुत्र स्व द्वारिका नाथ अपने परिवार के साथ महाकुंभ स्नान करने के लिए गए थे। इस दौरान उनके साथ उनकी 50 साल की पत्नी सहित सौम्या अग्रवाल, 63 साल की विभा अग्रवाल, 55 वर्षीय मीरा अग्रवाल, 63 वर्षीय राजेश अग्रवाल व 22 वर्षीय ऋषभ अग्रवाल भी थे। इस बीच बुधवार की भोर करीब 5 बजे वो नसीरपुर में सड़क किनारे गाड़ी खड़ी कर आराम कर रहे थे। इस बीच महाकुंभ से ही आ रही तेज रफ्तार बोलेरो भी आ रही थी। तभी नसीरपुर में गाड़ी चला रहे बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी अर्जुन राय को झपकी आ गयी, जिससे उनकी गाड़ी सड़क किनारे खड़ी कार से जा टकराई। घटना में बोलेरो चालक अर्जुन राय पुत्र शिवशंकर राय, उनकी पत्नी रेखा राय व दिनेश कुमार पुत्र महादेव चौधरी समेत खड़ी कार में सवार संजय व उनका परिवार घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर रात में ही हेड कांस्टेबल सुरेश यादव, रत्नेश सिंह, दुर्गेश तिवारी आदि लोग मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को उपचार के लिए फौरन सैदपुर सीएचसी पहुंचाया। जहां हालत गम्भीर होने पर संजय की पत्नी समेत 4 को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

बेटी-दामाद के झगड़े से परेशान पिता ने दी जान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र के दोहा गांव के 50 वर्षीय किसान रामदयाल ने बेटी-दामाद के झगड़े से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। यह घटना अजगैन कोतवाली क्षेत्र के उधवाखेड़ा गांव में हुई। बता दे कि रामदयाल ई-रिक्शा से अपनी बेटी सीमा के घर गए थे। वहां उन्होंने देखा कि सीमा और उसके पति ललई के बीच विवाद हो रहा था। पिता ने बेटी को समझाने की कोशिश की। मामला गांव के प्रधान तक पहुंचा, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इससे व्यथित होकर रामदयाल ने पहले अपना सिर ई-रिक्शा में और फिर जमीन पर पटक दिया। गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राजाबाग चौकी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रामदयाल की चार बेटियां हैं। तीन की शादी हो चुकी है और एक अविवाहित है। ग्रामीणों के अनुसार, वह एक साधारण किसान थे और बेटियों से बहुत प्यार करते थे। वह अक्सर बेटी सीमा के घर आते-जाते रहते थे।

जीएम से जमसं (बच्चा गुट) ने की वार्ता

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

झरिया/धनबाद। जनता मजदुर संघ बच्चा गुट के महामंत्री अभिषेक सिंह के नेतृत्व में एरिया 9 के जी एम एके सिन्हा से विगत दिनों वार्ता हुआ था झरिया के दोबारी रजवार बस्ती एवं कर्माटांड़ में 41 घरों जो सैकड़ो साल से नियोजन एवं घर से वंचित है वार्ता में कोयरी बांध से सटे परियोजना में स्थानीय लोगों को नियोजन दिया जाये पूर्व में नो परिवार के लोगो को नियोजन मिला है इसलिए बाकी लोगों को भी नियोजन मिलना चाहिए जी एम ने आश्वाशन दिया की 17 तारिक तक सभी को घर उपलब्ध करा दिया जाएगा। इसी कड़ी में आज बी सी सी एल प्रबंधन ने आश्वाशन दिया की 21 से कर्माटांड में शिफ्टिंग किया जाएगा एवं किसी की भी जमीन पर कोई काम नही किया जाएगा जब तक फैसला नही आ जाता है प्रबंधन ने ये भी कहा कि स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ा जाएगा। मुख्य रूप से रामकृष्ण पाठक. अक्षय लाल यादव. बच्चा सिंह सहवादी, अभिषेक परमार, लालबादुर यादव. नसीब चौहान. रत्नेश यादव. राजीव सिंह. बंटी राय, भीम निषाद, संजीव सिंह, गोल्डी सिंह, रितेश रजवार, मधु मुखर्जी, मिथलेश यादव सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे ।

गन्ना लदे ट्रैक्टर-ट्राली व कार की आमने-सामने भिड़ंत में मां-बेटे की दर्दनाक मौत, एक घायल

➲ हादसे के बाद कार 15 फिट गहरी खाई में गिरी कार के परखच्चे उड़े गए

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

शाहाबाद,हरदोई। मंझिला थाना क्षेत्र के बददापुर गाँव के पास गन्ना भरे ट्रैक्टर-ट्राली और कार की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हादसे के बाद अनियंत्रित कार करीब 15 फिट गहरी खाई में जा गिरी और कार के परखच्चे उड़ गये। इस हादसे में कार सवार मां व एक बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार सवार दूसरा बेटा घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए, जबकि घायल घायल व्यक्ति को सीएचसी शाहाबाद में भर्ती कराया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार पचदेवरा थाना क्षेत्र के जमालपुर गाँव निवासी इमरान (24) पुत्र रजा हुसैन अपने भाई रिजवान (38) को पिहानी में एक डॉक्टर के यहां दवा दिलाने के लिये मां खालिदा उर्फ इदरीसन (55) पत्नी रजा हुसैन के साथ कार में सवार होकर जा रहे थे। इसी बीच मंझिला थाना क्षेत्र में शाहाबाद-पिहानी मार्ग पर बददापुर पुल के पास कार और गन्ना लदे ट्रैक्टर-ट्राली से आमने सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद कार गहरी खाई में जा गिरी,टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गये। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर ट्रॉली को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों ने दौड़कर कार में फंसे मां-बेटों को बाहर निकाला, लेकिन जब तक रिजवान व उसकी मां खालिदा उर्फ इदरीसन की मौत हो गई। वहीं रिजवान का छोटा भाई इमरान गंभीर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। जबकि घायल इमरान को इलाज हेतु सीएचसी शाहाबाद में भर्ती कराया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार यादव ने बताया कि मृतक मां-बेटे के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। अन्य आवश्यक कार्रवाई प्रचलित है।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के बगैर फर्राटा भर रहे पौने दो लाख वाहन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के बिना अब वाहन चलाना भारी पड़ेगा। संभागीय परिवहन विभाग ऐसे वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाएगा। मौजूदा समय में 1,80,000 से अधिक वाहन बगैर एचएसआरपी के चल रहे हैं। ऐसे में अब इन वाहनों के खिलाफ विभाग कार्रवाई करने की तैयारी में है। परिवहन विभाग एचएसआरपी को लेकर अब सख्ती बढ़ाने जा रहा है। वर्ष 2019 से ही इस विशेष प्लेट को अनिवार्य किया गया है। नए वाहनों पर अब यह प्लेट लगाकर मिल रही है, लेकिन पुराने वाहनों पर अभी यह प्लेट नहीं लग सकी है। लंबे समय से परिवहन विभाग का निर्देश है कि पुराने वाहनों पर भी इस प्लेट को लगाया जाए। इसके लिए वाहन स्वामी को ऑनलाइन आवेदन करना पड़ता है। जिले में मौजूदा समय में 4,60,385 वाहन हैं। इसमें बाइक, कार व अन्य सभी तरह के वाहन शामिल हैं। विभाग के मुताबिक अब तक करीब 60 प्रतिशत वाहनों में एचएसआरपी प्लेट लगाया जा चुका है। लगातार आवेदन आ रहे हैं। सभी वाहन स्वामियों को निर्देश है कि अविलंब आवेदन कर इस नंबर प्लेट को लगवाना सुनिश्चित करें। मनमानी कर रहे वाहन स्वामियों के विरुद्ध परिवहन टीम अभियान भी चलाएगी। बगैर इस प्लेट के वाहन चला रहे स्वामियों पर 5,000 रुपये तक जुर्माना भी लगाया जाएगा। इतनी लगती है फीस बाइक नंबर प्लेट के लिए आवेदक को 336 रुपये का शुल्क ऑनलाइन आवेदन के समय जमा करना होता है। इसके अलावा चार पहिया व अन्य भारी वाहनों के लिए 740 रुपये का शुल्क लगता है। आवेदन के बाद वाहन स्वामी को यह नंबर प्लेट अपने निकटतम बाइक कंपनी की एजेंसी से प्राप्त होता है।

फैक्ट्री के श्रमिकों की कुंडली खंगालने के एसपी ने दिए आदेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। एसपी ने औद्योगिक क्षेत्रो मे काम करने वाले दूसरे देश व प्रदेश के मजदूरों के सत्यापन का फरमान जारी किया है। पूर्व मे मिले आतंकी गतिविधियों मे शामिल एवं रोहिंग्याओ के शरण लेने का मामला सुर्खियों मे आया था। जिसके बाद एसपी मे आईआईए (इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन) के साथ बैठक क़र सहयोग करने की अपील की है। औद्योगिक एरिया को सेफ मानक़र छिपने वाले संदिग्धो की पहचान क़र उनके डाक्यूमेंट्स की जांच की जाएगी, इसके बाद ठोस सबूतों के आधार पर कार्यवाही की जाएगी। एसपी के आदेश पर ख़ुफ़िया जांच एजेंसिया सक्रीय हो चुकी है और जांच शुरू क़र दी है। दो महानगरों के बीच बसे उन्नाव के इंडस्ट्रियल एरिया व इसके आस पास के इलाको मे कई बार आतंकी गतिविधियों मे शामिल संदिग्धो का इनपुट पुलिस को मिला है। फिर चाहे वो हिबजुल मुजाहिद्दिन संगठन का रिजवान हो या फिर आतंकी सैफुल्ला। अपनी पहचान छिपाकर रहने का सबसे सेफ जोन उन्नाव रहा है। मौजुदा समय ऐसी किसी भी तरह की गतिविधि तो नही हो रही, इसके लिए एसपी दीपक भूकर ने कमर कसी ली है। एसपी ने आईआईए (इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन) के साथ बैठक क़र उनकी फैक्ट्रीयों मे काम करने वाले सिक्योरिटी गाड्र्स और श्रमिकों की सूची मांगी है और ख़ुफ़िया एजेंसियो को एक्टिव किया है। एसपी के आदेश पर ख़ुफ़िया एजेंसिया एक्टिव हो गई और जांच एजेंसियां संदिग्धो की जानकारियां जूटा रही है। पुलिस टीमे इन्हे पनाह देने वालो मे कौन कौन लोग शामिल है उनकी कॉल डिटेल भी खंगाल रही है। आतंकी गतिविधियों मे शामिल इन आतंकियों के मिलने के बाद पहली बार ऐसा हो रहा है जब पुलिस औद्योगिक क्षेत्र में सभी श्रमिकों की जन्म कुंडली खंगाल रही है।

भाजपा नेता तथा पूर्व विधायक गुरुज्योति दास का नाम ए.पी.एस.सी. घोटाले में शामिल

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। भाजपा नेता, पूर्व विधायक तथा असम मत्स्य विकास निगम के वर्तमान अध्यक्ष गुरुज्योति दास का नाम एपीएससी घोटाले में लिया गया है, जो असम में हुए सबसे बड़े घोटालों में से एक है। एपीएससी घोटाले की जांच के लिए गठित जस्टिस बिप्लब शर्मा की रिपोर्ट में मंगलदोई के पूर्व विधायक गुरुज्योति दास पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। भाजपा नेता तथा मंगलदोई के पूर्व विधायक गुरुज्योति दास पर असम लोकसभा आयोग की परीक्षा में नौ रिश्तेदारों को घुमावदार रास्ते से पास कराने का आरोप लगा है। रिपोर्ट के मुताबिक, लीना दास, मनदीप दास, डॉ. देबाशीष दास, नरेश्वर दास, निर्माली दास, भार्गवमणि दास, कल्पना दास, थानूराम दास और देवेंद्र दास को बीजेपी नेता गुरुज्योति दास ने घुमावदार रास्ते से नौकरी दिलाया था । रिपोर्ट के मुताबिक, प्रश्न पत्र गुरुज्योति के रिश्तेदार भार्गवमणि दास को पहले ही दे दिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलदोई के पूर्व भाजपा विधायक गुरुज्योति दास के तत्कालीन एपीएससी अध्यक्ष राकेश पाल और सहायक परीक्षा नियंत्रक पवित्र कैवर्त के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध थे। बिप्लब कुमार शर्मा की रिपोर्ट के मुताबिक इन अभ्यर्थियों को पहले ही प्रश्न पत्र दे दिए गए थे। इन सभी को परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाएं ले जाने की अनुमति दी गई थी। उन्होंने उत्तर पुस्तिका घर पर लिखने के बाद फिर से जमा कर दी थी । महत्वपूर्ण है कि रिपोर्ट में कई बातें लीक होने के बावजूद पूर्व विधायक गुरुज्योति दास अभी तक जांच के दायरे में नहीं आए हैं। अब आम लोगों के मन में सवाल यह है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा गठबंधन सरकार गुरुज्योति दास के खिलाफ जांच की घोषणा करके उचित कार्रवाई करेंगे या नहीं करेंगे । क्या पूर्व विधायक गुरुज्योति दास जांच के दायरे में नहीं आएंगे क्योंकि वह भाजपा पार्टी से हैं? अब भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली भाजपा सरकार पूर्व विधायक के खिलाफ क्या कार्रवाई करेगी, यह आने वाले समय में यही ध्यान देने योग्य होगा।

72 हजार छात्र देंगे परीक्षा, 114 केंद्रों पर सीसीटीवी से होगी निगरानी, 131 मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। यूपी बोर्ड परीक्षाओं की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षाएं 24 फरवरी से 12 मार्च तक चलेंगी। जिले में कुल 114 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस वर्ष कुल 72,332 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इनमें हाईस्कूल के 38,449 और इंटरमीडिएट के 33,883 परीक्षार्थी हैं। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। बता दे कि नकल रोकने के लिए राजकीय इंटर कॉलेज में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यहां से सभी परीक्षा केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग होगी। प्रशासन ने 6 जोनल, 12 सेक्टर और प्रत्येक केंद्र पर एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए हैं। परीक्षा की शुचिता के लिए कुल 131 मजिस्ट्रेट और 4,000 कक्ष निरीक्षक नियुक्त किए गए हैं। हर केंद्र पर प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाओं की चाबी केंद्र व्यवस्थापक और स्टेटिक मजिस्ट्रेट के पास रहेगी। डीआईओएस एसपी सिंह के अनुसार, परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया है। जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक सभी केंद्रों पर नजर रखेंगे। कंट्रोल रूम में तैनात मजिस्ट्रेट किसी भी अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई करेंगे। बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को लेकर जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक सभी मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, वाह्य केंद्र व्यवस्थापक और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर चुके है इस बैठक में परीक्षा की शुचिता बनाए रखने, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और अनुशासन बनाए रखने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। डीआईओएस एसपी सिंह ने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी अनियमितता को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर उड़नदस्ते तैनात रहेंगे, जो समय-समय पर निरीक्षण करेंगे।

बोधगया मैराथन 2025 शानदार सफलता के साथ सम्पन्न हुई

➢ बोधगया मैराथन 2025 में भारत सहित 20 देशों के 2 हजार धावको ने लगाई दौड़

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

बिहार। बोधगया मैराथन के दूसरे संस्करण का सफल आयोजन हुआ, जिससे यह भारत की प्रमुख मैराथनों में से एक बन गया। बोधगया मैराथन कमेटी द्वारा आई.सी.सी.एस, आई.बी.सी. एंव महा बोधी सोसाइटी के सहयोग से दिनांक 16 फरवरी 2025 को आयोजित इस साल की दौड़ में भारत और 20 देशों के 2000 धावकों ने हिस्सा लिया, जिससे यह सदभाव, खेल भावना और शांति का अंतरराष्ट्रीय आयोजन बन गया। इस प्रतिष्ठित मैराथन की शोभा बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में तेरहवें कुंडलिंग तत्सक रिनपोछे, विशिष्ट अतिथि के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल सुकृति सिंह दहिया, और विशेष अतिथि के रूप में मंगोलिया के राजदूत महामहिम गनबोल्ड डाम्बाजाव उपस्थित रहे। इनके साथ कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने इस आयोजन की गरिमा को बढ़ाया और बिहार में फिटनेस, पर्यटन और वैश्विक सद्भाव को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया। इस मैराथन को यूनियन मिनिस्टर किरेन रिजिजू, गवर्नर बिहार और गवर्नर केरला से समर्थन भी प्राप्त हुआ। इस आयोजन में चार श्रेणियों में दौड़ आयोजित की गई जिसमें फुल मैराथन, हाफ मैराथन, 10 किमी टाइम्ड रन और 5 किमी धम्मा रन। विजेताओं को कुल 6 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। फुल मैराथन के पुरुष एवं महिला विजेताओं को दक्षिण कोरिया के बुसान में गिजान बड़ा मैराथन में भाग लेने के लिए रिटर्न टिकट दिया गया। बोधगया मैराथन के श्रेणीवार विजेताओं में फुल मैराथन (पुरुष) जेम्स किपलेटिंग कोरीर, फुल मैराथन (महिला) जेनेट शिकुर रेशिद, हाफ मैराथन (पुरुष) प्रिंस राज यादव, हाफ मैराथन (महिला) बबली वर्मा, 10 किमी टाइम्ड रन (पुरुष) विजय कुमार, 10 किमी टाइम्ड रन (महिला) गुंजा कुमारी, 5 किमी धम्मा रन (पुरुष) शुभम यादव, 5 किमी धम्मा रन (महिला) अन्नू पाल थे। बोधगया मैराथन को आधिकारिक रूप से एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) की मान्यता प्राप्त है और इसका मार्ग ए.आई.एम.एस. द्वारा प्रमाणित है, जिससे प्रतिभागियों को बेहतरीन अनुभव मिलता है। इस आयोजन को डेकाथलान, डालमिया बाजार, फ्री का पानी, डॉ एट होम, बैलेंटाइनो, लावे, बिग एफ.एम. और प्रोसीऑन टेक्नोलॉजीज का समर्थन प्राप्त हुआ। बोधगया मैराथन समिति ने घोषणा की है कि दिव्य और भव्य रूप से इस आयोजन का तीसरा संस्करण फरवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा। यह और भी बड़ा और बेहतर होगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे और अधिक लोकप्रिय बनाएगा। बिहार और भारत की प्रमुख मैराथनों में से एक बनते हुए, बोधगया मैराथन खेल, पर्यटन और भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को आगे बढ़ा रहा है, जिससे यह एथलीटों और आध्यात्मिक साधकों के लिए एक अनिवार्य आयोजन बन गया है। बोध गया मैराथन का आयोजन बोध गया मैराथन कमेटी द्वारा आई.सी.सी.एस, आई.बी.सी, महा बोधि सोसाइटी और के सहयोग से किया जाता है।

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने विधानसभा में बिजली के निजीकरण को लेकर विपक्ष को दिया करारा जवाब

⇨ निजीकरण से बिजली महंगी हो जाएगी विपक्ष जनता को कर रहा गुमराह ⇨ प्रदेश में सपा सरकार के दौरान बिजली की सेहत बिल्कुल भी अच्छी नहीं थी ⇨ पिछली सरकारों की तुलना में विद्युतीकरण की दिशा में प्रदेश में सुधार हुए

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने विधानसभा में बुधवार को सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्ष के बिजली के निजीकरण के सवाल और बिजली के दाम बढ़ाने के आरोपों का जवाब देते हुए सदन को बताया कि विपक्ष का यह आरोप कि देश में जहां-जहां पर बिजली का निजीकरण हुआ है वहां पर बिजली के दाम बढ़ गए हैं, यह बात निराधार है। उन्होंने कहा की विपक्ष को यह बात मालूम होना चाहिए कि निजीकरण के तहत जब नोएडा पावर कंपनी को नोएडा क्षेत्र का काम दिया गया उस समय प्रदेश में राष्ट्रपति शासन था और यहां पर कांग्रेस की सरकार थी। उसके बाद प्रदेश में सपा की सरकार आई लेकिन निजीकरण की प्रक्रिया को नहीं रोका गया बल्कि उसे होने दिया गया। इसका परिणाम यह रहा कि संपूर्ण नोएडा क्षेत्र में एनपीसीएल की दरों के कारण सभी प्रकार के उपभोक्ताओं के रेट में 10% बिजली की दरों में कमी आई। उन्होंने कहा इसी प्रकार प्रदेश में बीएसपी की सरकार के दौरान आगरा क्षेत्र में बिजली टोरेंट पॉवर को दिया गया। वर्ष 2012 में प्रदेश में सपा की सरकार आई फिर भी उन्होंने इस निजीकरण की प्रक्रिया को नहीं रोका। आगरा के उपभोक्ताओं को प्रदेश के अन्य क्षेत्र के उपभोक्ताओं की दर पर ही आज भी बिजली मिल रही है। कहा कि निजीकरण के कारण कहीं पर भी बिजली दरों में बढ़ोतरी नहीं हुई। विपक्ष द्वारा प्रदेश की जनता को गुमराह किया जा रहा है कि निजीकरण से बिजली के दाम बढ़ जाएंगे। जनता को विपक्ष की बातों का विश्वास नहीं करना चाहिए। विपक्ष द्वारा कर्मचारियों को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियां पर भी ऊर्जा मंत्री ने कहा कि किसी भी कर्मचारी का अहित नहीं होगा। सभी का समायोजन अन्य डिस्कॉम में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार जो भी कर रही है इसमें कोई ईगो वाली बात नहीं है। राज्य के हित में व जनता के हित में प्रदेश की जनता को 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली देने के लिए निजीकरण व पीपीपी मॉडल की प्रक्रिया को अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सपा सरकार के दौरान बिजली की सेहत बिल्कुल भी अच्छी नहीं थी विपक्ष उड़ीसा की बिजली की बात करते हैं लेकिन उन्होंने डेढ़ गुना से अधिक दर पर बिजली खरीद का उस समय एग्रीमेंट किया था, जो कि प्रदेश के लिए बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण रहा। वर्ष 2017 में सपा सरकार ने 1.42 लाख करोड रुपए का घाटा भाजपा सरकार को विरासत में दिया था, जिसे प्रदेश की भाजपा सरकार कम करने की कोशिश कर रही है। इसी प्रकार इन्होंने डेढ़ लाख से अधिक मजरों का विद्युतीकरण भी नहीं किया था, जिसको प्रदेश सरकार ने इसमें से 1.21 लाख मजरों का विद्युतीकरण कर चुकी है और 19 से 20 हज़ार और मजरों का विद्युतीकरण होना बाकी है जिसके लिए प्रयास किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आरडीएसएस योजना के तहत अभी तक 16 हजार करोड रुपए से ज्यादा के कार्य कराए जा चुके हैं, जिसमें बिजली के जर्जर खंभे, तार, बांस बल्ली में चल रही लाइनों को बदलने का कार्य किया गया। वित्तीय वर्ष 22-23 में 5 हज़ार करोड रुपए, 23-24 में भी 5 हज़ार करोड रुपए तथा 24-25 में भी 5 हज़ार करोड रुपए के कार्य कराए गए। विगत 02 वर्षों में 28 लाख 92 हजार 326 विद्युत पोल लगाने के लक्ष्य में अभी तक 26 लाख 38 हज़ार विद्युत पोल लगाए जा चुके हैं। इसी प्रकार उपभोक्ताओं के बिलों में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ भी सख़्त कार्रवाई की गई है। गलत बिल देने वाले 3394 मीटर रीडरों की सेवाएं समाप्त की जा चुकी हैं। 28 कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई है तथा 85 नियमित कर्मचारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की गई है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की तुलना में विद्युतीकरण की दिशा में प्रदेश में ऐतिहासिक सुधार हुए हैं।

अतिक्रमण के चलते जाम की झाम मे जकडा अमीनाबाद, जिम्मेदार मौन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी की धडकन कहा जाने वाला अमीनाबाद बाजार पुलिस संरक्षण में अवैध फुटपाथ दुकानदारो द्वारा बडे पैमाने पर किए गये अतिक्रमण के चलते जाम की झाम में फंसकर सिसक रहा है । पूरे अमीनाबाद क्षेत्र मे बडे पैमाने पर फुटपाथ घेरकर अतिक्रमणकारियों ने दुकाने सजा रखी है जिसके चलते वाहन लेकर निकलना तो दूर पैदल चलना तक मोहाल हो गया है अमीनाबाद पार्क के दोनो ओर बाकायदा टीन शेड तथा टट्टर से घेरकर अवैध दुकाने लगा ली गयी हैं, इन दुकानों के सामने भी फुटपाथ पर छोटी बडी दुकाने सजी हैं जिसके चलते सडक सिमट कर गली से भी पतली हो चली है । इसके अतिरिक्त बाटा चौराहे से लेकर प्रकाश चौराहे तक सडक के दोनो ओर के फुटपाथो पर तो अवैध दुकाने सजी ही है, साथ ही डिवाइडर पर तथा डिवाइडर के दोनो ओर भी दुकानें सजी हैं । जिसके चलते रोड हमेशा जाम रहती है, हद तो तब है जब अमीनाबाद चौराहे पर बनी पुलिस चौकी के चारो ओर भी अवैध फुटपाथ दुकानदार दुकाने लगाए बैठे हैं । अमीनाबाद के जाम के झाम का एक और मुख्य कारण टुंडे कबाबी भी है जिसने खुद तो सडक के काफी हिस्से को घेर रखा ही है, साथ ही इसके यहां कबाब खाने आने वालों के वाहन भी सडक घेरकर खडे किये जाते है जिससे जाम की समस्या और अधिक विकराल होती जा रही है । जानकारों की माने तो पूरे अमीनाबाद क्षेत्र मे एक हजार से अधिक अवैध दुकाने फुटपाथ घेरकर लगती हैं जिससे स्थानीय पुलिस को मोटी कमाई होती है, यही कारण है कि यहां अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए तो जाते है किंतु केवल औपचारिक्ता पूरी करने के लिए, क्या मजाल जो कभी कोई जाम की झाम मे घंटा दो घंटा फंसे बगैर अमीनाबाद से निकल सका हो । अतिक्रमण कारियों को पुलिस का खुला सरंक्षण मिलने से इनके हौसले भी बुलंद रहते हैं जिसके चलते आम आदमी को प्रताडना झेलने पर विवश होना पड रहा है ।

बिजली विभाग की टीम द्वारा मदेयगंज क्षेत्र में लगातार बकायेदारों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बुधवार को डालीगंज अहिबरन पुर बिजली विभाग की टीम मदेयगंज क्षेत्र में बकायेदारों के खिलाफ निरंतर अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत, जिन उपभोक्ताओं का एक लाख रुपये से ऊपर का बिजली बिल बकाया है, उनसे बकाया वसूल किया जा रहा है। विभाग ने यह स्पष्ट किया है कि यह अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा। वसूली अभियान के तहत मशालची टोला, मदेयगंज, बाल्मीकि कॉलोनी जैसे क्षेत्रों में बिजली विभाग की टीम पूरी तरह सक्रिय रही। अभियान में एस.डी.ओ राजेश कुमार, जे.ई. अमित कुमार, प्रमोद शर्मा, एक्सईएन सुशील कुमार, अखिलेश मिश्रा, शिवम् शर्मा, सचिन, ओम प्रकाश टी जी.2, विक्रांत टी.जी.2, धीरज सिंह और स्थानीय पुलिस भी मौके पर मौजूद थे।

संजय सिंह ने यूपी में पार्टी पदाधिकारियों संग की अहम बैठक

➲ भाजपा जनता को मुद्दों से भटकाने में सफ़ल, विपक्ष मुद्दों को पहुंचाने में असफल- संजय सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की सफलता का सबसे बड़ा कारण है उसके द्वारा झूठ को जनता तक पूरी तत्परता और सफलता से पहुंचाना जबकि विपक्ष की सभी पार्टियां जनता तक उनसे जुड़े मुद्दों को सच्चाई से पहुंचाने में पूरी तरह से असफल रही। यह बातें आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद तथा प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने प्रेसवार्ता में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कही। उन्होंने साफ कहा कि विपक्ष की पार्टियों में हमारी आम आदमी पार्टी भी शामिल है। बुधवार को आम आदमी पार्टी में पदाधिकारियों के साथ बैठक करने आये सांसद संजय सिंह ने बताया कि बैठक में 8 प्रांतों के अध्यक्ष, प्रकोष्ठ अध्यक्ष समेत सभी जिलाध्यक्ष शामिल हुए जिसमें सदस्यता अभियान, कार्यकर्ता सम्मेलन, रचनात्मक कार्यों और संगठन की मजबूती एवं देश के विभिन्न मुद्दों पर संघर्ष जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। सांसद संजय सिंह ने बताया कि 23 मार्च 2025 शहीद-ए-आजम भगत सिंह की पुण्यतिथि तथा डॉ राम मनोहर लोहिया की जयंती पर लखनऊ में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जाना तय हुआ है साथ ही 14 सितंबर 2025 को उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी की और से एक बड़ी रैली को आयोजित करने पर भी सहमति हुई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर आक्रामक तेवर अपनाते हुए संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता का ध्यान असली मुद्दों से हटाने और महाकुंभ की नाकामी को छिपाने के लिए योगी जी ने उर्दू भाषा का विरोध सदन में किया जबकि अपने 4 मिनट 20 सेकेंड के भाषण में वे स्वयं उर्दू के नौ शब्दों का प्रयोग कर बैठे। संजय सिंह ने कहा कि उर्दू जिसका जन्म और उत्थान ही उत्तर प्रदेश से हुआ है और जिस उर्दू भाषा का सबसे अधिक इस्तेमाल उप्र की राजधानी लखनऊ में किया जाता है उसका विरोध करना साफ़ जताता है कि भाजपा जनता के लिए कोई सकारात्मक काम करना ही नहीं चाहती केवल धर्म की राजनीति कर जनता को बहकाना और भटकाना चाहती है जिसमें वो काफी हद तक कामयाब भी है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भाजपा संविधान को तार-तार करने में लगी है इसके लिए अवश्यक है कि हम जनता को भाजपा का असली चेहरा दिखाएं। हमारी बैठक का असल मुद्दा यही है। हम जनता तक उनके मुद्दों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का काम करने का प्रयास करेंगे। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद संजय सिंह ने कहा कि जिस तरह से सर्वोच्च न्यायालय की गाइड लांइस को दरकिनार करते हुए रातों-रात मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन किया गया है यह न सिर्फ गलत हुआ बल्कि एक बार फिर से मुख्य चुनाव आयुक्त जैसी संवैधानिक तथा स्वायत्त संस्था पर सवालिया निशान भी लग गया है। संजय सिंह ने कहा कि उर्दू भाषा का विरोध करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बताएँ कि उत्तर प्रदेश में शिक्षा की बदतर हालत कब सुधरेगी। शिक्षा की बदहाली को उजागर करते हुए उन्होंने बताया कि देश के शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में बताया कि उत्तर प्रदेश में 8 महीने के अंदर लगभग 8 लाख बच्चों ने सरकारी विद्यालयों को छोड़ दिया। जिन्होंने सरकारी स्कूलों को छोड़ दिया, वे सरकारी स्कूलों में सिर्फ उर्दू पढ़ने नहीं जाते थे बल्कि वे बच्चे विज्ञान, संस्कृत, हिंदी समेत अंग्रेजी और गणित पढ़ने भी जाते हैं, फिर भी इन बच्चों को स्कूल छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। बीजेपी की धर्म की राजनीति असल मुद्दों से ध्यान भटकाने का एक तरीका मात्र है तथा इस धर्मांत एवं जातिगत राजनीति से ना तो उत्तर प्रदेश का भला होना और ना ही देश का भला होने वाला है। महाकुंभ में हुई गंभीर अव्यवस्था और लोगों के जीवन पर हुई त्रासदी पर बोलते हुए संजय सिंह ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की नवीन रिपोर्ट के मुताबिक महाकुंभ में गंगा का पानी नहाने के लिए उपयुक्त नहीं है। उन्होंने इसकी निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

महाकुंभ आस्था और एकता का प्रतीक है, मृत्युकुंभ नहीं – डॉ. राजेश्वर सिंह

● भाजपा विधायक ने ममता बनर्जी के बयान को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का अपमान बताया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा महाकुंभ को मृत्युकुंभ कहे जाने पर सरोजनीनगर से भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। विधायक ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ममता बनर्जी का बयान न केवल हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति का अपमान है, बल्कि देश की एकता और अखंडता पर भी सीधा प्रहार है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफोर्म एक्स (X) पर पोस्ट कर लिखा कि महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता, सामाजिक समरसता और भारतीय आस्था का अद्वितीय प्रतीक है। इस पवित्र आयोजन पर की गई कोई भी नकारात्मक टिप्पणी भारतीय संस्कृति को कमजोर करने का प्रयास है, जिसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा। महाकुंभ- भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का गौरव – सोशल मीडिया प्लेटफोर्म एक्स (X) पर किये गए पोस्ट में विधायक ने लिखा, प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ हिंदू धर्म का एक पवित्र और ऐतिहासिक आयोजन है, जिसका उल्लेख वेदों और पुराणों में मिलता है। यह अवसर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज के लिए आत्मिक और मानसिक शुद्धि का भी एक बड़ा माध्यम है। महाकुंभ के समय किया गया पवित्र स्नान आत्मा की शुद्धि और मानसिक शांति का कारण बनता है। प्राचीन ग्रंथों में महाकुंभ का महत्व- महाकुंभ का उल्लेख विष्णु पुराण, स्कन्द पुराण, महाभारत और आध्यात्मिक उपनिषद में हुआ है। विष्णु पुराण (3.12)- गंगा स्नान को आत्मा की शुद्धि का सर्वोत्तम उपाय बताया गया है। स्कन्द पुराण (1.33)- महाकुंभ के दौरान किए गए स्नान को जीवन के पापों का प्रक्षालन करने वाला माना गया है। महाभारत (आदि पर्व, 117)- महाकुंभ को धार्मिक और सामाजिक एकता का प्रतीक बताया गया है। आध्यात्मिक उपनिषद- ध्यान और साधना के सर्वोत्तम अवसर के रूप में इसकी व्याख्या की गई है। महाकुंभ का मुख्य उद्देश्य आध्यात्मिक शुद्धि, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति को संजोकर रखना है। लाखों श्रद्धालु गंगा, यमुना और अन्य पवित्र नदियों में स्नान कर आत्मशुद्धि प्राप्त करते हैं। महाकुंभ पर नकारात्मक टिप्पणी निंदनीय - महाकुंभ को मृत्युकुंभ कहकर अपमानित करने वाले बयान न केवल हिंदू धर्म का अपमान हैं, बल्कि भारतीय एकता और अखंडता पर भी आघात करते हैं। यह नकारात्मक टिप्पणियां समाज में अविश्वास और विभाजन फैलाने के उद्देश्य से की जा रही हैं। ऐसे बयान देने वाले हिंदू धर्म की पवित्र परंपराओं का निरादर कर रहे हैं और तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं। भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने ममता बनर्जी के बयान की निंदा करते हुए कहा कि यह बयान उनकी हिंदू विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक एकता का प्रतीक है और इसका अपमान किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। अपने बयान के अंत में विधायक ने जोड़ा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म का गौरव है। इसका अपमान करना हमारे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों का अपमान है। हम इसे सहन नहीं करेंगे। हिंदू धर्म की परंपराएँ और संस्कृतियाँ भारत के गौरव का हिस्सा हैं, और हमें इनका आदर एवं संरक्षण करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि महाकुंभ जैसे आयोजनों का उद्देश्य सभी धर्मों और समुदायों के बीच एकता, शांति और समरसता को बढ़ावा देना है। इस पवित्र आयोजन का अनादर करना भारतीय समाज के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

मशकगंज क्षेत्र मे सीवर जाम की समस्या से लोगों मे आक्रोश

☐ ब्राह्मण परिवार के घर मे एक माह से सीवर रिशव होने से भरा है गंदा पानी

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अपंग प्रशासन की निरंकुश व्यवसथा के चलते एक ब्राह्मण परिवार के मकान में पिछले एक माह से अधिक समय से सीवर का गंदा पानी भरा है, कारण सीवर चोक । लखनऊ शहर के वार्ड मशकगंज वजीरगंज के मोहल्ला मशकगंज मे सीवर लाइन कयी स्थानो पर चोक है, अधिकांश टैंक भरे पडे हैं जिसके चलते सीवर का गंदा पानी या तो गलियों मे बहता रहता है या फिर मकानों की निंव मे भर रहा है जिसके चलते कयी मकानों की निंव तक धंस चुकी है, साथ ही कयी घरो मे सीवर का गंदा पानी बैक मारकर भर रहा है । एक ब्राहमण परिवार के घर मे पिछले एक माह से सीवर का गंदा पानी बैक मारकर भर रहा है, नगरनिगम के जेई अभिलाश से कयी बार शिकायत की किंतु अभिलाश इस समस्या को स्मार्ट सिटी वालो की देन बताकर हाथ खडे कर लेते हैं । नगर आयुक्त तक को फोनकर समस्या से अवगत कराया जा चुका है किंतु निरंकुश प्रशासन के कान पर जूं तक नही रेंगी । मशकगंज मोहल्ले मे सीवर की सफाई के नाम पर मात्र खानापूर्ती ही की जाती रही है कर्मचारी केवल खपच्ची चलाकर कर्तव्य की इतिश्री कर लेते है सीवर की सफाई नही करते जिसके चलते दूसरे ही दिन सीवर टैंक फिर से भरकर बहने लगते हैं । स्वच्छ भारत अभियान का ढिढोरा पीटने वाली सरकार के ढुलमुल रवैये के चलते नगरनिगम एव जलसंसथान प्रशासन निरंकुश बना हुआ है जिसके चलते आम आदमी का जीवन भीषण गंदगी के चलते नर्कीय बन चुका है ।

राजधानी में हुआ साहित्य संकल्प का आगाज उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने किया उद्घाटन

साहित्य सभा द्वारा मुख्यमंत्री को संबोधित साहित्यकारों के कल्याणार्थ एक ज्ञापन उप मुख्यमंत्री को सौंपा गया। जिसमें साहित्यकारों के कल्याणार्थ सहानुभूतिपूर्वक सात मांगों पर विचार कर उचित निर्णय करने का निवेदन किया गया-

1- लखनऊ में आयोजित साहित्य कुम्भ में संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह जी द्वारा साहित्यकारों को मासिक पेंशन की घोषणा की गई थी कृपया पेंशन शीघ्रातिशीघ्र प्रारम्भ करने की कृपा करें।
2- बुजुर्ग साहित्यकारों को उ प्र परिवहन की सभी श्रेणी की बसों में एक सहयोगी के साथ निःशुल्क यात्रा व्यवस्था।
3- प्रदेश के सभी जिलों में साहित्यकारों को सुगम आवास सुविधा के लिए साहित्यकार पुरम बनाया जाये।
4- प्रदेश के सरकारी महोत्सवों में कविसम्मेलन व मुशायरे जैसे साहित्यिक कार्यक्रम इवेंट कम्पनी के बजाए जिले के कवि या साहित्य सभा इकाई के माध्यम से ही कराये जायें।
5- साहित्यकारों को रु20 लाख तक की निशुल्क चिकित्सा व्यवस्था की जाये।
6- प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों डिग्री एवं तकनीकी संस्थानों में प्रतिवर्ष एक साहित्यिक कार्यक्रम युवा प्रेरणा हेतु अवश्य कराया जाये
7- लखनऊ में एक साहित्य संग्रहालय की स्थापना की जाये।

➤ **लखनऊ में साहित्य संग्रहालय बनाने की उठी मांग**

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश साहित्य सभा द्वारा आयोजित साहित्य संकल्प का शुभारम्भ राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश के कवियों और साहित्यकारों की उपस्थिति में पूरे हर्षोल्लास के साथ किया गया। अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्थान सभागार के अटल नीरज मंच पर साहित्यकारों के इस समागम का शुभारम्भ उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, साहित्य सभा के प्रधान संयोजक सर्वेश अस्थाना और वरिष्ठ कवि शिव भजन कमलेश ने दीप प्रज्वल के साथ किया। मुकुल महान द्वारा संचालित उद्घाटन सत्र में प्रदेश के पांच बाल साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। साहित्य सभा द्वारा अनीता सिंहा, अनिल किशोर शुक्ल निडर, नीलम राकेश, अलका प्रमोद एवं डा रुचि श्रीवास्तव को बाल साहित्यकार सम्मान प्रदान किया गया। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सभी को सम्मान पत्र, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इसके पश्चात साहित्य संकल्प के प्रथम सत्र में कविता की भाषा और भाव विषय पर वार्ता का सत्र आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शिवओम अम्बर एवं डॉ. सोनरूपा विशाल से चंद्रशेखर वर्मा ने वार्ता की। शिवओम अम्बर ने साहित्य की परिभाषा में बताया कि सबके हित का भाव लेकर चलने वाली विधा साहित्य होती है। उन्होंने कहा आजकल हिन्दी के प्रति अनायास नकारात्मकता की बाढ़ आई है। दुर्भाग्य है कि कॉन्वेंट स्कूल के फैशन में बच्चों को अब हिन्दी सबसे कठिन विषय लग रहा है। शिवओम अम्बर ने शासन व्यवस्था से मांग की कि शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन करते हुए आवश्यकता है कि हमारे देश में सारा अध्यापन हिन्दी में हो और अंग्रेजी की विशेषज्ञता दी जाए। बच्चों को अंग्रेजी के साथ हिन्दी के संस्कार देने की आवश्यकता है। उन्होंने साहित्यकारों को सुझाव दिया कि आज के दौर में सकारात्मक लेखन की आवश्यकता है, कवि को सहृदय और संकल्पवत्ता होना चाहिए। नई कविता की विधा पर अपने विचार प्रकट करते हुए शिवओम अम्बर ने कहा छंद की सीमा से निकलकर अच्छे भावों को लिखने के लिए नई कविता का जन्म हुआ लेकिन वर्तमान में कुछ लोगों ने नई कविता के नाम पर लेखन की एक विधा को प्रदूषित करने का काम कर रहे हैं । उन्होंने कहा कविता यदि सिर्फ भाव बन कर रहेगी और उसमें विचार सम्मिलित नहीं है तो वह उस लाता की तरह हो जाएगी जिसको वृक्ष का सहारा नहीं मिला। इसके बाद द्वितीय सत्र में पत्रकार सुधीर मिश्र की पुस्तक मुसाफिर हूं यारों पर वार्ताकार पंकज प्रसून ने परिचर्चा की। साहित्य संकल्प के तृतीय सत्र तहजीब की खुशबू में वार्ताकार अनुपम श्रीवास्तव ने सत्र के वक्ता नवलकांत सिन्हा एवं रवि भट्ट से लखनऊ के मिजाज पर चर्चा की। आयोजन के चतुर्थ सत्र में विनोद शंकर शुक्ल की पुस्तक आओ वन जीवों को जानें एवं बरवै विनोद का लोकार्पण किया गया। अगले सत्र में शायरी की ज़ुबान विषय पर रिजवान फारूकी ने शायर मलिकजादा जावेद एवं संजय शौक से परिचर्चा किया। अवधी संस्कृति एवं कला विषयक संगोष्ठी में वार्ताकार विनीता मिश्रा ने पद्मश्री विद्याबिंदु सिंह एवं विनोद मिश्र से वर्तमान में अवधी बोली की महत्ता और भविष्य पर चर्चा की। बातें कुछ कही कुछ अनकही में कवियों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए उसके समाधान के लिए सुझाव दिए गए। इस सत्र का संचालन डा. रुद्रमणि ने किया एवं बतौर विशेषज्ञ डॉ. अरशद अहमद और भुवन तिवारी उपस्थित रहे। प्रिंट मीडिया और साहित्य विषय पर वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ल एवं प्रांशु मिश्रा से वार्ता हुई। इसके अतिरिक्त साहित्य चोरी और कानून के साथ साथ कविता और करियर विषय पर विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किए। संस्कृति विभाग की तरफ से अमृतलाल गोस्वामी ने आल्हा की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही साहित्य संकल्प के देवल आशीष -निर्मल दर्शन मंच पर कविता पाठ के सत्र का आयोजन किया गया जिसमें इंद्रजीत कौर, सर्वेश शर्मा, अरविंद झा, उत्कर्ष उत्तम, निर्भय निश्चल, श्वेता श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव, मधु पाठक, वर्षा रानी, अशोक अवस्थी, सुरभि सिंह, बलवंत सिंह, शिखा श्रीवास्तव, सौरभ शुक्ल, केवल प्रसाद सत्यम, प्रदीप तिवारी धवल, प्रवीण श्रीवास्तव, सरिता त्रिपाठी, मुकेश मिश्र, सुनील कुमार त्रिपाठी आदि ने काव्यपाठ किया।

समाचार

शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार, चोरी का मोबाइल बरामद

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। थाना कैसरबाग पुलिस ने एक शातिर मोबाइल चोर को चोरी के मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया। पीड़ित विकास कुमार जिन्होंने 30 अगस्त 2024 को ऑनलाइन के माध्यम से चोरी का मामला दर्ज कराया था। मामले की जांच शुरू की गई, और जांच के दौरान अभियुक्त अलमदार 34 वर्षीय निवासी लखीमपुर खीरी अभियुक्त को 18 फरवरी 2025 को थाना कैसरबाग से मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि उसने यह मोबाइल फोन उमराव जान कैफ से चुराया था। मोबाइल फोन के आईईएमआई नंबर से पुष्टि की गई और यह मोबाइल विकास कुमार का पाया गया। विकास कुमार ने पहचानते हुए बताया कि वह होटल में काम कर रहा था, और उसी रात अभियुक्त बिना बताए वहां से चला गया था अभियुक्त अलमदार के खिलाफ मुकदमा बढ़ा दिया गया है, और उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा

एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग के दौरान मिला कारतूस

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ एयरपोर्ट पर चेकिंग के दौरान यात्री के पास से जिंदा कारतूस मिला. दिए गए तहरीर में कुंदन कुमार सिंह जूनियर ऑफिसर अडानी सिक्योरिटी चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट लखनऊ पुत्र संजय कुमार सिंह ने बताया कि बीते दिन मैं एयरपोर्ट पर ड्यूटी पर था तभी मेरे सहकर्मी रजनीश कुमार द्वारा चेकिंग बैगेज को स्क्रीनिंग जांच के दौरान यात्री संजय राम बच्चन कलवार पुत्र राम बच्चन कलवार निवासी 135 सीताबाई निवास 101/102 बदलापारा थाना खार वेस्ट मुंबई के बैग में एक कारतूस जैसा प्रतिबिंब दिखाई दिया। जब यात्री को बुलाकर यात्री संजय बच्चन कलवार उपरोक्त के बैग की भौतिक जांच की गई तो बैग से एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ, जिसके पेंदे पर 7.62 M 80 OFV 06 लिखा हुआ है। बरामद कारतूस के संबंध में यात्री से कागजात मांगे गए किंतु कोई कागजात उपलब्ध नहीं कर सके। यात्री संजय बच्चन कलवार को इंडिगो के कर्मचारी रिशु सिंह व सी.आई.एस.एफ. कर्मचारी लाल रावत के साथ थाना सरोजनीनगर लेकर आए । सरोजनीनगर थाना प्रभारी राजदेव राम ने बताया कि जिंदा कारतूस ले जाने वाले को गिरफ्तार किया गया और मुकदमा पंजीकृत करते हुए आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है। मौके पर पुलिस द्वारा जांच पड़ताल की जा रही है।

मोबाइल और नगदी के साथ चोर को लोगों ने दबोचा,किया पुलिस के हवाले

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। मंगलवार रात लोगों ने एक युवक को चोरी के मोबाइल और नगदी के साथ धर दबोचा। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बरामद मोबाइल कब्जे में लेने के साथ उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया है। सरोजनीनगर के हाजी चौराहा, शमा विहार कॉलोनी निवासी रिजवान अंसारी के मुताबिक वह पास के ही अवध विहार कॉलोनी में परिवार के साथ होटल संचालित करता है। उसका कहना है कि बीती 11 फरवरी की रात उसके होटल से तीन कीमती मोबाइल चोरी हो गए थे। चोरी गए मोबाइलों की खोजबीन के दौरान पता चला कि उसके पड़ोस में किराए पर रहने वाले श्याम जीत पाल व योगेंद्र पाल के भी मोबाइल और कमरे से 30 हजार रुपये चोरी हुए हैं। साथ ही पता चला कि कुछ दूर स्थित बंधुआ तालाब के पास रहने वाला वारिस अली अक्सर उसके होटल पर खाना खाने आता जाता है और उसी ने होटल से मोबाइल चोरी किए हैं। यह जानकारी होने पर रिजवान अपने पड़ोसियों के साथ मंगलवार देर शाम वारिस की खोजबीन के लिए निकल पड़ा। वह बंधुआ तालाब पर वारिस के घर जा रहा था, तभी रास्ते में वारिस मिल गया। जब उससे पूछताछ की गई तो वह इधर-उधर की बात करने लगा। लेकिन तलाशी लेने पर वारिस की जेब से चार मोबाइल फोन और 59,400 रुपये मिले। इसके बाद उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस ने रिजवान अंसारी की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर वारिस से बरामद मोबाइल अपने कब्जे में ले लिए और वारिस को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

लता श्रीवास्तव शिक्षा क्षेत्र में उत्कर्ष कार्य के लिए सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बुधवार को सुमन वाटिका, कृष्णानगर में सामाजिक न्याय एवं महिला अधिकारिता बोर्ड की लखनऊ इकाई द्वारा पदाधिकारियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली से आए केंद्रीय पदाधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें एन.पी. आनंद, महेश कुमार , वृजेंद्र गोस्वामी, रीता दिओल और सीमा सिंह गौर शामिल थे। लखनऊ जिला टीम के पदाधिकारियों, जिनमें ऑचल निंगम, तृप्ति शुक्ला, वीना खुराना, सुधा वर्मा, रानी गुप्ता, चंदर भसीन, राजेंद्र कुमार सिंह, तरुण साहनी और श्री रोबिन गुप्ता को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में संकल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा लखनऊ की सेवाभावी महिलाओं शशि रावल, लता श्रीवास्तव, डॉ. जागृति गुप्ता, नेहा गिहार और अर्चना को सम्मानित किया गया।

संपादकीय

बचपन पर भारी स्मार्टफोन

तकनीक के जरिये विकास की अंधी दौड़ में हम बहुत कुछ खो भी रहे हैं। इंसान कभी मशीन से संचालित नहीं हो सकता। मानवीय संवेदनाएं और अहसास कभी कृत्रिम नहीं हो सकते। दूसरे शब्दों में कहें तो कोई तकनीक, मशीन व उपकरण सहयोगी तो हो सकते हैं, मगर मालिक नहीं हो सकते। कमोबेश यही बात शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर कही जा सकती है। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नई शैक्षिक परिपाटी में मोबाइल की अपरिहार्यता को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं खड़ी कर रहा है। निस्संदेह, विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल-कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। तब लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही है। जाहिरा तौर पर ये उनके भटकाव और मानसिक विचलन का कारण भी बन सकता है। अब इसके मानसिक व शारीरिक दुष्प्रभावों पर व्यापक स्तर पर बात होने लगी है। यहां तक कि आस्ट्रेलिया समेत तमाम विकसित देश स्कूलों में मोबाइल के उपयोग पर रोक लगा रहे हैं। अब तो यूनेस्को अर्थात संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन की दुनिया में शैक्षिक स्थिति पर नजर रखने वाली टीम ने भी स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इसकी रिपोर्ट भारत में शिक्षा के नीति-नियंताओं की आंख खोलने वाली है। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ कदमताल की दलील देकर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके निरंकुश प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में बेलगाम इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। जिसमें प्रश्न बच्चों की निजता का भी है। वहीं प्रश्न ज्यादा प्रयोग से बच्चों के दिमाग व शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का भी है। निस्संदेह, शिक्षकों व अभिभावकों की देखरेख में सीखने की प्रक्रिया में स्मार्टफोन का सीमित उपयोग तो लाभदायक हो सकता है। लेकिन इसका अंधाधुंध व गलत उपयोग घातक भी हो सकता है। दरअसल, स्मार्टफोन में वयस्कों से जुड़े तमाम एप ऐसे भी हैं जो समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रहे हैं। उन्हें यौन कुंठित बना रहे हैं। बड़ी चुनौती यह है कि बच्चों की एकाग्रता भंग हो रही है। बच्चों में याद करने की क्षमता घट रही है। ऐसे में जब शिक्षा में स्मार्टफोन का उपयोग टाला नहीं जा सकता, लेकिन उसका नियंत्रित उपयोग तो किया ही जा सकता है। निस्संदेह उसका उपयोग सीमित किया जाना चाहिए। संकट यह भी कि मोबाइल पर खेले जाने वाले ऑन लाइन गेम जहां बच्चों को मैदानी खेलों से दूर कर रहे हैं, वहीं स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डाल रहे हैं। निश्चित तौर पर फोन छात्र-छात्राओं का सहायक तो बन सकता है, लेकिन उनके दिमाग को नियंत्रित करने वाला नहीं।

मोदी जी, अगर देश का सम्मान बचा नहीं सकते, तो इस्तीफा क्यों नहीं दे देते?

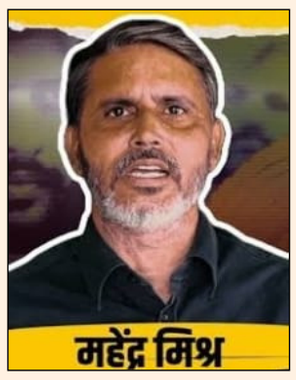

आलेखः महेंद्र मिश्र

एक देश कैसे मरता है, अमृतसर में उतरने वाले अमेरिकी सैन्य विमान और उनमें हथकड़ियों और बेड़ियों से बंधे बैठे भारतीय नागरिक उसकी खुली निशानी हैं। मृत्यु केवल एक भौतिक क्रिया नहीं है। अगर किसी का मान-सम्मान खत्म हो जाए, किसी की प्रतिष्ठा धूल-धूसरित हो जाए, तो वह शख्स भी मरे के समान है। एक चलती-फिरती जिंदा लाश। 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश के नागरिकों को खुद उसकी ही धरती पर एक दूसरा देश हाथ-पांव बांधकर लाकर पटक रहा है और उस देश के लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है, इससे बड़ी विडंबना कोई दूसरी नहीं हो सकती है। दिलचस्प बात यह है कि यह देश इन्हीं साम्राज्यवादी ताकतों के खिलाफ अपने मान-सम्मान, स्वतंत्रता और प्रतिष्ठा के लिए लड़ते हुए खड़ा हुआ था। और उसी काम के लिए लाखों-लाख लोगों ने अपनी जानों की कुर्बानियां दी थीं। उन्होंने हंसते-हंसते फांसी के फंदे चूमे थे। आखिर क्या मांग थी और क्यों लड़े अंग्रेजों के खिलाफ हमारे पुरखे? यही तो कि हम खुद अपने ऊपर शासन के लिए स्वतंत्र हैं और हमारे ऊपर कोई दूसरा राज करे, यह बात हमें गंवारा नहीं। वह भौतिक हो या कि नीतिगत स्तर पर, किसी तरह की गुलामी उन्हें मंजूर नहीं थी, जिसका नतीजा था कि अंग्रेजों को देश छोड़कर भागना पड़ा और फिर स्वतंत्र रुप से देश ने अपने निर्माण की प्रक्रिया शुरू की। आज 75-76 सालों के दौरान न केवल ये लोकतंत्र के रूप में फला-फूला, बल्कि दुनिया के पैमाने पर भी अपनी एक हैसियत, प्रतिष्ठा और पहचान बनायी, जिसको महाशक्ति कहे जाने वाले दुनिया के तमाम देशों से लेकर छोटे-बड़े देशों ने स्वीकार किया। लेकिन 75 सालों के बाद एक ऐसी सरकार आयी है, जो इस पूरी प्रक्रिया को ही उलट देना चाहती है। पिछले 10 सालों में उसने न केवल लोकतंत्र को रौंदने का काम किया, बल्कि देश को एक कट्टर धार्मिक राज्य में बदल देने की हर संभव कोशिश की। इस प्रक्रिया में न केवल साम्राज्यवादी ताकतों के सामने समर्पण कर दिया गया, बल्कि देश की रही-सही प्रतिष्ठा को भी धूल-धूसरित कर दिया गया। क्या आप सोच सकते हैं कि कोई ऐसा देश, जो किसी देश के नागरिकों को हथकड़ी लगा कर उसी के देश भेज रहा हो, बावजूद इसके उस देश का शासक उसकी यात्रा करने के लिए तैयार हो जाएगा? और इस कड़ी में वह सब कुछ मानने के लिए तैयार हो जाएगा, जो सामने वाला उसको निर्देशित करेगा? लेकिन ऐसा हुआ। और यह सब कुछ मोदी जी ने किया। लेकिन शायद मोदी जी को पता नहीं है कि जब आप ऐसा करने के लिए तैयार हो जाते हैं, तो सामने वाला भी आपकी हैसियत का अंदाजा लगा लेता है और फिर उसी तरह से आपके साथ व्यवहार करने लगता है। हालिया दौरे में ट्रम्प का पीएम मोदी के साथ किया गया व्यवहार वही दर्शाता है। पूरे दौरे में ट्रम्प के रुख से यही लगा कि वह किसी हेड ऑफ स्टेट को नहीं बुलाए हैं, बल्कि उन्होंने एक गुलाम को न्योता दे रखा है, जिसको उनके निर्देशों पर चलने में कोई परेशानी नहीं है। वरना उसी के आस-पास आए तीन दूसरे राष्ट्राध्यक्षों का ह्वाइट हाउस के बाहर आकर उन्होंने जब अगवानी की, तो पीएम मोदी की भी कर सकते थे। लेकिन उन्होंने नहीं किया। गैस, तेल और एफ-35 बेचकर आखिर वह किसको लाभ दिलवाए। टैरिफ के मामले में भी वह रत्ती भर भी पीछे नहीं हटे। और मोदी हर चीज को सिर झुकाकर स्वीकार कर लिए। कहीं किसी एक मामले में भी विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा सके। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जब पीएम मोदी, ट्रम्प से हाथ मिला रहे थे, तो उसी दौरान भारतीय नागरिकों को उसी धरती पर हथकड़ी बांध कर डिपोर्ट करने की तैयारी चल रही थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तो संसद के भीतर बोला था कि वह इस मसले पर अमेरिकी सरकार से बात करेंगे और इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि भारतीय नागरिकों के साथ किसी तरह का गलत व्यवहार न हो। लेकिन इस भरोसे का क्या हुआ, जो देश की सबसे बड़ी पंचायत को उन्होंने दिया था? क्या उन्होंने बात की? और नहीं की, तो उसके बारे में बताएं। क्योंकि क्या पता, अमेरिकी अधिकारियों के सामने डर के चलते उनके बोल ही नहीं फूटे हों। और अगर बात हुई है और फिर भी वे तैयार नहीं हुए, तो उसके बारे में देश को उन्हें बताना चाहिए। फिर तो संसद और देश फैसला करेगा कि उस पर क्या किया जाना चाहिए। हां, इस बीच बात हुई या नहीं, वह तो जयशंकर और सरकारी अमला जाने। लेकिन भेजे गए प्रवासी भारतीयों को अमेरिकी सैनिकों की तरफ से ज़रूर यह दूसरा तर्क दिलवा दिया गया कि ये बेड़ियां और हथकड़ियां खुद उनकी सुरक्षा के लिए ही लगायी गयी थीं, क्योंकि जिस मनःस्थिति से वो गुजर रहे हैं, उसमें कुछ ऐसी हरकत कर सकते हैं, जो खुद उनके लिए भी नुकसानदायक हो सकती हैं। अब इससे बड़ा मजाक कोई दूसरा नहीं हो सकता है। चलिए, एकबारगी आपका ही तर्क मान लेते हैं। तो फिर उन महिलाओं और बच्चों का क्या, जिनको आपने इससे छूट दे रखी थी। क्या उनकी जान की कीमत कम थी या फिर आप को उनकी फिक्र नहीं थी? इस लिहाज से तो बच्चों के लिए और ज्यादा जरूरी हो जाता है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। दरअसल यह भारतीयों को उनकी औकात बताने का रास्ता अपनाया गया है, जिससे अमेरिका की तरफ देखने की भी वो हिम्मत नहीं जुटा सकें। एक सवाल मोदी जी से ज़रूर पूछा जाना चाहिए कि आपके 17 हजार नागरिकों को अगर इसी तरह से हथकड़ियां और बेड़ियां बांधकर लाया जाएगा तो क्या आप कभी अमेरिकी राष्ट्रपति या फिर उसके दूसरे अधिकारियों से नजर से नजर मिलाकर बात कर सकेंगे? ये मत भूलिए, जिन्हें अपने मान-सम्मान का ख्याल नहीं होता है, दूसरे भी फिर उसकी फिक्र नहीं करते हैं। इसलिए आपकी इज्जत आपके हाथ में होती है। क्या आप कभी सोच सकते थे, देश के दूसरे प्रधानमंत्री नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और यहां तक कि मनमोहन सिंह भी इस तरह की कोई शर्त मानने के लिए तैयार हो जाते? कतई नहीं! अनायास नहीं, बांग्लादेश वार में जब अमेरिका के सातवें बेड़े के आने की बात कही जाने लगी तो इंदिरा गांधी ने बयान दिया कि सातवां बेड़ा आए या सत्तरवां युद्ध नहीं रुकेगा। मोदी जी यह साहस आप क्यों नहीं दिखा सके? मैं बताता हूं, उसके पीछे क्या कारण है। दरअसल आप जिस आरएसएस और हिंदुत्व की धारा से आते हैं, उसने आजादी की लड़ाई में हमेशा अंग्रेजों का साथ दिया। आपकी पूरी मानसिकता ही गुलामी की है। आपने बाहर के जो असली दुश्मन थे, जो देश को लूट कर ले जा रहे थे, उन्हें कभी दुश्मन के रूप में देखा ही नहीं। आप हमेशा उनके दोस्त बने रहे। आपने हमेशा उनका सहयोग किया। और यहां तक कि उनके लिए मुखबिरी तक की। इसलिए वो कभी भी आपको दुश्मन नजर ही नहीं आते। आपने अपने देश के भीतर ही अपने भाई-बंधुओं के बीच दुश्मन ढूंढ लिए हैं। जिनसे भाईचारे का रिश्ता है, उनमें आप नफरत और घृणा फैलाते रहते हैं। इसलिए आपको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले उस अपमान का एहसास ही नहीं है। और आप चाह रहे हैं कि पूरा मामला रफा-दफा कर दिया जाए। इसकी किसी को कोई खबर ही न हो। और वह चर्चा का विषय ही न बने। इसीलिए आपका कार्टून प्रकाशित करने वाली उस तमिल वेबसाइट को बैन कर दिया गया जिसमें ट्रम्प के सामने आपके हाथों और पैरों में जंजीरें बांधकर कुर्सी पर बैठे दिखाया गया है। इसमें गलत क्या है। यही असली सच्चाई है। वह जंजीरें उन नागरिकों के पैरों और हाथों में नहीं बांधी गयी हैं, वो हमारे और आपके हाथों में बांधी गयी हैं। और देश के किसी नागरिक से पहले आपके हाथों में बंधी हैं, क्योंकि आप देश के मुखिया हैं और इस देश की संप्रभुता के रक्षक। अगर देश के साथ कुछ होता है, तो उसकी सबसे पहली जिम्मेदारी और जवाबदेही आपकी है। लेकिन आप उसको लेने से भाग रहे हैं और अपने ही नागरिकों को अपराधी करार देकर अपनी जिम्मेदारी से फुर्सत पा लेना चाहते हैं। होना तो यह चाहिए था कि आप कोलंबिया के राष्ट्रपति की तरह उसका प्रतिरोध करते और जैसा कि कोलंबिया के राष्ट्रपति ने किया है, इन अमेरिकी सैन्य विमानों को भारत की धरती पर उतरने ही नहीं देते। लेकिन आप तो ऐसा नहीं कर सके। लेकिन इस देश की जनता इसको स्वीकार करने नहीं जा रही है। अगली कोई खेप इस धरती पर नहीं उतरनी चाहिए। और इसके लिए जरूरत पड़े तो भारतीय विमानों को अमेरिका उन्हें लेने के लिए भेजा जाना चाहिए। और अगर सरकार ऐसा नहीं करती है, तो भारतीय नागरिकों को यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए, चाहे इसके लिए भले ही उन्हें चंदे इकट्ठा करना पड़े। और फिर उस पैसे से भारतीय नागरिकों को भारत ले आया जाए। जरूरत पड़े, तो इसके लिए राष्ट्रव्यापी अभियान भी चलाया जा सकता है।

मोदी, ट्रम्प और व्यावसायिक हित

अरविन्द मोहन

शेयर बाजार में चल रही मौजूदा दौर की गिरावट में बाजार के कुछ बड़े और कुशल खिलाड़ियों को कितने का नुकसान हुआ है यह हिसाब अब आने लगा है। कई का नुकसान लगभग एक तिहाई तक का है पर कुल मिलाकर बाजार इतना नहीं गिरा है। लेकिन ऐसे शीर्ष वाले लोगों का नुकसान अगर कुछ सौ करोड़ का है तो हमारे शेयर बाजारों के सारे निवेशकों का नुकसान दसेक लाख करोड़ रुपए से अधिक का हो चुका है और उसकी चर्चा कम है। यह पैसा आम लोगों का तो है ही, उनके बैंक जमा, प्राविडेन्ट फंड, साझा कोशों और बीमा कंपनियों को चुकाए उनके प्रीमियम की रकम का है। और आम तौर पर यह धन शेयर बाजार के विशेषज्ञों के साथ ही सरकार के इशारों पर बाजार में लगता है, उसे चढ़ाता और गिराता है। इस बार का भूचाल अमेरिकी शासन के बदलाव से जुड़ा है अर्थात डोनाल्ड ट्रम्प के फिर से राष्ट्रपति बनने के बाद लिए उन फैसलों और आने वाले फैसलों की आशंका से इसका रिश्ता है जिसे वे अमेरिका को फिर से महान बनाने के अपने वायदे के हिसाब से ले रहे हैं या लेने वाले हैं। इस बीच हमारे रुपए को गोता लगाने से बचाने के लिए(फिर भी उसने अच्छी खासी गिरावट दर्ज की है) रिजर्व बैंक ने कितना दंड-प्राणायाम किया है वह अलग हिसाब है पर उसने हमारी गाढ़ी कमाई के हजारों करोड़ मूल्य के डालर बाजार में उतारे हैं। और मोदी राज की शुरुआत में पच्चीस हजार के रेट वाले सोना ने आज प्रति दस ग्राम नब्बे हजार का स्तर छूकर कितनों को रुलाया है, यह हिसाब भी आसानी से लगाया जा सकता है। कोई उम्मीद कर सकता है कि जब हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका यात्रा की और ट्रम्प से मिले (या ऊनके पहले विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका में अड्डा डाला था) तो वे जरूर महाबली अमेरिका के इस राष्ट्रपति से अपना दुखदर्द कहेंगे और अभी तक जारी अच्छे राजनयिक संबंधों के आधार पर अपनी परेशानियों का समाधान चाहेंगे, अमेरिका-भारत संबंधों में इसके चलते खटास न आए, इसका इंतजाम करेंगे। ट्रम्प दोबारा चुनाव जीतकर कुछ ज्यादा ही आत्मविश्वास और अमर्यादित व्यवहार पर उतरे लगते है, शपथ ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने दो सौ से ज्यादा बड़े फैसलों पर दस्तखत करके दुनिया को श्दहलाश् दिया था और अभी भी उनका उत्साह जारी है। इस उत्साह को दुस्साहस बताने वाले कम नहीं है क्योंकि इससे अमेरिका का लाभध्घाटा क्या होगा यह हिसाब नुकसान की तरफ जाता लगता है। कहा जाता है कि ट्रम्प इस बात से ज्यादा खुश न थे कि उनका मित्र माने जाने वाले मोदी ने बाइडन प्रशासन से भी अच्छा संबंध रखा और चुनाव हारने के कारण उनकी तरफ पीठ फेर लिया था। इसलिए मोदी और ट्रम्प की दोस्ती के पक्षधर इस बात को लेकर खुश हैं कि इस यात्रा में प्रधानमंत्री पुरानी गर्मजोशी हासिल करने में सफल रहे। बातचीत, व्यवहार, राजनयिक शिष्टाचार से लेकर इस यात्रा में हुए समझौतों के आधार पर ऐसा नहीं लगता क्योंकि सारा हिसाब अमेरिका के पक्ष में झुका हुआ है। और साझा प्रेस कांफ्रेंस में ट्रम्प ने जिस तरह से मोदी जी के प्रति व्यवहार दिखाया वह सामान्य न था, बल्कि कई बार तो यह खिल्ली उड़ाने के करीब तक पहुंच गया। और मोदी जी ट्रम्प प्रशान के करीबी उद्यमी एलन मास्क से मिलने और उनके भारत से व्यावसायिक रिश्ते बनाने को लेकर जितने बेचौन रहे हैं उसमें उनका व्यवहार भी सामान्य शिष्टाचार वाला न था। वे प्रधानमंत्री से भेंट में अपनी पत्नी, बच्चों के साथ बच्चों की देखरेख करने वाली सहायिका को भी लेकर पहुंचे थे। और सामान्य निष्कर्ष यही रहा कि इस यात्रा से भारत- अमेरिकी दोस्ती में कोई कड़वाहट न आई या वैसा कुछ था तो वह खत्म हुआ लेकिन कुल मिलाकर अमेरिका लाभ की स्थिति में रहा। उसने मनमाने व्यावसायिक करार किए और भारत ने ज्यादा ना नुकर न करते हुए उन्हें स्वीकार किया। इसमें गैरजरूरी सैन्य सामग्री की खरीद का करार भी शामिल है और तेल समेत कुछ ऐसे सौदों का प्रसंग उठाना भी है जिनमें समझौता करना भारत को महंगा पड़ेगा। रूस या इराकी-कुवैती तेल हमें बहुत सस्ता और सुविधाजनक पड़ता है। जिस सवाल की चर्चा ट्रम्प-मोदी साझा प्रेस कांफ्रेंस में ज्यादा थी और जिस पर ट्रम्प ने भी मजा लिया वह हमारे उद्यमी गौतम अदानी के खिलाफ अमेरिका में चलाने वाले मामलों से जुड़ा था और जिस पर प्रधानमंत्री ने बहुत ही दार्शनिक किस्म का जवाब देकर बचते नजर आए। असल में इस दौर की वार्ता और समझौतों का बीज विषय यही लगता है और प्रधानमंत्री का वह जवाब मोदी सरकार के बचाव की मुद्रा को बताता है। बातचीत और समझौतों से पहले खबर आ गई कि अडानी के खिलाफ चल रहे मुकदमों में राष्ट्रपति दखल देकर हमारे व्यवसायी को राहत देंगे। अडानी पर गलत सूचनाएं देकर अमेरिकी निवेशकों से धोखा करने और आंध्र प्रदेश सरकार के अधिकारियों को घूस देने के मामले दर्ज हुए थे। उससे एक हाहाकार पहले मच चुका था। और जब विदेश मंत्री जयशंकर ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में भागीदारी करने गए थे तब यह हुआ कि मामला स्थानीय अदालत से उठकर फेडरल कोर्ट में आ गया था। माना जाता है कि स्थानीय अदालतें ज्यादा स्वायत्त हैं और फेडरल कोर्ट और कानून में राष्ट्रपति का दखल संभव है। इस अमेरिकी यात्रा और इस तरह के फैसले करने कराने की तैयारी उसके पहले शुरू हो गई थी और अभी भी चल रही है। अभी भी इस्पात और अल्युमिनियम पर सीमा शुल्क पच्चीस फीसदी करने की माथापच्ची चल रही है क्योंकि ट्रम्प ऐसा चाहते हैं। ट्रम्प विश्व व्यापार संगठन के जरिए बनी वैश्विक व्यापार नियमों से खासे खफा है जबकि वाशिंगटन कंसनसेस से शुरुआत करके गैट और विश्व व्यापार संगठन बनवाने और उसकी मुश्किल शर्तें मनवाने में अमेरिका ने ही केन्द्रीय भूमिका निभाई थी। इस संगठन का सबसे बड़ा चरित्र व्यापार संबंधों को द्विपक्षीय की जगह बहुपक्षीय बनाना था और इन शर्तों को मनवाने के लिए सख्त निगरानी और दंड-पुरस्कार की व्यवस्था बनानी थी। आज ट्रम्प इस सब पर पानी फेरते हुए संरक्षणवाद और द्विपक्षीय व्यापार पर जोर दे रहे है। दुनिया इसी डर से कांप रही है क्योंकि एक अनुमान के अनुसार सब कुछ ट्रम्प के अनुसार चला तो अमेरिका की ही विश्व व्यापार में हिस्सेदारी 15 से घटकर 12 फीसदी रह जाएगी।

मेष:- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

बृषभ:- स्वयं पर भरोसा रख योजनाओं को सुचारू रुप से क्रियान्वित करें। सगे-संबंधों में सरल व व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। अर्थाभाववश चिंता संभव।

मिथुन:- किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन हतोत्साहित होगा। संबंधों के प्रति कुछ नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा।

कर्क:- कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी कोई यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

सिंह:- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु कायरे को समय से पूर्ण करें।

कन्या:- समस्याओं के समाधान हेतु मन नयी-नयी युक्तियों पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित न हो। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

तुला:- मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में संतुलित वाणी का प्रयोग करें। कोई हितैषी बिगड़े हुए संबंधों को सुधरवायेगा। रोजगार में अपनी क्षमता का लाभ उठाएंगे।

वृश्चिक:- सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सगे-संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां संभव।

धनु:- नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय-व्यय में संतुलन बनाने का प्रयत्न करें। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य का त्याग करें।

मकर:- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

कुंभ:- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरें की व्यस्तता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त की जल्दबाजी में नियुक्ति

जिस प्रकार से लोकतांत्रिक मर्यादाओं तथा परम्पराओं को ताक पर रखकर, जल्दबाजी में केन्द्र सरकार ने 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त (चीफ इलेक्शन कमिश्नर- सीईसी) की नियुक्ति की है उससे चुनाव सुधार की उम्मीदों पर फिर से पानी फिर गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के 18 फरवरी को सेवानिवृत्त होने से पहले ही केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय में 17 फरवरी की शाम एक बैठक बुलाई, जिसमें प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के अलावा नेता प्रतिपक्ष भी शामिल हुए।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस बैठक के लिए पहले ही आपत्ति जाहिर कर दी थी, बावजूद इसके सरकार ने उन आपत्तियों को दरकिनार करते हुए न केवल बैठक की, बल्कि सोमवार देर रात नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त के तौर पर ज्ञानेश कुमार को नियुक्त कर दिया। इस नियुक्ति पर भी विपक्ष सवाल उठा रहा है। 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय में अपने कार्यकाल के दौरान जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को निरस्त किये जाने के बाद निर्णय को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और 15 मार्च, 2024 को निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला था। ये पहली बार है, जब मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और पदावधि) अधिनियम, 2023 के तहत हुआ है। इससे पहले बीते साल ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को नए कानून के तहत चुनाव आयुक्त चुना गया था।निवर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार का कार्यकाल कई किस्म के विवादों में घिरा रहा। आरोप लगे कि उनके रहते आयोग ने भाजपा की सुविधानुसार चुनावी कार्यक्रम बनाना, सिर्फ विरोधी दलों के खिलाफकार्रवाइयां करना, भाजपा के गलत कार्यों की अनदेखी करना, आचार संहिता का प्रतिपक्ष को दबाने में इस्तेमाल करना और विरोधियों को न सुनना जैसे कार्य किए। उनके दौर में हुए लगभग हर चुनाव में गड़बड़ी की शिकायतें विपक्ष ने कीं। ईवीएम में छेड़छाड़ से लेकर मतदाता सूची की गड़बड़ी जैसे गंभीर आरोपों के सवाल उठे, मतदान खत्म होने के कुछ घंटों के बाद वोटिंग का प्रतिशत बढ़ जाना, मतगणना बीच में रुकने या धीमी होने के बाद कुछ ही मिनटों में हारती हुई भाजपा की सीटों का इतना बढ़ जाना कि वह राज्यों में सरकार बना ले आदि ऐसी घटनाएं हैं जो हमेशा संदेह के घेरे में रहेंगी। विपक्ष ने भाजपा की जेबी संस्था, चूना आयोग जैसे शब्द चुनाव आयोग के लिए किए ताकि उसके आरोपों की गंभीरता समझी जाए। लेकिन इन सबका कोई असर संभवतः सरकार पर नहीं हुआ। लोकतंत्र के पक्ष में वे सारे लोग जो एक स्वतंत्र, मजबूत और निष्पक्ष चुनाव आयोग की उम्मीद राजीव कुमार के जाने के बाद लगाये बैठे थे, वे इसलिये मायूस हैं क्योंकि उन्हें वांछित बदलाव की अब कोई उम्मीद नहीं रह गयी है क्योंकि नये सीईसी का उसी धारा में तैरना लगभग तय माना जा रहा है। सीईसी के रूप में ज्ञानेश का कार्यकाल जनवरी, 2029 तक रहेगा। इस दौरान उनकी देखरेख में लगभग 20 विधानसभा चुनाव होंगे तथा अगली लोकसभा के लिये 2029 में होने वाली सारी भी तैयारियां वे करके जायेंगे- यदि उन्हें सेवा विस्तार नहीं मिलता तो। ऐसा तभी होगा यदि वे राजीव कुमार की बनाई लीक से हटकर काम करेंगेय जिसकी उम्मीद कम है। केन्द्रीय निर्वाचन आयोग हमेशा भाजपा सरकार की जेब में बनी रहे, इसकी तैयारी पहले से कर ली गयी थी। 2023 में सीईसी नियुक्ति अधिनियम में संशोधन कर चयन समिति से सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया। इसका उद्देश्य साफ था कि चयन प्रक्रिया में बहुमत सरकार का बना रहे। इसे लेकर विपक्ष, खासकर कांग्रेस आपत्ति जताती रही है। इसके खिलाफ शीर्ष कोर्ट में एक याचिका भी लगाई गयी है जिस सम्बन्ध में तीन सुनवाइयां हो चुकी हैं और अगली सुनवाई बुधवार 19 फरवरी को ही निर्धारित है। कहीं उच्चतम न्यायालय इस नियम को अवैध न ठहरा दे, इसलिये अदालती फैसले हेतु ठहरने की बजाये (और आशंका में) सोमवार को बैठक बुलाकर राहुल की कड़ी आपत्ति के बावजूद नया सीईसी घोषित किया गया। सरकार रुक सकती थी क्योंकि फिलहाल देश में कोई चुनाव नहीं है। केवल बिहार का होगा- वह भी इस साल के अंत में। आधी रात को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हस्ताक्षर भी कर दिये। इसलिये राहुल ने इस प्रक्रिया को श्अपमानजनक व अशिष्ट्य बतलाया है जो कि गलत नहीं है। राहुल गांधी ने अपनी आपत्ति का एक पत्र केंद्र सरकार को दिया है। वहीं कांग्रेस ने एक ट्वीट में आधी रात का तख्तापलट शीर्षक के तहत कई बिंदुओं में समझाया है कि कैसे मोदी-शाह ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर कब्जा किया है। कांग्रेस ने लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट को दरकिनार करने से लेकर आधी रात की नियुक्ति तक, मोदी और शाह ने दिनदहाड़े सबसे बड़े चुनावी तख्तापलट को अंजाम दिया है। यह बेहद गंभीर आरोप है जो कांग्रेस ने लगाया है, अब देखना होगा कि अदालत इस आपत्ति का संज्ञान लेती है या नहीं।

अंतर्जनपदीय टप्पेबाज गिरोह के चार अभियुक्त गिरफ्तार, नगदी, ज्वैलरी व तमंचा बरामद

संवाददाता

बिंदकी/फ्तेहपुर। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर टप्पेबाजी चोरी के अंतर्जनपदीय गिरोह का पर्दाफाश कर आधा दर्जन टप्पे बाजी चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण कर एक लाख रुपए नगद लगभग ?2००००० के जेवरात के साथ चार अभियुक्तों को नाजायज तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया । पुलिस के अनुसार गिरोह के दो सदस्य अभी फरार हैं जिनको जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर अपराध तथा अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने फ्तेहपुर जनपद के कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के अंतर्गत खजुहा कस्बे के समीप लंका मैदान की निकट बुधवार की सुबह लगभग 5:०० बजे पुलिस ने शातिर बदमाश इरफान अली उर्फ पप्पू उम्र 46 वर्ष पुत्र चिराग अली निवासी बेगम पुरवा थाना बाबू पुरवा जनपद कानपुर नगर, रजा हुसैन उम्र 42 वर्ष पुत्र छेद्दू साह निवासी ग्राम आलमगंज कोतवाली बिंदकी, राशिद अली उर्फ फैसल उम्र 39 पुत्र स्व शाहिद अली निवासी अवस्थी फॉरम आलमनगर थाना गंगा घाट जनपद उन्नाव, नूर मोहम्मद उर्फ छोटू उम्र 35 स्व असलम शेख निवासी मसवानी मोहल्ला कालिकन रोड थाना कोतवाली फ्तेहपुर को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया आरोपियों के पास से चोरी किए गए कान के झाला, अंगूठी पायल बिछिया नाक की की एल मंगलसूत्र कुल लगभग 2 लाख के जेवर के अलावा एक लाख रुपए नगद तथा एक तमंचा 315 बोर, एक तमंचा 12 बोर बरामद हुआ। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करने न्यायालय भेज दिया बताया जाता है कि पकड़े गए चारों लोग शातिर बदमाश अपराधी है और टप्पे बाजो का गिरोह है। गिरफ्तार करने वाली टीम में वरिष्ठ उप निरीक्षक अंकुर कैथवास उप निरीक्षक राज बहादुर यादव उपनिषक यश करण सिंह उपनिरीक्षक संजय सिंह परिहार उप निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह सिपाही रविंद्र यादव गौतम कुमार त्रिवेंद्र कुमार विकास कुमार चंद्र कुमार सुनील कुमार शुक्ला दीपक वर्मा रहे। पकड़े गए बदमाशों के बारे में पुलिस क्षेत्राधिकारी वीर सिंह ने बताया की यह अंतर्जनपदीय गिरोह है पकड़े गए सभी अभियुक्तों पर कई जनपदों पर कई कई मुकदमे दर्ज हैं। इस मौके पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

शिवरात्रि महापर्व को लेकर तैयारियों पर शांति समिति बैठक में मंथन

संवाददाता

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के बनीपारा जिनई स्थिति बाणेश्वर महादेव मंदिर में लगने वाले मेले की तैयारियों को लेकर थाने में पीस कमेटी की बैठक का आयोजन एसडीएम डेरापुर सीओ सदर की अध्यक्षता में किया गया,मंदिर के कमेटी के लोगों ने बैठक में मंदिर की समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। पौराणिक मंदिर बाणेश्वर महादेव में प्रतिवर्ष लगने वाले मेले से संबंधित और मंदिर से संबंधित व्यवस्थाओं के संबंध की की बैठक में समिति के लोगों ने मंदिर के अंदर गर्भ गृह में बैरिकेटिंग और मंदिर के बाहर की बैरिकेटिंग,मंदिर के सामने लगने वाली दुकानों को वहां से हटाकर कही और लगाने,जबकि मेले के अंदर लगने वाली दुकानों की गलियों को और चौड़ा करनी की बात कही गई,जिस पर उपस्थित अधिकारियों ने सहमति जताई और मौके पर जाकर मंदिर का निरीक्षण कर संबंधित को दिशा निर्देश दिए।इस दौरान एसडीएम डेरापुर भूमिका यादव, सी ओ प्रिया सिंह, बीडीओ आशुतोष शुक्ला,थाना प्रभारी जर्नादन सिंह, यातायात निरीक्षक,राजपाल सिंह,दरोगा शोभित कटियार,समिति के गौरव,अनुज सविता,गुड्डू दुबे,विवेक तिवारी, शत्रुघ्न सेंगर,आदि लोग रहे।

आग लगने से लाखों का नुकसान, शादी के लिए रखा पैसा भी जलकर हुआ खाक

संवाददाता

फ्तेहपुर। बकेवर थाना क्षेत्र के रसूलपुर बकेवर निवासी जवाहरलाल कश्यप के घर में रात में अचानक आग लगने से लाखों की संपत्ति जलकर खाक हो गई। हादसे में घरेलू सामान, नकदी और शादी की तैयारियों के लिए रखा पैसा भी जलकर राख हो गया। वही आग के कारणों का पता नही चल सका है। मिली जानकारी के अनुसार चार लाख की संपत्ति जलकर राख हुई, पीड़ित जवाहरलाल कश्यप पुत्र स्व. महाबोनी ने बताया कि रात में अज्ञात कारणों से घर में आग लग गई, जिससे घर पर गद्दे, रजाई, पर्दे, लाइट, साउंड मशीन सहित करीब 2 लाख का घरेलू सामान जल गया। फ्रिज, कूलर, कपड़े, 2 मोबाइल फोन, सिलाई मशीन समेत लगभग 2 लाख की अन्य संपत्ति भी खाक हो गई। वही बेटी पूजा की शादी के लिए रखे 2.5० लाख रुपये, पांच हजार पूजा के पास और 15 हजार पुत्री रेनू के पास रखे थे, जो आग में जलकर नष्ट हो गये। पीड़ित परिवार का पूरा राशन भी जल गया, जिसके चलते अब खाना भी पड़ोसियों के घर से आ रहा है। वही प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। स्थानीय प्रशासन को सूचना दे दी गई है और पीड़ित परिवार ने सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की है। खुशियाँ मातम में बदली पीड़ित की बेटी की शादी की खुशियां मातम में बदल गयी है, क्योंकि परिवार की बड़ी बेटी पूजा की शादी 11 मई को तय थी, जिसके लिए घर में शादी का सामान और नकदी रखी थी, लेकिन आग ने सबकुछ स्वाहा कर दिया।

बजरंग दल की सूचना पर एक वर्ष से बंद श्रीराम जानकी मंदिर की एसडीएम ने कराई जांच

संवाददाता

बिंदकी/फ्तेहपुर। पिछले लगभग एक वर्ष से श्रीराम जानकी मंदिर में ताला बंद है मामले की सूचना बजरंग दल के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी को दिया। उपजिलाधिकारी के आदेश के बाद नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों से मंदिर के बारे में पूछताछ किया। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट एसडीएम को सौंपी जाएगी। जानकारी के अनुसार ललौली रोड बटन धर्मशाला स्थित श्रीराम जानकी मंदिर का ताला पिछले एक वर्ष से बंद पड़ा है। इस मामले की शिकायत बजरंग दल के नगर संयोजक विमलेश वाजपेई ने उप जिलाधिकारी से किया। जिस पर उपजिलाधिकारी ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी चंद्र कृष्णा पांडे को जांच के लिए आदेशित किया। अधिशासी अधिकारी बुधवार को दिन में लगभग 1:०० बजे श्री राम जानकी मंदिर पहुंचे देखा कि बाहर से ताला बंद है। अधिशासी अधिकारी ने लोगों से पूछताछ किया तो पता चला कि पिछले एक वर्ष से ताला बंद है कोई पूजा पाठ नहीं होता है। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच रिपोर्ट उपजिलाधिकारी को सौंपी जाएगी। इस मौके पर नगर पालिका परिषद के राजस्व निरीक्षक रविंद्र कुमार सोनकर ,प्रधान लिपिक मनोज कुमार शुक्ला, मोनू सविता, बजरंग दल के पूर्व जिला विद्यार्थी प्रमुख हर्षित द्विवेदी सजल शर्मा कुलदीप आदि मौजूद रहे।

माइनर में डूबने से वृद्ध की मौत, फिसल गया पैर

संवाददाता

फ्तेहपुर। शौच के लिए गए वृद्ध का पैर फिसलने से नहर में गिर गया। घंटों तक माइनर में पड़े रहने से उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने पानी में शव उतराता देख परिजनों को सूचना दी। असोथर थाना क्षेत्र के नगर पंचायत के वार्ड नंबर 1 टिकुरीपर मोहल्ला निवासी मोछई वाल्मीकि उम्र 75 वर्ष करीब पुत्र गिल्लू उर्फ दुखी दोपहर करीब 2 बजे शौच के लिए घर से निकले थे। वृद्ध शराब का लती बताया जा रहा है। करीब 3 बजे ग्रामीणों ने गांव के बाहर जरौली माइनर नहर में उनका शव उतराता देख परिजनों को सूचना दी। ग्रामीणों ने बताया कि पैर फिसलने से नहर में डूब गए और मौत हो गई। वृद्ध खेती/मजदूरी कर अपना और परिवार का भरण पोषण करते थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मौर्य ने कहा कि वृद्ध शराब का लती बताया जा रहा है। आज भी शराब के नशे में था। प्रथम दृष्टया शौच के दौरान पानी में गिरने के बाद उठ न पाने से मौत हुई है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बहन का लहंगा लेने गया भाई की रास्ते में एक्सीडेंट से हुई मौत

संवाददाता

फ्तेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के अमनी निवासी पंकज पाल जो अपनी बहन के लिए खागा लहंगा लेने आया था। जिसकी लौटते समय खागा ओवरब्रिज में एक्सीडेंट के दौरान मृत्यु हो गई। किशनपुर थाना क्षेत्र के अमनी निवासी पंकज पाल उम्र 24 वर्ष जो अपनी बहन के लिए खागा लहंगा लेने आया था। जिसकी लौटते समय खागा ओवरब्रिज में एक्सीडेंट के दौरान मृत्यु हो गई आपको बता दें कि पकज पाल अपने घर में सबसे बड़ा था जो कि अपनी बहन के लिए खागा लहंगा लेने गया था। जो कि पकज पाल लहंगा लेकर लौट रहा था कि तभी खागा ओवरब्रिज में ओवरलोड बालू लदे एक ट्रैक्टर से एक्सीडेंट हो गया है जो कि पकज पाल कि मौके पर ही मौत हो गई आपको बता दें कि पंकज पाल के ऊपर ही बहन के शादी की पूरी जिम्मेदारी थी पंकज पाल के बहन की कल बारात आनी थी पूरे परिवार में खुशी का माहौल था अचानक ही खुशी का माहौल मातम में बदल गया पकज पाल के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

देहाती लड़के से परिजनों ने तय कर दी शादी...फ्तेहपुर में वापस लौटी बारात: बारातियों ने भाग कर बचाई जान, दुल्हन बोली

संवाददाता

फ्तेहपुर। जनपद में बिना दुल्हन लिए ही बारात वापस घर लौट गई। इस दौरान बरातियों ने भाग कर अपनी जान बचाई। सुबह मामले की शिकायत पुलिस से की गई। शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया। जिसके बाद दोनों पक्षों ने अपनी अपनी बात सुनाई। असोथर थानाक्षेत्र के बेरूई गांव निवासी वीरेंद्र लोधी ने अपने लड़के धर्मवीर की शादी थरियांव थाना क्षेत्र के दनियालपुर गांव निवासी रामसजीवन लोधी की पुत्री सरिता देवी की के साथ तय की थी। शादी तय होने के बाद दोनों पक्षों ने शादी की शुभ मुहूर्त भी निकलवा ली। शादी से पूर्व के कार्यक्रम भी पूरी तरह से संपन्न हो चुके थे। दोनों पक्षों की तरफ से अपने-अपने रिश्तेदारों को निमंत्रण भी भेजा गया था। बीती रात 18 फरवरी को बेरूई गांव से दनियालपुर गांव बारात आनी थी। बारात जाने के लिए कई गाड़ियों का इंतजाम किया गया। जिसमें रिश्तेदारों समेत सैकड़ो बाराती बारात लेकर पहुंचे थे। बारातियों के खाने पीने के लिए व्यवस्था भी अच्छी कराई गई थी। इस दौरान डीजे की धुन पर बाराती जमकर थिरक रहे थे। कुछ देर बाद शादी से पूर्व चढ़ाव का कार्यक्रम शुरू हुआ। लड़के पक्ष

की तरफ से दुल्हन के लिए चढ़ाव में जेवरात भी दे दिए गए। थोड़ी देर बाद दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया और दूल्हे के साथ जाने से मना कर दिया। इसी दौरान हंगामा शुरू हो गया हंगामा के बीच नौबत मारपीट तक पहुंच गई। किसी तरह बारातियों ने भाग कर अपनी जान बचाई। कुछ देर बाद बारात बिना दुल्हन लिए ही घर वापस लौट आई। सुबह दूल्हे की तरफ से स्थानीय थाने में मामले की शिकायत की गई। शिकायत करते हुए दूल्हे की परिजनों ने आरोप लगाया की शादी से पूर्व चढ़ाव चढ़ाने की रस्म अदा करने के बाद दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया और जेवरात भी रखवा लिए। जब जेवरात वापस मांगे गए तो खरी खोटी सुनाते हुए मारपीट पर अमादा हो गए। इसके बाद हम लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। सुबह दूल्हा बारात लेकर दुल्हन को लेने पहुंचा जहां दुल्हन ने शादी से इंकार कर दूल्हे के जाने साथ से मना कर दिया। बताते हैं कि लड़की दिल्ली में रहती हैं, वह शहर के लड़के से शादी करना चाहती थी। परिजनों ने देहाती लड़के से शादी तय कर दी थी। जिसके चलते लड़की ने शादी करने से इनकार कर दिया। वही मामले पर थाना प्रभारी अरविंद कुमार राय ने बताया कि दोनों पक्षों ने आपस में सुलह समझोता कर लिया हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आयोजित खेल कुंभ के अंतर्गत विजेता टीम कैप्टन को प्रमाण पत्र प्रदान करते अतिथिगण

संवाददाता

बांदा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद तिंदवारी नगर इकाई जिला बांदा द्वारा सत्यनारायण इंटर कॉलेज तिंदवारी में खेल कुम्भ कानपुर प्रांत के अंतर्गत एक दिवसीय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि आनंद स्वरूप द्विवेदी, विशिष्ट अतिथि एस आई रोशनी सेंगर , अनूप तिवारी तथा आशीष सिंह सहित कार्यक्रम में प्रवासी के रूप में (विद्यार्थी परिषद के प्रदेश सह मंत्री) दिव्यांशु मिश्रा ने तिंदवारी और जसईपुर के बीच खेले गए बालीबाल फाइनल मैच के दौरान खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विद्यार्थी परिषद के पूर्व सदस्य आनंद स्वरूप द्विवेदी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से ही छात्र हित से जुड़े मुद्दों के साथ संघर्षरत रहते हुए समाज में अपनी भूमिका सुनिश्चित करता आ रहा है। लगातार विभिन्न आंदोल, गतिविधियों, कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक कार्यों में सहभागिता करता है। खेलो भारत के माध्यम से देश भर में नगर खेल कुंभ का आयोजन कर विद्यार्थियों की प्रतिभा निखरने का कार्य विद्यार्थी परिषद खेलो भारत के माध्यम से कर रहा है।जिला संयोजक गोविंद तिवारी, प्रांत सह सोशल मीडिया सयोजक शिवम द्विवेदी,तहसील सयोजक सुभाष त्रिपाठी ,नगर मंत्री अथर्व गुप्ता,प्रमोद कुशवाहा, आर्यन द्विवेदी,स्वास्तिक तिवारी, दीपांशु सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। दिव्यांशु मिश्रा ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए काम करता है जो समय-समय पर छात्रों के प्रतिभाओं के आधार पर कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है। गोविंद तिवारी जी ने बताया तिंदवारी व जसईपुर के बीच वॉलीबॉल मैच खेला गया जिसमें जसईपुर टीम ने विजय प्राप्त किया सभी प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सुभाष त्रिपाठी जी ने अपने उद्बोधन के साथ सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया।

लेन-देन के मामले में छीनी बाइक,लूट की सूचना देकर पुलिस को छकाया

संवाददाता

रूरा। क्षेत्र के मुरलीपुर गांव के पास एक युवक ने डायल 112 पर अपनी बाइक छीन लेने की सूचना दी,सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की तो मामला लेन देने का निकला,पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। कस्बे के रहने वाला शुभम यादव एक फाइनेंस कंपनी से किश्त वसूली का कार्य करता है।बुधवार की सुबह करीब 1० बजे वो अपने साथी पुनीत और रानू के साथ मुरलीपुर गांव से किश्त वसूली पर गए थे।उसी दौरान उन्होंने डायल 112 को अपनी बाइक अज्ञात चार लोगों द्वारा छीन लेने की सूचना पुलिस को दी,सूचना पर पहुंची डायल 112 और थाना प्रभारी जर्नादन सिंह दरोगा शोभित कटियार ने घटना स्थल पर पहुंच कर छानबीन की तो मामला लेन देन का निकला,जानकारी होने पर पुलिस ने कहीझरी जाकर बाइक बरामद की और चार लोगों को हिरासत में ले लिया।थाना प्रभारी जर्नादन सिंह ने बताया सूचना देने वाले तीन लोगों और बाइक ले जाने वाले चार को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो मामला लेन देन का निकला है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे पीड़ित ने पुलिस शिकायत पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई

● शिक्षक ने मासूम बच्ची के साथ की बर्बरता, बच्ची को आई गंभीर चोटें

संवाददाता

बांदा। आपको बता दें कि पूरा मामला पुलिस अधीक्षक कार्यालय बांदा से सामने आया है जहां पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायतपत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है, पीड़ित ने बताया कि मेरी पुत्री स्वस्टि उम्र लगभग 1० वर्ष जो कि कक्षा 4 में प्राथमिक विद्यालय अरबई जिला बाँदा में पढ़ाई करती है पीडित की बच्ची को दि० मंगलवार को 18-०2-2०25 को विद्यालय में मेरी बच्ची को प्राधानाध्यापक अनूप सिंह जो कि बाँदा मे निवासरत है ,मेरी बच्ची को थप्पड एवं डंडे से मारा पीटा बच्ची रोते हुये घर आई और पूरी घटना की सारी जानकारी दी। पीड़ित सुलखान एक मजदूर है मजदूरी करके अपने परिवार का भरण- पोषण करता है ,जो मजदूरी करके वापस जब शाम को घर आया तो बच्ची और उसकी माँ ने सारी बात बताई हालत खराब होने पर दवा करवाई। पीड़ित ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस कृत्य से मेरी बच्ची पूरी तरह से डरी सहमी हुई हैं। इसके पूर्व भी कई बार बिना कारण बच्ची से मारपीट प्रधानाध्यापक ने किया है, परन्तु इस बार मानवीयता को तार-तार की। बच्ची के साथ उक्त कृत्य करने एवं शारीरिक मानसिक रूप प्रताड़ित करने तथा मारपीट कर दी गई है हमारी मांग है कि उक्त प्रकरण को संज्ञान में लेकर ऐसे अध्यापक के ऊपर सख्त कानूनी कार्यवाही करें।

दुल्हन ने दूल्हे संग जाने से किया इनकार

❑सारी रस्में पूरी होने के बाद किया हंगामा,जेवर वापस मांगने पर मारपीट

संवाददाता

फ्तेहपुर/थरियांव। दुल्हन ने सभी रस्में पूरी होने के बाद दूल्हे संग जाने से मना कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट की नौबत आ गई। बाराती किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचा पाए। अगली सुबह दूल्हे के परिवार ने स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई। दिए गए जेवरात भी वापस नहीं किए। पुलिस की मध्यस्थता के बाद दोनों पक्षों ने अलग-अलग रहने पर सहमति जता दी। दोनों की पहले सामूहिक विवाद में शादी हो चुकी है। सामाजिकता के नाते गांव में भी शादी की रस्म निभाई जा रही थी। बताया जा रहा है लड़की किसी और युवक को पसंद करती थी। इस कारण उसने हंगामा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि दुल्हन पक्ष ने चढ़ावे में 18 फरवरी की रात को बारातियों के साथ आया दूल्हा असोथर थाना क्षेत्र के बेरूई गांव निवासी वीरेंद्र लोधी के बेटे धर्मवीर की शादी थरियांव थाना क्षेत्र की एक युवती से तय हुई थी। दोनों परिवारों ने शादी की तैयारियां पूरी कर ली थीं और शुभ मुहूर्त भी निकलवा लिया था। 18 फरवरी की रात को सैकड़ों बारातियों के साथ दूल्हा दुल्हन के घर पहुंचा। डीजे की धुन पर बाराती खूब नाचे,बारातियों के स्वागत और खान-पान की उचित व्यवस्था की गई थी। डीजे की धुन पर बाराती खूब नाचे। शादी से पहले चढ़ावे की रस्म में दूल्हे की ओर से दुल्हन को जेवरात दिए गए। लेकिन इसके बाद दुल्हन ने अचानक शादी से मना कर दिया और दूल्हे के साथ जाने से इनकार कर दिया। और जब जेवरात वापस मांगे गए तो खरी खोटी सुनाते हुए मारपीट पर आमादा हो गए। इसके बाद हम लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। सुबह दोनों पक्षों को पुलिस ने थाने बुलाया इसके बाद दोनों के बीच सुलह समझौता हुआ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत हो चुकी थी शादी,दूल्हे के पिता वीरेंद्र लोधी ने थाना पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाते हुए बताया कि बीते 23 जनवरी 2०25 को जनपद के हसवा विकासखंड में आयोजित हुए सामूहिक विवाह योजना में दोनों ने शादी कर ली थी। इस दौरान दुल्हन दूल्हे के साथ अपने ससुराल न आकर अपने परिजनों के साथ मायके चली गई थी। लड़की पक्ष ने बारात लेकर घर आने के बाद दुल्हन को विदा करने की बात कही थी। इस पर बारात लेकर जब पहुंचे तो चढ़ावा पर जेवरात मिलने के बाद लड़की पक्ष ने शादी से इनकार दिया। बताते हैं कि लड़की दिल्ली में रहती हैं, वह शहर के लड़के से शादी करना चाहती थी। परिजनों ने देहाती लड़के से शादी तय कर दी थी। जिसके चलते लड़की ने शादी करने से इनकार कर दिया। वही मामले पर थाना प्रभारी अरविंद कुमार राय ने बताया कि दोनों पक्षों ने आपस में सुलह समझोता कर लिया हैं।

हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम का आयोजन, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

रायबरेली। डीह के ब्लॉक संसाधन केंद्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत #हमारा आंगन हमारे बच्चेश् उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनसमुदाय को निपुण लक्ष्यों और मूलभूत साक्षरता के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में प्रत्येक न्याय पंचायत से बालवाटिका आंगनबाड़ी के पांच-पांच बच्चों ने भाग लिया। साथ ही कक्षा 1 और 2 से दो-दो बच्चों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि प्रधान संघ अध्यक्ष फूलचंद्र अग्रहरि और खंड शिक्षा अधिकारी तरुण कुमार ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों को पुरस्कृत किया। प्रधान संघ अध्यक्ष फूलचंद्र अग्रहरि ने परिषदीय विद्यालयों की सराहना करते हुए कहा कि यहां के योग्य और कर्मठ शिक्षकों की बदौलत कई बच्चे डॉक्टर और इंजीनियर बन रहे हैं। खंड शिक्षा अधिकारी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक नागेंद्र बहादुर सिंह ने किया। अमित सिंह चौहान ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी की सुपरवाइजर सुनीता देवी, कमलेश ओझा, नीलेश शुक्ला, नागेंद्र सिंह, अमित चौहान,रंजीत कुमार, विशेष शिक्षक बृजेश यादव, सुशील सिंह, सत्यानंद मिश्रा, अतुल मिश्रा, अमित गोपाल गौड़ हरिकेश मिश्रा, नूपुर त्रिपाठी, प्रदीप सिंह, सुनीता त्रिपाठी, तपस्या पुरवार भूपेश सिंह सुनील मौर्या आदि शिक्षक, अभिभावक व आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रहीं

एम्स के इन्फास्ट्रक्चर डिवलप करने से लोगों को मिलेगा फायदा-किशोरी लाल

रायबरेली। जनपद में राहुल गांधी के आगामी दौरे को लेकर अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं में राहुल गांधी के दौरे को लेकर उत्साह है। सांसद शर्मा ने बताया कि वह स्वयं कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर रहे हैं। साथ ही कार्यकर्ताओं से मिलकर कार्यक्रमों की जानकारी साझा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना को लेकर उन्होंने कहा कि 2014 में इस योजना के तहत हर सांसद को अपने क्षेत्र में एक गांव गोद लेना था। इसी क्रम में सोनिया गांधी ने राणा बेनी माधव की जन्मस्थली माने जाने वाले उड़वा गांव को गोद लिया था। किशोरी लाल शर्मा ने स्पष्ट किया कि इस योजना के लिए कोई विशेष बजट आवंटित नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इसी कारण यह योजना पूरे देश में असफल रही। उड़वा में भी रायबरेली सांसद द्वारा सामान्य सांसद निधि से ही विकास कार्य कराए गए। एम्स में मिल रही खामियों को लेकर रायबरेली सांसद राहुल गांधी ने जेपी नड्डा जी को पत्र लिखकर अवगत कराया। वहीं यह मांग की थी कि एम्स में खाली वैकेंसी को भरा जाए। वहीं पर बेड की कमी को पूरा करते हुए और भी इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलप किया जाए। जिससे एम्स का सही फायदा लोगों को मिल सके। रायबरेली की सबसे बड़ी टेलीकॉम फैक्ट्री आईटीआई लिमिटेड पूरी तरीके से ध्वस्त हो चुकी है। कांग्रेस केंद्र में कांग्रेस की सरकार होने के बाद तकरीबन 9000 करोड़ का फंड रायबरेली आईटीआई फैक्ट्री को दिया गया था। लेकिन केंद्र में भाजपा की सरकार में पूरी तरीके से आईटीआई फैक्ट्री बंद हो चुकी है। ऐसी स्थितियों में राहुल गांधी जी ने संसद भवन के अंदर इस मुद्दे को रखा था। केंद्र सरकार को सोचना चाहिए कि कितनी बड़ी टेलीकॉम फैक्ट्री जो आज की डेट में बंद पड़ी है। इसमें फंड के साथ कर्मचारियों की नियुक्ति करना चाहिए। जिससे लोगों को रोजगार मिल सके। रायबरेली रेल कोच फैक्ट्री कारखाने की बात करें, तो रायबरेली में कांग्रेस ने जिस हकीकत को देखते हुए रेल कोच फैक्ट्री का निर्माण कराया था। उससे यह साफ था कि आसपास के लोगों को रायबरेली के जनता को उसमें नौकरी मिल सके। लेकिन ऐसी स्थिति में यह संभव नहीं हो पा रहा है। इसके लिए राहुल गांधी खुद ही रायबरेली रेल कोच फैक्ट्री का निरीक्षण करते हुए, वहां के अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात करेंगे। वहां की समस्याओं को लेकर संसद भवन में इसकी मांग रखेंगे। जिससे यहां की जनता और लोगों को इसका फायदा मिल सके।

पंचायत सदस्य के भाइयों पर फायरिंग,हालत गंभीर, पुरानी रंजिश का मामला

प्रतापगढ़। जिले के रानीगंज के मठिया गांव में पुरानी रंजिश के चलते दो सगे भाइयों पर फायरिंग की गई। घटना में जाहिद अली और उनके भाई इरशाद गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी के अनुसार, जाहिद अली के बड़े भाई पप्पू भट्ठा मालिक क्षेत्र पंचायत सदस्य हैं। कुछ दिन पहले आरोपियों ने पप्पू के साथ मारपीट की थी, जिसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई थी। इसी रंजिश के चलते आज आधा दर्जन हथियारबंद लोगों ने जाहिद पर हमला कर दिया। जब छोटे भाई इरशाद बचाने आए, तो उन पर भी गोली चला दी गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों ने पुलिस को बताया। पुलिस ने घायलों को तत्काल रानीगंज ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। वहां से दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। क्षेत्राधिकारी प्रभाकर साहनी खुद मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच में जुट गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह विवाद पिछले कुछ दिनों से चल रहा था। पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

फर्जी तरीके से पुलिस की वर्दी पहन कर सोशल मीडिया पर रील बनाने वाली युवती गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सोशल मीडिया पर अपने फॉलोवर्स बढ़ाने के लिए फर्जी तरीके से पुलिस की वर्दी पहन कर रील बनाने वाली एक युवती को सरोजनी नगर पुलिस ने धर दबोचा। गस्त कर रहे दरोगा ने उसे मौके से पकड़ कर पूछताछ करने के बाद उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई और जेल भेज दिया है। लखनऊ के सरोजनी नगर थाने में तैनात दरोगा अंकित कुमार बालियान के मुताबिक वह बीती 13 फरवरी की शाम करीब 6:45 बजे अपने हमराही सिपाहियों के साथ एयरपोर्ट क्षेत्र में गस्त कर रहे थे। तभी लखनऊ एयरपोर्ट स्थित लक्ष्मण चौक से कुछ दूर एक युवती पुलिस की वर्दी पहने पीठ पर एक पिट्ठू बैग लिए खड़ी हुई नजर आई, जो संदिग्ध लगी। इस पर रुक कर उससे पोस्टिंग का थाना पूछा गया, तो वह कुछ नहीं बता सकी। बल्कि चुप रही और सकपका गई। जब पुलिस ने दोबारा उससे पूछताछ की तब उसने बताया कि वह केवल सोशल मीडिया पर रील बनाने के लिए शौक में पुलिस की वर्दी पहन रखी है। इस पर दरोगा अंकित बालियान के साथ मौजूद महिला सिपाहियों ने उसकी तलाशी लेते हुए पूछताछ की तो युवती ने अपना नाम अंबेडकर नगर जिले के राजे सुल्तानपुर थाना अंतर्गत बनकटा बुजुर्ग गांव निवासी नीतू चौहान बताया। पुलिस ने उसके पास से उत्तर प्रदेश पुलिस लिखा शोल्डर बैज, खाकी जैकेट, खाकी पैंट, खाकी मोजे, काले रंग के जूते के अलावा दो स्टार, डोरी लगी शीटी और कवर में एक पासपोर्ट साइज उप्रपु. की वर्दी में फोटो लगा पाया। बैग की तलाशी ली तो उसमें लाल रंग की उप्रपु की चमड़े की बेल्ट, खाकी रंग का पिस्टल होलेस्टर, पीली धातु के ताज लगी उप्रपु लिखी बेरट कैप मिली। एक जोड़ी गर्मी की वर्दी भी थी, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस का मोनोग्राम लगा था। साथ ही नेम प्लेट व अन्य वस्तुएं बरामद हुई। पूछताछ में उसने बताया कि वह पुलिस में नहीं बल्कि शौक के लिए पुलिस की वर्दी पहनी है। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। बाद में दरोगा अंकित बालियान ने उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा कर उसे जेल भेज दिया।

पाकिस्तान अपने अस्तित्व के संकट से जूझेगा: प्रोफेसर रिपुसूदन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में भारत-पाक द्विपक्षीय संबंधों पर अटल जी की नीतियों के प्रभाव विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अटल जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। व्याख्यान में मुख्य वक्ता बीबीएयू में राजनीति शास्त्र विभाग के प्रोफेसर रिपुसूदन सिंह ने पाकिस्तान के अस्तित्व, उद्भव और भारत के वर्तमान विदेश नीति पर अटल जी के नीतियों और उनके प्रयासों का क्या प्रभाव पड़ा, इसका विश्लेषण किया। उन्होंने पाकिस्तान को एक काल्पनिक राज्य बताते हुए कहा कि आने वाले समय में पाकिस्तान अपने अस्तित्व के संकट से जूझेगा और वह आंतरिक संघर्ष वह आंतरिक सशस्त्र विद्रोह से भी ग्रसित होगा। व्याख्यान में डॉ वैशाली सक्सेना, डॉ नंदिता कौशल, डॉ सुशील चौहान, शोधार्थी और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर उत्कर्ष मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का संयोजन प्रोफेसर नंदलाल भारती ने किया।

प्रोफेसर गीतांजलि को मिली रॉयल एंटोमोलॉजिकल सोसाइटी की फेलोशिप

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के एंटोमोलॉजी प्राणी विज्ञान विभाग की प्रो. गीतांजलि मिश्रा को रॉयल एंटोमोलॉजिकल सोसाइटी की फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। यह न केवल विश्वविद्यालय के लिए बल्कि भारतीय कीट विज्ञान (एंटोमोलॉजी) के लिए भी एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रोफेसर गीतांजलि इस विशिष्ट सम्मान को प्राप्त करने वाली लखनऊ विश्वविद्यालय की पहली संकाय सदस्य बन गई हैं। रॉयल एंटोमोलॉजिकल सोसाइटी की स्थापना 1833 में हुई थी। यह कीट विज्ञान के उन्नयन के लिए समर्पित विश्व की सबसे प्रतिष्ठित संस्थाओं में से एक है। यह प्रतिष्ठित फेलोशिप उन व्यक्तियों को प्रदान की जाती है जिन्होंने कीट विज्ञान में असाधारण योगदान दिया है। प्रो. मिश्रा के लेडीबर्ड बीटल पर किए गए विकासवादी अध्ययन ने उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय मान्यता का पात्र बनाया है। उनका शोध मुख्य रूप से लेडीबर्ड बीटल के विकासवादी जीव विज्ञान पर केंद्रित है। विशेष रूप से जैविक कीट नियंत्रण में उनके उपयोग को लेकर। उन्होंने कृषि फसलों को एफिड संक्रमण से बचाने के लिए लेडीबर्ड बीटल के उपयोग को बढ़ावा दिया। जिससे उन्होंने रासायनिक कीटनाशकों के पर्यावरणीय रूप से अनुकूल और स्थायी विकल्प को विकसित किया। उनका कार्य एकीकृत कीट प्रबंधन रणनीतियों पर दूरगामी प्रभाव डाल रहा है, जिससे कृषि और पर्यावरण संरक्षण दोनों को लाभ हुआ है।

दुष्कर्म के मामले में दो लोगों को 7-7 वर्ष की कारावास

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। बारह वर्ष पुराने एक दुष्कर्म के मामले की सुनवाई करते हुए एडीजे-16 कोर्ट ने जुर्म साबित होने पर दो लोगों को सात-सात वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई है, साथ ही 40 हजार रूपये का जुर्माना भी लगाया है। वर्ष 2013 को एक युवती ने मल्लावां थानें पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा कि थाना क्षेत्र के रहने वाले सर्वेश व चन्दन लाल ने उसके साथ गाली-गलौज, मारपीट व गलत कार्य किया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। विवेचना कार्रवाई के दौरान धारा 376/511 की बढ़ोत्तरी की गई। विवेचना के बाद आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। मामले में पुलिस, मॉनिटरिंग सेल द्वारा न्यायालय में सशक्त प्रभावी पैरवी की गई एवं अभियोग की कार्रवाई संपन्न कराई गई। जिसके बाद बुधवार को एडीजे-16 कोर्ट ने मामले की सुनवाई पूरी कर सर्वेश व चन्दन लाल उर्फ चन्दन पर जुर्म साबित पाया। जिसके बाद दोनों अभियुक्तों को सात-सात वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई, तथा साथ ही 40 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

पत्रकार साथी निष्पक्ष रूप से करें अपनी खबरों का प्रकाशन - राष्ट्रीय अध्यक्ष

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

पाली/हरदोई। सत्यदेव शुक्ला द्वारा आयोजित पत्रकार एकता एशोसिएशन की बैठक संपन्न हुई जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्य पाल सिंह व मंडल उपाध्यक्ष मुईन खांन ने कार्यक्रम में संगठन विस्तार पर विशेष चर्चा की, इसी क्रम में उपस्थित पत्रकार बंधुओ ने अपने-अपने विचार रखें कई पत्रकारों ने कहा कि खबर चलाने को लेकर फर्जी मुकदमा पत्रकारों पर लिखे जाते हैं और पत्रकारों का उत्पीड़न किया जाता है जिस पर संगठन के मुख्य अतिथि सत्यपाल सिंह ने पदाधिकारीयों को अस्वस्थ किया कि हर संगठन के पदाधिकारी निष्पक्ष रूप से अपनी खबरों का प्रकाशन करें सबूत के साथ अगर कोई भी अधिकारी कर्मचारी अनैतिक रूप से पत्रकारों के साथ अवैध व्यवहार और फर्जी मुकदमा लिखने का काम करता है तो हमारा संगठन अपने हर पत्रकार साथी के साथ मजबूती के साथ खड़ा रहेगा, किसी भी पत्रकार साथी के साथ उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी क्रम में मंडल उपाध्यक्ष मुईन खान ने जनपद में संगठन विस्तार पर चर्चा की। जिला संगठन मंत्री कपिल मिश्रा ने आए हुए सभी पत्रकारों व संगठन पदाधिकारीयों से अनुरोध किया कि सभी पत्रकार साथी संगठन पर पूरा ध्यान दें और संगठन को मजबूती दे, संगठन सबके साथ मजबूती के साथ खड़ा रहेगा। इसी दौरान दर्जनों की संख्या में मंडल उपाध्यक्ष सत्यदेव शुक्ला के नेतृत्व में ग्रहण की सदस्यता। वहीं इस मौके पर जिला महासचिव आमिर खान, जिला उपाध्यक्ष पवन वाजपेई हरिवंश अवस्थी तेजवीर अग्निहोत्री दीपक तिवारी चंदन बाबू शिवेंद्र शुक्ला आदि अंकित कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में पत्रकार व संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

आशियाना में शहनाई मैरिज लॉन को एलडीए ने किया सील

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ लगातार चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने कानपुर रोड योजना में अवैध शहनाई लॉन मैरिज लॉन सील किया। प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि प्रीति तिवारी व अन्य द्वारा आशियाना में कानपुर रोड योजना के सेक्टर-के में भूखण्ड संख्या-1559 व 1560 पर लगभग 850 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध रूप से निर्माण कार्य कराकर शहनाई मैरिज लॉन संचालित किया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये गये उक्त निर्माण कार्य के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में सहायक अभियंता राम सागर वर्मा के नेतृत्व में अवर अभियंता भरत पाण्डेय व विवेक कुमार पटेल द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से मैरिज लॉन को सील कर दिया गया।

नाजिर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज,1.15 करोड़ की चोरी का मामला

सुलतानपुर। जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे की जमीन खरीदने के लिए रखे एक करोड़ 15 लाख रुपये की चोरी के मामले में नया मोड़ आया है। एडीजे संतोष कुमार ने आरोपी नाजिर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। मामला 15 अक्टूबर 2016 का है। तत्कालीन नाजिर शिलाजीत दूबे ने पूर्वांचल एक्सप्रेस वे की जमीन खरीद के लिए बैंक से 50-50 लाख रुपये के दो चेक से एक करोड़ रुपये निकाले थे। इस रकम को उप कोषागार में पहले से रखे 15 लाख रुपयों के साथ रखा गया था। सहायक शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश के अनुसार, धनराशि को पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में डबल लॉक से सुरक्षित किया गया था। एक चाबी नायब तहसीलदार को और दूसरी कैशियर को सौंपी गई थी। अगली सुबह साढ़े छह बजे जब नाजिर पहुंचे, तो पूरी रकम गायब थी। पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला। मामले की जांच पहले क्राइम ब्रांच को और फिर विशेष अनुसंधान शाखा वाराणसी को सौंपी गई। जांच में वर्दीधारी कर्मचारियों को क्लीन चिट दे दी गई। हालांकि, क्षमता से अधिक धन रखने के आरोप में नाजिर को आरोपी बना दिया गया। आज तक न तो चोरी गई रकम बरामद हुई है और न ही इस मामले में कोई अहम सुराग मिला है। नाजिर ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया है।

आक्रोशित किसानों ने खंड विकास अधिकारी को सौपा ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

टोंडरपुर हरदोई। भारतीय किसान यूनियन श्रमिक जनशक्ति के प्रदेश अध्यक्ष खालिद खां के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं सहित क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए खंड विकास अधिकारी टोंडरपुर को चार सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें ग्राम पंचायत शिरोमणि नगर में कई पात्र लाभार्थियों को शौचालय नहीं दिये गया है, कई बार आवेदन किए जाने के बाद भी निरस्त कर दिए जाते हैं जल्द ही सक्षम अधिकारी से जांच कराकर लाभार्थियों का हक दिलाया जाए, वा नालियों की साफ सफाई ना होने से मच्छर पनप रहे हैं जिससे बीमारियों का खतरा बना हुआ है, वहीँ विकासखंड टोंडरपुर की ग्राम पंचायत उमरौली में नवनिर्माण की गई नाली जो अवधेश मिश्रा के मकान से साजू मिश्रा के मकान तक ध्वस्त हो चुकी है, जिसकी जांच कराकर आवश्यक कार्रवाही व पुन: नाली निर्माण कराया जाए, अगर जल्द ही 15 दिनों में निस्तारण न होने पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जायेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी ,खंड विकास अधिकारी टोंडरपुर ने बताया किसानों की चार सूत्री मांगी थी, जिनका जल्द ही जांच कराकर निस्तारण कराया जायेगा

धूमधाम से निकाली गई शिवजी की कलश यात्रा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मैनपुरी

एलाऊ। विकासखंड जागीर क्षेत्र के कुसमरा मैनपुरी रोड स्थित मदर्स ग्लोबल एकेडमी गदाईपुर में बुधवार को नवनिर्मित शिव मंदिर

पर प्रताप सिंह चौहान के द्वारा तीन दिवसीय श्री शिव परिवार मूर्ति स्थापना आयोजन का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम आचार्य पंडित श्री पवन उपाध्याय ने विधि विधान से गणेश पूजन करवाया। जिसके उपरांत कलश यात्रा गांव में धूमधाम से निकाली गई। कलश यात्रा एलाऊ तिराहे से काली माता मंदिर, हनुमान मंदिर, गमा देवी, विरिया वाले महादेव, कालसेन बाबा आदि गांव के सभी दैविक स्थलों से होकर मंदिर प्रांगण में आकर संपन्न हुई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या मे महिलाएं पीत वस्त्र पहन व सिर पर कलश धारण कर शामिल हुई। यात्रा के दौरान ढोल नगाड़ों पर महिलाए भजनों पर नृत्य करती नजर आई। ग्रामीणों के साथ छोटे-छोटे बच्चे भी भोलेनाथ के जयकारे लगाते दिखे। पवित्र जल स्रोत से कलश को भरकर लाने के बाद कलश धार्मिक विधि एवं मंत्र उच्चारण के साथ स्थापित किए गए। अंत में आचार्य के द्वारा नई मूर्तियों का जलाधिवास किया गया। इस मोके पर विजेंद्र सिंह चौहान, महेश सिंह, रघुवीर चौहान, हरेंद्र चौहान, पुष्पेंद्र चौहान, मोनू चौहान, अमरेंद्र सिंह, मस्तु चौहान, वीर सिंह चौहान, सर्वेश चौहान आदि सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद थे।

जश्न-ए-ज़ैनब का आयोजन 22 फरवरी को

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। ऑल इंडिया शिया हुसैनी फाउंडेशन की ओर से 22 फरवरी को इमाम हुसैन की बहन हज़रत ज़ैनब का जन्मदिन जश्न-ए-ज़ैनब के रूप में मनाया जाएगा। यह आयोजन रात्रि 8 बजे शिया कॉलेज, विक्टोरिया स्ट्रीट पर विशाल पैमाने पर किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उलेमा और शायर भाग लेंगे। जश्न की शुरुआत तिलावते कुरआन-ए-पाक से होगी। मौलाना हमीदुल हसन, मौलाना सैफ अब्बास, मौलाना मुस्तफा अली अली खाँ, मौलाना फरीदुल हसन, मौलाना यासूब अब्बास, मौलाना ज़हीर अब्बास, मौलाना मीसम जैदी, मौलाना मुतकी जैदी, और मौलाना अबु तालिब कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इस जश्न की अध्यक्षता मौलाना एजाज़ अतहर करेंगे, और यह कार्यक्रम रात्रि 2 बजे तक चलेगा।

अंग्रेजी भाषा का विरोध होना चाहिए, गांव में कौन सुनेगा ?: लोकदल

- सदन में सरकार का एक बड़े वर्ग के लोगो के साथ भावनाओं को हताहत करने वाला बयान लोकदल
- वर्षों से सदन में हिंदी भाषा का प्रयोग किया जाता है अंग्रेजी की कोई आवश्यकता नहीं लोकदल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। जिस पार्टी ने ही धर्म को आधार बना लिया है धर्म पर ही राजनीति करेगी उसके लिए ऐसी भाषा का प्रयोग करना कोई नई बात नहीं है विधान भवन में अवधि, बुंदेली, भोजपुरी भाषा को मानते है तो उर्दूभाषा को तिरस्कृत करने पर लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा है कि एक बहुत बड़ी आबादी उर्दू का अध्ययन कर रही है ,एक बहुत बड़ा वर्ग उर्दू पढ़ती है। वास्तव में अगर भाषाओं का विरोध होना चाहिए तो वह भाषा है अंग्रेजी भाषाउर्दू%% पर बवाल मचाने वाले नहीं जानते ही नहीं इसमें 75ब्र शब्द संस्कृत और प्राकृत से आए हैं यह हिंदुस्तान नहीं होता तो जुबान पर यह उर्दू नहीं होता।सदन में उर्दू का अपमान भारत का अपमान है। वास्तव में सदन में अंग्रेजी भाषा का विरोध होना चाहिए ना कि उर्दू भाषा का। उर्दू भाषा का इतिहास समृद्ध और विविधताओं से भरा हुआ है। इसकी उत्पत्ति और विकास भारतीय उपमहाद्वीप के ऐतिहासिक परिवर्तनों के साथ हुआ उर्दू ने भारतीय साहित्य को नई दिशा दी हैं। उर्दू आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है। जिसे दिलो से नही निकाला जा सकता है। अंग्रेजी भाषा को गांव में सुनने वाले लोग नहीं है। इसलिए सरकार को सदन में भाषाओं पर टिप्पणी करना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण को दिखाता है।

जिलाधिकारी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मैनपुरी

मैनपुरी। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने नव-दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना न सिर्फ गरीब परिवारों की बेटियों की भव्य समारोह में शादियां संपन्न कराने, उनके मां-बाप के कंधों से शादी का बोझ समाप्त कराने के ही उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर रही बल्कि एक ही पंडाल में वैदिक रीति-रिवाज, इस्लामिक परपंरा के अनुसार निकाह की रस्म अदा होने से भारतीय संस्कृति की गौरवमयी परंपरा, राष्ट्रीय एकता-अखंडता को मजबूत करने का भी कार्य कर रही है। उन्होने कहा कि वैवाहिक कार्यक्रम परिसर का नजारा गौरवान्वित कर रहा है, एक ओर गुलाबी पगड़ी में वर इतरा रहा है वहीं दूसरी ओर वधु अपने जोड़े में शरमा रही है, कहीं पुष्प वर्षा हो रही है, वर-वधु के परिजन उत्साह से लवरेज हैं, पंडित जी मंत्रोच्चार के साथ एवं मौलवी साहब कुरान की आयतों के साथ वैवाहिक रस्म की अदायगी कर रहे हैं, इस प्रकार के आयोजन वास्तव में प्रफुल्लित करने का कार्य करते हैं। उन्होने कहा कि कई विवाह समारोह में हम सबने प्रतिभाग किया है, लेकिन इस तरह का संयोग जहां 300 से अधिक वर-वधु शामिल हो रहे हों और इतना उल्लासमय वातवरण हो, यहां हर कोई प्रसन्न है, इतनी प्रसन्नता जिस कार्यक्रम में हो, वह कार्यक्रम कितना पावन होगा, इस कार्यक्रम के सूत्रधार मा. मुख्यमंत्री के विचार कितने पवित्र होंगे, हम अन्त्योदय की बात करते हैं, वह अन्त्योदय की संकल्पना को जमीन पर उतार कर दिखा रहे हैं। श्री सिंह ने कहा कि विवाह एक मध्यम वर्गीय परिवार या आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुये व्यक्तियों के लिये कितना महत्वपूर्ण विषय होता था, विवाह को लेकर कई मुद्दवरे गढ़े गये, गरीब व्यक्ति के लिए कन्या की शादी करना बहुत ही कठिन कार्य था, यहां इतने विवाह एक साथ गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न होना अपने आप में एक गौरव की बात है। उन्होने नव-दम्पत्तियों का आव्हान करते हुये कहा कि अपनी अर्धांगिनी को पूरा महत्व दें, अपने महत्वपूर्ण निर्णयों में अपनी पत्नी की सहमति अवश्य लें, आज से अर्धांगिनी केवल शब्दों की नहीं, आपके जीवन के हर निर्णय, खुशियां, कठिनाईयो में अर्धांगिनी हों। उन्होंने कहा कि इस भव्य समारोह में जिन नव-दंपतियों का वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न हुआ है, उन्हें अपने जीवन में मानस पटल पर इस समारोह की स्मृति हमेशा याद रहेगी। पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा ने कहा कि आज इस भव्य समारोह में बिना किसी भेद-भाव के प्रत्येक वर्ग की गरीब बच्चियों की शादी संपन्न हुई है। उन्होंने ईश्वर से कामना करते हुए कहा कि आप सबका नव जीवन खुशहाल हो। मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है इस योजना में गरीब परिवारों की बेटियों की शादी पर रू. 51 हजार सरकार द्वारा व्यय किया जा रहा है, जिसमें से रू. 35-35 हजार वधू के खाते में भेजा जा रहा है, रू. 10 हजार का सामान बेटियों को उपलब्ध कराया जा रहा है, रू. 06 हजार बारातियों-घरातियों के खानपान, अन्य व्यवस्थाओं पर व्यय किया जा रहा है। उन्होने सभी अतिथिगणों, जन-प्रतिनिधियों, वर-वधु एवं उनके परिजनों का आभार व्यक्त किया। जिलाध्यक्ष राहुल चतुर्वेदी ने कहा कि केंद्र-प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास के तहत बिना किसी भेद-भाव के समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है, मिशन अंत्योदय की भावना के साथ आगे बढ़ संचालित योजनाओं का धरातल तक लाभ पहुंचाने का कार्य तेजी से हुआ है, आज समाज के अंतिम पायदान का व्यक्ति भी योजनाओं का लाभ पाकर विकास की मुख्य धारा से जुड़कर सम्मान के साथ अपना जीवन-यापन कर रहा है। पूर्व विधायक अशोक सिंह चौहान ने वैवाहिक बंधन के सूत्र में बंधे जोड़ों को मुबारकबाद देते हुए कहा कि प्रदेश के मुखिया ने गरीब परिवार के दर्द को समझा, बेटी के हाथ पीले करने पर उनके अभिभावकों को होने वाली पीड़ा का एहसास कर यह महत्वाकांक्षी योजना लागू की ताकि गरीब व्यक्ति को बेटी बोझ न लगे। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपने को साकार करने का कार्य देश-प्रदेश में हो रहा है, उनकी कल्पना को साकार करने का कार्य देश के यशस्वी प्रधानमंत्री, प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किया, समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए तमाम जन-कल्याणकारी योजनाएं संचालित की, उ.प्र. के मुख्यमंत्री ने गरीब परिवारों की बेटियों के अभिभावक के रूप में उनका विवाह भव्य समारोह में कराकर अपना रिश्ता निभाया। पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप चौहान ने नव-दंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश मिशन अंत्योदय के तहत समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति तक संचालित योजनाओं का लाभ पहुंचाकर उन्हें भी मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य हुआ है, गरीब व्यक्ति को बेटी की शादी के लिए साहूकारों के चक्कर में न पड़े, अपनी जमीन गिरवीं न रखनी पड़े, इसके लिए यह अनूठी योजना लागू की, इस योजना का लाभ पाकर गरीब परिवार की बेटियां अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि आज एक ही मंडप में 343 जोड़ों की शादी हुयी, जहां एक ओर वैदिक रीति-रिवाज से 333 हिन्दू जोडों ने अग्नि को साक्षी मानकर एक दूसरे की रक्षा का वचन लिया वहीं मुस्लिम परंपरा के अनुसार 10 जोडों की निकाह की रस्म अदा हुयी। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष संगीता गुप्ता, अनुजेश प्रताप सिंह, अजय पाल सिंह चौहान के अलावा अपर जिलाधिकारी राम जी मिश्र, उप जिलाधिकारी सदर, करहल, भोगांव, कुरावली अभिषेक कुमार, नीरज कुमार द्विवेदी, संध्या शर्मा, आर.एन. वर्मा, परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. सत्येन्द्र कुमार, उपायुक्त मनरेगा श्वेतांक पांडेय, उपायुक्त एन.आर.एल.एम. शौकत अली, उपायुक्त उद्योग उत्कर्ष चंद्र, जिला पंचायत राज अधिकारी डा. अवधेश सिंह, खादी ग्रामोद्योग अधिकारी पवन यादव, समस्त खंड विकास अधिकारी, कार्यक्रम का संचालन स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी रविंद्र सिंह गौर ने किया।

रुबीना दिलैक

मां बनना मेरे लिए घर बैठने का बहाना नहीं है, 10वें दिन ही फिल्म प्रमोट कर रही थी

अभिनेत्री रुबीना दिलैक अपनी जुड़वा बेटियों की परवरिश और काम के बीच तालमेल बिठा रहीं हैं। वह रिएलिटी शो श्लाफ्टर शेफ सीजन 2श् में नजर आ रहीं हैं। रुबीना का मानना है कि घर के काम सभी को आने चाहिए। रुबीना दिलैक का कहना है कि बेटियों की परवरिश में पति अभिनव का बड़ा सहयोग मां बनने के बाद भी रुबीना का काम करने का जुनून बरकरार है घर के काम में रुबीना और अभिनव दोनों का बराबर का योगदान है श्जब-जब मैं काम करती हूं, तब-तब मैं खिलती हूंश, यह कहना है, अपनी साल भर की जुड़वा बेटियों की परवरिश और काम के बीच बखूबी तालमेल बिठा रहीं ऐक्ट्रेस रुबीना दिलैक का। छोटी बहू, शक्तिरू अस्तित्व के अहसास की और बिग बॉस 14 जैसे शोज में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाली रुबीना इन दिनों रिएलिटी शो लाफ्टर शेफसीजन 2 में नजर आ रही हैं। बचपन में आप पढ़ाई में काफी फोकस्ड थीं। आईएएस बनना चाहती थीं। मॉडलिंग भी करती थीं। ऐसे में, कुकिंग में महारत कैसे हासिल की? वैसे, अपनी तरफज्यादातर माएं बेटियों को काफी पहले ही कुकिंग सिखाने लगती हैं ! आपने बिल्कुल सही कहा। मेरी मम्मा ने भी बचपन से ही हम तीनों बेटियों को खाना बनाना, घर की सफाई, घर की देखरेख की शिक्षा दी है। हम स्कूल से आते थे, तो एक बहन रोटी बनाती थी, दूसरी सफाई करती थी, तीसरी सब्जी काट देती थी, तो हम मिल बांटकर काम करते थे। हमारे परिवार में खाना बनाना और घर की देखरेख करना हमारी एजुकेशन का बहुत अहम हिस्सा था और मुझे खुशी है कि मेरे पैरंट्स ने हमें वह शिक्षा दी क्योंकि कोई भी काम बड़ा या छोटा नहीं होता है। आज भी अगर मुझे खाना बनाना पड़े तो मैं बनाती हूं। हालांकि, भगवान की दया से आज हमें कुक मिल जाते हैं, हेल्प मिल जाते हैं, मगर मेरा मानना है कि घर के काम सभी को आने चाहिए। चाहे वो लड़का हो या लड़की। इस मामले में मैं कहूंगी कि अभिनव (पति अभिनव शुक्ला) भी बहुत परिपूर्ण है। उन्हें घर के सारे काम आते हैं। वह खाना बना लेते है। कपड़े-बर्तन साफकर लेते हैं, तो उनसे भी मुझे बहुत प्रोत्साहन मिलता है कि वह यह फर्क नहीं करते हैं कि घर के काम करना औरत की जिम्मेदारी है। यह अच्छी बात है कि औरतों के प्रति इस सोच में बदलाव आ रहा है और अपने घर में यह बदलाव देखा है।आप एक साल पहले ही जुड़वा बेटियों एधा और जीवा की मां बनी हैं। इसके बावजूद, पॉडकास्ट से लेकर इस शो तक में लगातार सक्रिय हैं। एक्टर और मां के डबल रोल के बीच कैसे बैलेंस बना रही हैं? देखिए, मेरी मजबूरी नहीं थी कि मैं काम करूं। मेरे लिए कोई बंदिश भी नहीं थी कि मुझे काम नहीं करना है। ये मेरी खुद की इच्छा है क्योंकि जब-जब मैं काम करती हूं, तब-तब मैं और खिलती हूं और वो खिलना, खुश रहना मेरे लिए बहुत जरूरी है क्योंकि तभी मैं अपने परिवार में वह प्रेम, वह स्नेह लेकर आ सकती हूं। उस संतुष्टि के लिए काम करने रहना मेरे लिए जरूरी है। मैं इस चीज को बहुत गर्व से देखती हूं। मतलब मैं अपनी डिलीवरी के दस दिन के बाद ही अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए बाहर थी। तब दिल पर बहुत बड़ा बोझ था। दिल रोता था, छाती भर आती थी कि मुझे मेरी बेटियों से दूर जाना पड़ रहा है। मैं उनके लिए उतना समय नहीं निकाल पा रही हूं, लेकिन वो मजबूरी नहीं थी। वह मेरी चॉइस थी। मैं उस दर्दनाक दौर से गुजरी, क्योंकि मैं चाहती हूं कि कल जब मेरी बेटियां बड़ी हो तो उन्हें पता चले कि उनकी मां कैसे अपने कर्तव्य का निर्वाह कर रही थी। हर किसी की सोच और परिस्थिति अलग होती है, लेकिन मुझे लगता है कि जिंदगी ऐसी ही होनी चाहिए। मेरे लिए प्रेगनेंसी या मां बनना घर बैठने का बहाना नहीं है। वह एक प्रेरणा होनी चाहिए कि आप अपने बच्चे के लिए एक बेहतर जगह बना सकें और मैं वही करने की कोशिश कर रही हूं। श्ऐसा लग रहा श्लाफ्टर शेफसश् खरीद लिया इन्होने...श, भारती सिंह, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन का मजेदार वीडियो!बेटियों के पालन-पोषण में एक्टर पति अभिनव शुक्ला आपका कितना हाथ बंटाते हैं? यह अभिनव का साथ ही है, जिसके चलते मैं बाहर काम कर पाती हूं। यह उनका मुझ पर भरोसा है, उनका सपोर्ट है क्योंकि वह जानते हैं कि मुझे मेरे काम से कितनी मोहब्बत है। इसके लिए वह अपनी हर चीज कुर्बान करते हैं। वो अपना समय, अपनी एनर्जी हर चीज से समझौता करते हैं। सच कहूं तो मर्दों को प्रकृति ने इस तरह से नहीं बनाया कि वो बच्चे का पालन-पोषण कर सकें। वह क्षमता, वह धैर्य प्रकृति ने औरतों को दिया है, लेकिन अभिनव अपनी क्षमता से आगे जाकर यह सब करते हैं। अपनी बेटियों पर वह जान छिड़कते हैं। उनके लिए कई रातें बिना सोए बिता सकते हैं। मुझे याद है, जब हमारी बेटियां पैदा हुई थी। मैं ऑपरेशन थियेटर से बाहर आने के बाद होश में आई, तभी नर्स ने कहा कि एक बेटी का डायपर बदलना है और मुझे एक आवाज सुनाई दी कि मैं करता हूं, मैं करता हूं। फिर, अभिनव आए और उन्होंने उसका बहुत ही खुशी के साथ उसका डायपर साफकिया। फिल्म इंडस्ट्री हो या टीवी इंडस्ट्री लोग टैग बड़ी जल्दी देते हैं। अभिनेत्री रुबीना दिलैक को बास लेडी का टैग मिला है। इस बारे में बात की हमने उनसे तो रुबीना ने हमें बेहतरीन जवाब दिया।मुझे खुद से बहुत उम्मीदें हैं - रुबीनाक्या इस टैग का उन पर कोई दबाव होता है? इस पर रुबीना ने कहा, 'मैं किसी टैग का दबाव नहीं लेती हूं। वैसा भी मेरा व्यक्तित्व ऐसा रहा है, जहां मैं कोई दबाव नहीं लेती। मैं केवल उन उम्मीदों का ध्यान रखती हूं, जो स्वयं से हैं। जब यह साल शुरू हुआ तो मैंने यही सोचा कि मैं स्वयं को किसी भी दायरे में नहीं बाधूंगी। मैं चाहती हूं कि मेरे लिए अलग-अलग रास्ते खुलें। मेरी ईमानदारी,निष्ठा हमेशा अपने काम के लिए ही रही है। मेरा काम मुझे जिस दिशा में लेकर जाएगा, मैं खुशी से उस रास्ते पर चल पड़ूंगी।' रुबीना बच्चों को नहीं दे पाती हैं समय? बता दें कि पिछले साल रुबीना दो प्यारी जुड़वां बेटियों की मां बनी हैं। वहीं जब उनसे ये सवाल किया गया कि क्या वो इतने बिजी सेड्यूल में बच्चों को समय दे पाती हैं। इस पर वह कहती हैं,'मैं यह नहीं कहूंगी कि जीवन बहुत खूबसूरत और आसान है, क्योंकि ऐसा नहीं है। खासकर तब, जब मैं सेट पर 18-20 घंटे काम करती हूं। जब घर जाती हूं तो उनके सोने का समय ऐसा बना हुआ है कि वे जाग रही होती हैं। उनके सोने के समय के साथ अपने समय का तालमेल बिठाना पड़ता है। इसके साथ ही अगले दिन पूरी ऊर्जा के साथ सेट पर काम करने के लिए लौटना पड़ता है, जो कठिन होता है, लेकिन कामकाजी मांओं के पास विकल्प भी क्या है!' रुबीना को लेखन से है प्रेम इसके अलावा रुबीना को लिखना पढ़ना भी बहुत पसंद है। वो हर दिन को डायरी में दर्ज करती हैं। रुबीना अपने हर दिन को लिखकर रखना पसंद करती हैं। लेखन के प्रति प्रेम को लेकर रुबीना कहती हैं, 'मैं हमेशा से ही लेखन को लेकर जुनूनी रही हूं। मुझे जब भी समय मिलता है तो लिखने बैठ जाती हूं। हालांकि मैं जो भी लिखती हूं, वो मेरे विचार होते हैं। हंसते हुए रुबीना कहती हैं,हो सकता है कई बार पढ़ने लायक भी न हों।'

टेलीविजन इंडस्ट्री के जाने-माने एक्टर मोहित मलिक ने हाल ही में अपना बॉलीवुड डेब्यू फिल्म श्आजादश् से किया है। लगभग 20 सालों से इस इंडस्ट्री का हिस्सा रहे मोहित ने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। एक समय ऐसा भी आया जब उन्हें आर्थिक तंगी के चलते अपना घर बेचना पड़ा। लेकिन मोहित का हौसला कभी नहीं टूटा। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान, मोहित ने अपने करियर के संघर्ष, आर्थिक तंगी के दौर और अपने मजबूत इरादों पर खुलकर बातचीत की। पढ़िए बातचीत के कुछ प्रमुख अंशरूक्या कभी एक्टिंग करियर छोड़ने का ख्याल आया? हां, कई बार। जब लंबे गैप हो जाते हैं, तो मन में सवाल उठता है कि क्या कुछ और करना चाहिए? बिजनेस शुरू करना चाहिए? लेकिन फिर दिल से आवाज आती है दृ नहीं, मैं इसी के लिए बना हूं। अदिति (पत्नी) और मैं शुरू से ही जानते थे कि मैं एक्टिंग फील्ड में ही रहूंगा। मुझे सिर्फ अच्छे किरदार करने हैं, भले ही इसके लिए इंतजार करना पड़े। मुंबई में रहना आसान नहीं है। कभी चार महीने तो कभी छह महीने तक घर बैठकर अच्छे रोल का इंतजार करना पड़ता है। ऐसे वक्त में खुद को मजबूत रखना पड़ता है। मुंबई में टिके रहना मुश्किल, लेकिन आगे बढ़ना उससे भी कठिन। इसीलिए हमने बैकअप प्लान तैयार किया।अदिति ने एक्टिंग छोड़कर रेस्टोरेंट बिजनेस शुरू किया और आज पूरे इंडिया में हमारे आठ रेस्टोरेंट्स हैं। हमें यह भी सीखने को मिला कि हर कलाकार को मुंबई आने से पहले बैकअप प्लान जरूर बनाना चाहिए, क्योंकि सिर्फ सपने लेकर चलना काफी नहीं होता।क्या कभी ऐसा हुआ कि जेब में पैसे नहीं थे, लेकिन सपने बड़े थे? हां, कई बार ऐसा हुआ। अभी कुछ महीने पहले भी ऐसी सिचुएशन आई थी जब पैसे खत्म हो गए थे। सोचा दृ अब क्या करें? लेकिन फिर हमेशा की तरह, कोई न कोई रास्ता निकल ही आया। पहले भी कई बार ऐसा हुआ था, इसलिए अब फर्क नहीं पड़ता। अब सोचता हूं दृ ठीक है, देख लेंगे। घर है, बेच देंगे, कुछ न कुछ कर लेंगे। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि जेब में पैसे हैं या नहीं। असली सवाल यह है कि क्या मैं रात को चैन से सो पाता हूं? चाहे कितना भी पैसा कमा लूं, कितने भी घर खरीद लूं, अगर सुकून नहीं है तो सब बेकार है। मेरे लिए असली सफलता यही है दृ दिमाग और दिल में शांति। और मैं बहुत ग्रेटफुल हूं कि मेरी लाइफ में अदिति है। वह मेरी ताकत है, मेरे हर उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़ी रही। जब मैं अपनी फैमिली को देखता हूं दृ मेरी मां, मेरी वाइफ, मेरा बच्चा दृ तो सारी परेशानियां छोटी लगने लगती हैं। मुझे लगता है कि कुछ भी कर लूंगा। मेहनत करने का जज्बा है, तो किस बात का डर? कभी-कभी स्ट्रेस होता है, लेकिन यही तो जिंदगी है। अगर आपके साथ सही लोग हैं, आपको सपोर्ट करने वाले लोग हैं, तो फिर कुछ भी नामुमकिन नहीं लगता। काम नहीं मिला, कोई बात नहीं, कुछ और कर लूंगा। दुनिया जीत लूंगा। वो दौर कैसा था जब आपने अपना घर बेचा था? वो वक्त आसान नहीं था। पहली बार ऐसा हुआ था कि पंख्स कम पड़ गए थे। मैंने जरूरत से ज्यादा लोन ले लिया था, और हालात थोड़े मुश्किल हो गए थे। उस वक्त ऐसा लगा जैसे सब कुछ उलट-पुलट हो रहा है। लेकिन इसने मुझे बहुत कुछ सिखाया। आज भी अगर ऐसी कोई सिचुएशन आती है, तो मैं उससे पीछे नहीं हटूंगा। मैंने वो घर अपने लिए ही बनाया था, इन्वेस्टमेंट भी अपने लिए ही किया था। अगर वो वक्त पर मेरे काम नहीं आया, तो फिर उस घर का क्या मतलब? मैं आज भी तैयार हूं कि अगर किसी अच्छे प्रोजेक्ट के लिए जरूरत पड़े, तो मैं अपना घर बेचने से भी पीछे नहीं हटूंगा। क्योंकि मेरे लिए सबसे जरूरी चीज है - अच्छा काम। अगर मुझे एक अच्छा प्रोजेक्ट करना है, तो मैं उसके लिए कुछ भी कर सकता हूं। जब काम नहीं था, तो उस वक्त खुद को कैसे मोटिवेट करते थे? हमारे प्रोफेशन में अनसर्टेनिटी बहुत ज्यादा होती है। कोई गारंटी नहीं कि आज काम है तो कल भी रहेगा। यह पूरा मानसिक खेल है। मैंने खुद को बिजी रखाकृएक्टिंग वर्कशॉप्स कीं, गिटार-सिंगिंग सीखी। इस दौरान अदिति का बहुत सपोर्ट रहा। जब मैं नेगेटिव सोचने लगता, तो वो मुझे पुश करती, एक्टिंग पर फोकस करने के लिए। मैं लकी हूं कि वो हमेशा मुझे मोटिवेट करती हैं। करियर के उस मोड़ को कौन सा टर्निंग पॉइंट मानते हैं, जब आप लो फेस से बाहर निकल आए? टर्निंग पॉइंट्स कई रहे, और आगे भी आते रहेंगे। टीवी शो 'कुल्फी कुमार बाजेवाला' ने मुझे एक सीरियस एक्टर बनाया। जब लगा कुछ नया नहीं होगा, तब चमत्कार हुआ। गिरकर संभलना ही असली जीत है।

ट्रोल्स ने भी कर दी तारीफ

टीवी शो दीया और बाती हम सीरियल हिट साबित हुआ था. इस शो में संध्या बींदणी और और सूरज की जोड़ी को बहुत पसंद किया गया था. शो में संध्या बींदणी का किरदार दीपिका सिंह ने निभाया था. संध्या का किरदार निभाकर दीपिका घर-घर में फेमस हो गई थीं. ये शो तो बहुत समय पहले खत्म हो चुका है लेकिन लोग उन्हें अभी भी संध्या के नाम से ही पहचानते हैं. दीपिका सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन कुछ न कुछ शेयर करती रहती हैं. दीपिका अपने डांस वीडियो को लेकर हमेशा ट्रोल होती रहती हैं. मगर इस बार ट्रोल्स ने उनकी तारीफ कर दी है. दीपिका आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी डांस वीडियो शेयर करती हैं. उनकी वीडियो पर लोग ढेर सारे कमेंट करते हैं और उन्हें खूब ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है. मगर दीपिका को ट्रोलिंग का कोई फर्क नहीं पड़ता है. इस बार वीडियो शेयर करके दीपिका के साथ उल्टा हो गया है. ट्रोल्स ने की तारीफ दीपिका ने पवन सिंह के गाने आई नहीं पर डांस करते हुए वीडियो शेयर किया है. जिसमें वो ग्रीन कलर के सूट में नजर आ रही हैं. उनके एक्सप्रेशन और मूव्स अच्छे लग रहे हैं जिसकी वजह से लोग भी उनकी तारीफ कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा- पहली बार इनकी डांस अच्छी लगी है. वहीं दूसरे ने लिखा- ये तो डांस सीख गई.एक यूजर ने लिखा- चलो फाइनली, ये स्टेप्स और सॉन्ग पहली बार सिंक हो गए. दूसरे ने लिखा- पहली बार डांस और एक्सप्रेशन दोनों खराब होने से बच गए. बता दें दीपिका सिंह दीया और बाती हम के बाद कई सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं. दीपिका इन दिनों टीवी शो मंगल लक्ष्मी में नजर आ रही हैं. शो में उनकी एक्टिंग और किरदार को लोग बहुत प्यार दे रहे हैं.

कहां और कैसे लाइव देखें सभी मैच? समय, वेन्यू से जुड़ी पूरी डिटेल्स

टीम इंडिया के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेले जाएंगे जबकि अन्य टीमें अपने सभी मैच पाकिस्तान के तीन शहर कराची, रावलपिंडी और लाहौर में खेलेंगी। 2025 चौंपियंस ट्रॉफी का पहला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच 19 फरवरी को खेला जाएगा। जबकि टीम इंडिया इस मेगा टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी से बांग्लादेश के खिलाफ करेगी।

बुधवार, 19 फरवरी से आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होने जा रहा है। करीब आठ साल बाद गत चौंपियंन देश पाकिस्तान की मेजबानी में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के सभी मैच पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में 8 टीमें आपस में टकराएंगी। वहीं टीम इंडिया के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेले जाएंगे जबकि अन्य टीमें अपने सभी मैच पाकिस्तान के तीन शहर कराची, रावलपिंडी और लाहौर में खेलेंगी। लेकिन उससे पहले जान लीजिए की चौंपियंस ट्रॉफी के सभी मैच आप लाइव कहां देख पाएंगे और भारत में ये मुकाबले कितने बजे से शुरू होंगे। 2025 चौंपियंस ट्रॉफी का पहला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच 19 फरवरी को खेला जाएगा। जबकि टीम इंडिया इस मेगा टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी से बांग्लादेश के खिलाफ करेगी। वहीं इस टूर्नामेंट का फाइनल 9 मार्च को खेला जाएगा। भारत में कितने बजे से शुरू होंगे चौंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले? 2025 चौंपियंस ट्रॉफी के मैच भारत के समय के अनुसार दोपहर ढाई बजे से शुरु होंगे। वहीं मैचों का टॉस दोपहर दो बजे होगा। कहां देख पाएंगे चौंपियंस ट्रॉफी के मैच? 2025 चौंपियंस ट्रॉफी के सभी मैचों को आप टीवी पर स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के चौनलों पर लाइव देख सकेंगे। इसके अलावा मुकाबलों की लाइव स्ट्रीमिंग जियो हॉटस्टार पर होगी। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का फुल शेड्यूल 19 फरवरी- पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड, नेशनल स्टेडियम, कराची 20 फरवरी- बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई इंटरनेशलन क्रिकेट एकेडमी, दुबई 21 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका, कराची, पाकिस्तान 22 फरवरी, ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, लाहौर, पाकिस्तान 23 फरवरी, पाकिस्तान बनाम भारत, दुबई 24 फरवरी, बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड, रावलपिंडी, पाकिस्तान 25 फरवरी, ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, रावलपिंडी, पाकिस्तान 26 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड, लाहौर, पाकिस्तान 27 फरवरी, पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, रावलपिंडी, पाकिस्तान 28 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया, लाहौर, पाकिस्तान 1 मार्च, दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड, कराची, पाकिस्तान 2 मार्च, न्यूजीलैंड बनाम भारत, दुबई 4 मार्च, सेमीफाइनल 1, दुबई 5 मार्च, सेमीफाइनल 2, लाहौर, पाकिस्तान 9 मार्च, फाइनल, लाहौर (जब तक भारत क्वालीफाई नहीं कर लेता, यह दुबई में कब खेला जाएगा) 10 मार्च- रिजर्व डे

पाकिस्तान में 29 साल बाद खेला जाएगा कोई आईसीसी टूर्नामेंट, मिनी विश्व कप चौंपियंस ट्रॉफी का आज से आगाज

कराची। भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ करेगी। भारत के सभी मैच दुबई में होंगे जबकि बाकी टीमें पाकिस्तान में खेलेंगी। पाकिस्तान में 1996 विश्व कप के बाद पहला आईसीसी टूर्नामेंट हो रहा है। भारत ने सुरक्षा कारणों के चलते पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत आज से होने जा रही है। आठ साल बाद इस टूर्नामेंट की वापसी हो रही है। पिछली बार यह टूर्नामेंट 2017 में खेला गया था, जब पाकिस्तान भारत को हराकर चौंपियन बना था। गत विजेता पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में बुधवार को उद्घाटन मैच के साथ ही इसका आगाज हो जाएगा। तमाम परेशानियों के बाद शुरू हुआ टूर्नामेंट चौंपियंस ट्रॉफी के शुरू होने से पहले ही इसको लेकर अनिश्चितता, नाटकीयता और पर्दे के पीछे की सरगर्मियां को देखा जा चुका है। श्मिनी विश्व कपश् के नाम से मशहूर इस टूर्नामेंट में आठ टीमें खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी और अपने क्रिकेट इतिहास का सुनहरा अध्याय लिखने की कोशिश में होंगी। भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ करेगी। भारत के सभी मैच दुबई में होंगे जबकि बाकी टीमें पाकिस्तान में खेलेंगी। पाकिस्तान में 1996 विश्व कप के बाद पहला आईसीसी टूर्नामेंट हो रहा है। भारत ने सुरक्षा कारणों के चलते पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था। वनडे क्रिकेट की प्रासंगिकता पर चल रही बहस पाकिस्तान में इस टूर्नामेंट के आयोजन में कई परेशानियां आईं। वनडे क्रिकेट की प्रासंगिकता पर चल रही बहस के बीच इस टूर्नामेंट की अहमियत को स्थापित करना भी एक चुनौती थी। टी-20 क्रिकेट की लोकप्रियता और टेस्ट प्रारूप के लिए प्रतिबद्धता की जद्दोजहद में कहीं न कहीं इसके लिए जगह बनाना विकट था।पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहला मुकाबला शायद ही किसी क्रिकेट आयोजन में इतना भू राजनीतिक तनाव, दो अहम प्रतिभागियों के दो प्रशासनिक बोर्ड (भारत और पाकिस्तान) की जिद और मेजबान स्टेडियमों की तैयारियों को लेकर आशंकाएं देखने को मिली हों। इससे नब्बे के दशक की यादें ताजा हो गई जब उपमहाद्वीप में क्रिकेट का आयोजन आनन-फानन में की गई किसी पार्टी की तरह लगता था। एक बार जब पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के कप्तान पहले मैच के टॉस के लिए उतरेंगे तो मैदान से बाहर की ये सारी बातें हाशिए पर चली जाएंगी। 36 कैमरों का प्रयोग चौंपियंस ट्रॉफी में किया जाएगा आईसीसी ने कहा कि दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए 36 कैमरों का इस्तेमाल होगा। घूमता हुआ कैमरा जमीनी स्तर के दृश्य दिखाएगा। कमेंट्री पैनल में गावस्कर सहित 4 भारतीय पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री के साथ दिनेश कार्तिक और हर्षा भोगले टूर्नामेंट के लिए आईसीसी कमेंट्री पैनल में चार भारतीय विशेषज्ञ हैं। आठों टीमों के बारे में जानें.... जीत के साथ विदा लेना चाहेंगे कोहली और रोहित उम्मीद की जा रही है कि कप्तान रोहित और विराट कोहली का यह अंतिम वनडे टूर्नामेंट हो सकता है। उनका कॅरिअर आखिरी पड़ाव पर है और जीत के साथ विदा लेना चाहेंगे। वहीं, भारतीय टीम ने भी महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2013 चौंपियंस ट्रॉफी के बाद कोई वनडे खिताब नहीं जीता है। पाकिस्तान ने पिछली बार 2017 में जीता था खिताब पाकिस्तान ने पिछली बार 2017 में भारत को फाइनल में हराकर खिताब जीता था। पहले मैच में पाकिस्तान की टीम न्यूजीलैंड से खेलेगी जबकि 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत होनी है। इस मैच में सरहद के आर-पार जज्बात उमड़ेंगे तो सोशल मीडिया भी किसी अखाड़े से कम नहीं दिखेगा। पाकिस्तान टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने उद्घाटन मैच से पहले कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम सभी को चौंपियंस ट्रॉफी का आनंद लेना चाहिए क्योंकि लंबे समय के बाद हम पाकिस्तान में इतनी बड़ी प्रतियोगिता का आयोजन कर रहे हैं। इंग्लैंड पर हावी बढ़ती उम्र और खराब फॉर्म इंग्लैंड के कुछ प्रमुख खिलाड़ियों पर बढ़ती उम्र और खराब फॉर्म हावी है। लेकिन बटलर, रूट और लियाम से एक आखिरी बार उसी चिर परिचित प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है। न्यूजीलैंड के लिए ट्रंप कार्ड होंगे विलियम्सन न्यूजीलैंड भी ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी के संन्यास के बाद नए खिलाड़ियों के साथ उतरी है। केन विलियम्सन ट्रंपकार्ड हैं और उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड को पहला आईसीसी खिताब दिला सकेंगे। अच्छी फॉर्म में दिख रही दक्षिण अफ्रीका की टीम द. अफ्रीका ने 1998 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी जीती थी। लेकिन हाल ही में कोई खिताब नहीं जीत पाई और इस कमी को पूरा करना चाहेगी। टीम अभी अच्छी फॉर्म में चल रही है। ऑस्ट्रेलिया को खलेगी कमिंस की कमी ऑस्ट्रेलिया प्रमुख तेज गेंदबाजों कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड के बिना आई है, लेकिन उसके पास जरूरतों पर खरे उतरने वाले बल्लेबाज हैं। अफगानिस्तान के पास मैच विजेता अफगानिस्तान की जीत को उलटफेर नहीं माना जाता है। राशिद खान, अजमतुल्लाह और रहमानुल्लाह गुरबाज जैसे मैच विनर उसके पास हैं। उलटफेर करने में माहिर बांग्लादेश बांग्लादेश 2007 वनडे विश्वकप में उलटफेर कर चुका है और उसे दोहराना चाहेगा। यह टीम उलटफेर करने में माहिर है।

जीत से शुरुआत करना चाहेगी भारतीय टीम, जानें लाइव स्ट्रीमिंग से जुड़ी जानकारी

दुबई। ग्रुप चरण में भारत को तीन मैच खेलने है और वो एक भी मैच गंवाने का जोखिम नहीं उठा सकती है। भारत इस आईसीसी टूर्नामेंट से पहले इंग्लैंड के खिलाफवनडे सीरीज अपने नाम कर चुका है, ऐसे में उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ होगा। रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम का सामना गुरुवार को चौंपियंस ट्रॉफी के अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश से होगा। खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम इस टूर्नामेंट की शुरुआत जीत से करना चाहेगी। ग्रुप चरण में भारत को तीन मैच खेलने है और वो एक भी मैच गंवाने का जोखिम नहीं उठा सकती है। भारत इस आईसीसी टूर्नामेंट से पहले इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज अपने नाम कर चुका है, ऐसे में उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ होगा। रोहित-कोहली को करना होगा बेहतर प्रदर्शन यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विराट कोहली, रोहित और यहां तक कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के पास अधिक समय नहीं है क्योंकि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली असफलताओं से मिले झटके का असर कम नहीं हुआ है। हालांकि कुछ अच्छे संकेत हैं। कप्तान रोहित ने कुछ दिन पहले इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतक और कोहली ने अर्धशतक बनाया, जबकि गंभीर के मार्गदर्शन में भारत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और वनडे सीरीज में क्रमशरू 4-1 और 3-0 की शानदार जीत दर्ज की। एक हार बदल सकती है समीकरण चौंपियंस ट्रॉफी में हालांकि भारत के सामने चुनौती घरेलू सीरीज से काफी अलग है। ग्रुप ए में भारत के प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड हाल ही में उसका सामना करने वाले इंग्लैंड की तुलना में कहीं अधिक प्रेरित नजर आ रहे हैं और एक हार भी लीग चरण के पूरे समीकरण को बदल सकती है। हालांकि भारत ने पिछले कुछ समय में 50 ओवर के क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। आइए जानते हैं भारत और बांग्लादेश के बीच चौंपियंस ट्रॉफी मैच से जुड़ी सारी जानकारियां... भारत और बांग्लादेश के बीच चौंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला कब खेला जाएगा? भारत और बांग्लादेश के बीच चौंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला 20 फरवरी यानी गुरुवार को खेला जाएगा। भारत और बांग्लादेश के बीच चौंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला कहां खेला जाएगा? भारत और बांग्लादेश के बीच चौंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला दुबई के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जाएगा। भारत और बांग्लादेश के बीच चौंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला कब शुरू होगा? भारत और बांग्लादेश के बीच चौंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 2रू30 बजे शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी दोपहर 2रू00 बजे होगा। भारत और बांग्लादेश के बीच चौंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला किस टीवी चौनल पर देख सकते हैं? भारत और बांग्लादेश के बीच चौंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला स्टार्स स्पोर्ट्स और नेटवर्क 18 के चौनलों पर देखा जा सकेगा। भारत और बांग्लादेश के बीच चौंपियंस ट्रॉफी मैच की लाइव स्ट्रीमिंग कहां उपलब्ध होगी? भारत और बांग्लादेश के बीच चौंपियंस ट्रॉफी मैच को ऑनलाइन जियोहॉटस्टार (श्रपवभ्वजेजंत) एप पर देखा जा सकता है। इसके साथ ही मैच से जुड़े लाइव अपडेट दर्शक ।उंतनरंसं.बवउ पर भी पढ़ सकते हैं।

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में भारत को दिलाया मेडल, आज मना रही 23वां जन्मदिन

आज यानी की 18 फरवरी को भारत की महिला निशानेबाज मनु भाकर अपना 23वां जन्मदिन मना रही हैं। मनु भाकर भारत की स्टार शूटर हैं, जिन्होंने पेरिस ओलंपिक में देश को 2 ब्रॉन्ज मेडल जिताए।

पेरिस ओलंपिक में दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की महिला निशानेबाज मनु भाकर आज यानी की 18 फरवरी को अपना 23वां जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने बचपन से ही ठान लिया था कि वह खेल की दुनिया में अपना नाम बनाएंगी। मनु भाकर भारत की स्टार शूटर हैं, जिन्होंने पेरिस ओलंपिक में देश को 2 ब्रॉन्ज मेडल जिताए। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर मनु भाकर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...जन्म और परिवार हरियाणा के झज्जर के गोरिया गांव में 18 फरवरी 2002 में मनु भाकर का जन्म हुआ था। मनु भाकर ने यूनिवर्सल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ाई की थी। वहीं उनके पिता मर्चेंट नेवी में इंजीनियर हैं और उनकी मां एक टीचर हैं। निशानेबाजी बता दें कि मनु भाकर ने बॉक्सिंग से खेल की दुनिया से की थी। उनको बचपन से खेल का बहुत शौक था। इस दौरान उनकी उम्र 6 साल की थी। वहीं बचपन में बॉक्सिंग करते समय मनु भाकर की आंख में चोट लग गई। जिसके बाद उनकी मां ने उनको बॉक्सिंग करने से मना कर दिया। जिसके बाद उन्होंने बॉक्सिंग छोड़ दी और खेल के प्रति उनकी दीवानगी और जुनून के कारण मनु ने खेल से नाता नहीं तोड़ा। इसके बाद वह क्रिकेट, कराटे, कबड्डी और स्केटिंग में अपना खेल दिखाया। फिर मनु भाकर का रुझान लॉन टेनिस और तैराकी की तरफहुआ। एक दिन मनु भाकर अपने पिता के साथ शूटिंग रेंज में घूम रही थीं। उसी दौरान मनु के पिता ने उनसे शूटिंग करने के लिए कहा और पहली बार में उन्होंने बेहतरीन शूट किया। यहीं से उनकी शूटिंग में दिलचस्पी बढ़ने लगी। स्कूल के दौरान से वह शूटिंग की ट्रेनिंग लेने लगी थी। इसके बाद नेशनल कोच जसपाल राणा ने मनु भाकर को शूटिंग की ट्रेनिंग दी। वहीं साल 2016 में अपने स्कूल में शूटिंग की शुरूआत की। मनु भाकर के गांव गोरिया से करीब 25 किमी दूर स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल में ही केवल शूटिंग रेंज है। यहां पर मनु भाकर को रोजाना 5 घंटे की ट्रेनिंग दी जाती थी। आप इस बात से अंदाजा लगा सकते हैं कि मनु भाकर ने इतने कम समय में इतनी मेहनत की और आज वह नेशनल चौंपियन हैं। उपलब्धियां साल 2017 में मनु भाकर ने केरल में नेशनल चौंपियनशिप में 9 स्वर्ण पदक जीतकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इसी साल एशियाई जूनियर चौंपियनशिप में रजत पदक नाम किया। मैक्सिको के गुआदालाजरा में साल 2018 अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट शूटिंग वर्ल्ड कप के 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में भाकर ने दो बार चौंपियन अलेजांद्रा जवाला को हराया। इस जीत से वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी बन गईं। मनु भाकर ने साल 2018 में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में भी डबल स्वर्ण जीता।

मैरी कॉम ने कहा- मैंने इस्तीफा नहीं दिया है, कार्यकाल पूरा करूंगी

भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष और महान मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम ने मंगलवार को इन खबरों का खंडन किया कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी बात को गलत समझा गया और वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगी। लंदन ओलंपिक 2012 कांस्य पदक विजेता मणिपुर की 42 वर्ष की इस मुक्केबाज ने पिछले सप्ताह राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में हलद्वानी में एक 'खराब होटल' में ठहराये जाने पर नाराजगी जताई थी। मैरी कॉम ने पीटीआई से कहा कि उनकी नाराजगी को इस्तीफा मान लिया गया। उन्होंने कहा ,'' मैने इस्तीफा नहीं दिया है। मैं अपना कार्यकाल (2026 के अंत तक) पूरा करूंगी।'' उन्होंने कहा ,'' मैं अपने साथी सदस्यों (खिलाड़ियों के आयोग में) से इतना ही कह रही थी कि आगे से ऐसा हुआ तो मैं इस्तीफा दे सकती हूं। मैने यह कभी नहीं कहा कि मैं इस्तीफा दे रही हूं। आईओए मेरा परिवार है और अगर मैं किसी बात को लेकर नाराज हूं तो मुझे उसे व्यक्त करने का पूरा अधिकार है।'' मैरी कॉम को 2022 में पैनल में चुना गया था जिसमें टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल उपाध्यक्ष हैं। आयोग में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू, पूर्व शॉटपुट खिलाड़ी ओम प्रकाश करहाना, शीतकालीन ओलंपियन शिवा केशवन, लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग, नौकायन खिलाड़ी बजरंग लाल ताखड़, तलवारबाज भवानी देवी, पूर्व हॉकी कप्तान रानी रामपाल और तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू हैं। मैरी कॉम ने कहा ,'' मुझे समझ में नहीं आता कि जब भी मैं किसी मामले पर आवाज उठाती हूं तो उसे इस तरह लिया जाता है। मेरे साथी कई खिलाड़ी कई मसलों पर बोलते हैं लेकिन उन्हें कोई गलत नहीं समझता।'' उन्होंने कहा ,'' मुझे राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में खराब होटल में रखा जबकि बेहतर होटल उपलब्ध था। अगर दूसरों को उसमें रखा जा सकता था तो मुझे क्यो नहीं। मैने यही सवाल किया था।'' उन्होंने कहा ,''बाद में मुझे पता चला कि लोग कह रहे हैं कि मैने इस्तीफा दे दिया। कहां है इस्तीफा। क्या किसी ने देखा है।'' यह पूछने पर कि क्या उन्होंने आईओए अध्यक्ष पी टी उषा से इस पर बात की है ,उन्होंने कहा ,'' मैं नहीं कर पाई क्योंकि मेरा फोन खो गया है। मैं उनसे बात करूंगी। मेरा उनके अच्छा संवाद है।

बीबीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला खिलाड़ी का पुरस्कार

नयी दिल्ली । स्टार भारतीय पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर को पेरिस ओलंपिक में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बीबीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला खिलाड़ी चुना गया। मनु इस पुरस्कार के लिए नामित पांच लोगों में शामिल थीं। गोल्फर अदिति अशोक, पैरा निशानेबाज अवनी लेखरा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना और पहलवान विनेश फोगाट को भी उनके असाधारण योगदान के लिए नामित किया गया था। खेल पत्रकारों और लेखकों की एक प्रतिष्ठित जूरी ने नामांकित खिलाड़ियों का चयन किया था। भारत में महिला खिलाड़ियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए दिए जाने वाले इस पुरस्कार का यह पांचवां सत्र है। बाइस वर्षीय मनु को पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने के लिए यह पुरस्कार मिला। वह स्वतंत्रता के बाद से एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ-साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया था। अन्य पुरस्कार विजेताओं में पैरा तीरंदाज शीतल देवी (बीबीसी की साल की उभरती हुई खिलाड़ी), भारत की पूर्व महिला क्रिकेट कप्तान मिताली राज (बीबीसी लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार) और पैरा निशानेबाज अवनी (बीबीसी साल की सर्वश्रेष्ठ महिला पैरा खिलाड़ी) शामिल रहीं। शतरंज खिलाड़ी तानिया सचदेव को बीबीसी 'चेंजमेकर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। मनु ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया और ओलंपिक सफलता की अपनी यात्रा का जिक्र किया। मनु ने कहा, ''मुझे सम्मानित करने के लिए मैं बीबीसी को धन्यवाद देती हूं। कुछ साल पहले मैंने साल की उभरती हुई खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था और अब इस साल मुझे बड़ा पुरस्कार मिला है। मेरी यात्रा उतार-चढ़ाव से भरी रही।'' उन्होंने कहा, ''तोक्यो के बाद मैंने बहुत संघर्ष किया, कई स्पर्धाएं हारी लेकिन यात्रा समाप्त नहीं हुई, यह जारी रही। आप केवल अपनी कहानी खुद लिख सकते हैं और मैंने पेरिस में ऐसा किया। अब यात्रा जारी रहेगी और मैं लॉस एंजिल्स (2028 ओलंपिक) में पदक का रंग बदलना चाहूंगी।

जर्मनी के खिलाफजीत की लय को कायम रखने उतरेगी भारतीय पुरूष हॉकी टीम

खराब शुरूआत के बाद अपने अभियान को ढर्रे पर लाने वाली भारतीय पुरूष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग में मंगलवार को पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता जर्मनी के खिलाफ जीत की लय को कायम रखने उतरेगी। भारत को प्रो लीग के घरेलू चरण के पहले मैच में स्पेन ने 3 . 1 से हराया। इसके बाद भारतीय टीम ने हालांकि मजबूती से वापसी करते हुए रिटर्न मैच में स्पेन को 2 . 0 से मात दी। दो मैचों में तीन अंक लेकर भारत अब तालिका में आठवें स्थान पर है और अगले मुकाबले जीतकर ऊपर जाना चाहेगा।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले नेट पर बड़े शॉट लगाने पर ध्यान केंद्रित किया

लोकेश राहुल ने बांग्लादेश के खिलाफचौंपियंस ट्रॉफी के अपने पहले मैच से पहले सोमवार को भारतीय टीम के दूसरे अभ्यास सत्र में अपने बड़े शॉट लगाने के कौशल पर काम किया।

न्यूजीलैंड से रहना होगा सावधान, भारतीय गेंदबाजों पर रहेगी नजर, पाकिस्तान की बल्लेबाजी कमजोर

नई दिल्ली। दो बार से फाइनल में पहुंची है भारतीय टीम, अब तक 29 में से जीते हैं 18 मैच। आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 को शुरू होने में अब बस दो दिन बचे हैं। इसके मुकाबले पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। भारतीय टीम अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगी। इस 50 ओवर के टूर्नामेंट में आठ टीमें भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एक्शन में दिखेंगी। हम आपको ग्रुप-ए, जिसमें भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और बांग्लादेश हैं, उसके स्क्वॉड और हालिया फॉर्म के आधार पर ॅव्ज् एनालिसिस करके बता रहे हैं... मजबूतीरू बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी के दम पर भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के साथ चौंपियंस ट्रॉफी में प्रबल दावेदारों में से एक होगी। चौंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत ने अपनी मेजबानी में इंग्लैंड को 3-0 से हराकर अपनी तैयारियों के संकेत दे दिए हैं। कप्तान रोहित शर्मा ने भी शतक लगाकर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए हैं। विराट भी पुराने टच में दिखने लगे हैं। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल बेहतरीन लय में हैं और मध्यक्रम को श्रेयस अय्यर मजबूती प्रदान कर रहे हैं। गेंदबाजी में भारत का स्पिन विभाग रवींद्र जडेजा, कुलदीप, अक्षर और वरुण की मौजूदगी से मजबूत नजर आता है। भारत के ग्रुप में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश और न्यूजीलैंड हैं। भारत दो बार ट्रॉफी जीत चुका है, पिछली बार चौंपियंस ट्रॉफी 2013 में इंग्लैंड में जीती थी जबकि 2002 में श्रीलंका के साथ संयुक्त विजेता था। पिछली दो बार से फाइनल में पहुंच रही भारतीय टीम का जीत प्रतिशत 69.2 है। उसने अब तक 29 में से 18 मैच जीते हैं। कमजोरीरू तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति निश्चित रूप से भारत को बड़ा नुकसान पहुंचाएगी। बुमराह हाल के दिनों में तीनों फॉर्मेट्स में भारत के सबसे बड़े मैच विजेता के रूप में उभरे हैं। वह लगभग हर बार जब गेंदबाजी करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 2261 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 2268 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7952898 65,9839177 72 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।